THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 278 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष पूर्णिमा 2080 मंगलवार, 26 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भूपालपल्ली में एक ही परिवार के पांच सदस्य कोरोना पॉजिटिव

हैदराबाद, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों में मामलों की संख्या में बढ़ोतरी के बीच तेलंगाना में एक ही परिवार के पांच सदस्यों का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। संक्रमण में हालिया उछाल के बाद यह पहली बार है कि एक ही परिवार से कई मामले सामने आए हैं। अधिकारियों के अनुसार, जयशंकर भूपालपल्ली जिले के गणपुरम में एक परिवार में एक बुजुर्ग व्यक्ति दो दिन पहले कोविड से संक्रमित पाया गया था। उन्हें वारंगल के एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चूंकि परिवार के अन्य सदस्यों में भी कोविड के लक्षण दिखे, तो स्वास्थ्य अधिकारियों ने परीक्षण करवाया, इससे पुष्टि हुई कि वे भी संक्रमित थे। परिवार को आइसोलेशन में रखा गया है। उनके नमूने यह पुष्टि करने के लिए भेजे गए थे कि क्या वे नए उप-संस्करण जेएन.1 से संक्रमित थे, जो भारत सहित दुनिया में कोविड मामलों की संख्या में वृद्धि का कारण बन रहा है। तेलंगाना में रविवार को 12 नए कोविड मामले दर्ज किए गए, इससे कुल सक्रिय मामले 38 हो गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को 24 घंटे की अवधि के दौरान 1,322 परीक्षण किए। हैदराबाद से पांच और रंगारेड्डी, संगारेड्डी और वारंगल जिलों से एक-एक मामला सामने आया।

पुंछ में 3 नागरिकों की मौत का मामला

> ब्रिगेडियर लेवल के अधिकारी समेत 4 पर कार्रवाई

> कोर्ट ऑफ इंक्वायरी शुरू

पुंछ, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी-पुंछ सेक्टर में 21 दिसंबर को हुए आतंकी हमले के बाद आर्मी चीफ मनोज पांडे सोमवार (25 दिसंबर) को पुंछ पहुंचे। आर्मी चीफ ने यहां कमांडरों से मुलाकात की और उन्हें प्रोफेशनल तरीके से काम करने की हिदायत दी।

उधर, सेना ने मारपीट से 3 सिविलियन की मौत के आरोपी जवानों के खिलाफ कोर्ट ऑफ इंक्वायरी शुरू कर दी है। सेना ने सुरनकोट बेल्ट के प्रभारी ब्रिगेडियर लेवल के अधिकारी और 48 राष्ट्रीय राइफल्स के तीन जवानों को मौजूदा ड्यूटी से हटा दिया है। दरअसल, आतंकियों ने सेना की 2 गाड़ियों पर हमला किया था। सुरनकोट इलाके में ढेरा की गली और बफलियाज में हुए हमले में 5 जवान शहीद हो गए थे। आतंकियों ने अमेरिकी एम-4 कार्बाइन असॉल्ट राइफल से स्टील बुलेट फायर की थी। सैनिकों के शहीद होने के बाद सेना ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। पूछताछ के लिए उठाए गए 8 संदिग्धों में से 22 दिसंबर को 3 के शव मिले थे। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था।

21 दिसंबर को हुए हमले की जिम्मेदारी पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने ली है। आतंकियों ने सोशल मीडिया पर हमले वाली जगह की तस्वीरें भी जारी कीं, जिनमें एम-4 राइफल के इस्तेमाल का दावा किया गया है। सूत्रों के अनुसार, एम-4 राइफल आतंकियों के पास पाकिस्तानी हैंडलरों से आई थीं। यह राइफल उस जखीरे का हिस्सा है जो अमेरिकी सेना अफगानिस्तान से जाते समय वहां छोड़ गई थी।

सेना ने घटना से जुड़े 4 जवानों का ट्रांसफर किया :

सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने जवानों के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 का मामला दर्ज किया है। चूंकि मौजूदा मामला अलग है, इसलिए जांच पूरी होने पर स्पेशल रिपोर्ट अलग से सौंपी जाएगी। एक ब्रिगेडियर लेवल के अधिकारी और 48 राष्ट्रीय राइफल्स के तीन जवानों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उधर, जम्मू-कश्मीर सरकार ने तीनों मृतकों के परिवार को मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है।

32 साल का संघर्ष, हक मिला आज

हुकुमचंद मिल के मजदूरों को मिली बकाया राशि

इंदौर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंदौर में 'मजदूरों के हित, मजदूरों को समर्पित' कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़कर कहा, मेरे लिए देश में चार जातियां सबसे बड़ी हैं- गरीब, युवा, महिलाएं और मेरे किसान भाई। गरीबों की सेवा, श्रमिकों का सम्मान और वंचितों को मान हमारी प्राथमिकता है।

पीएम ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर हुकुमचंद मिल के मजदूरों की बकाया राशि मिलने की प्रोसेस की शुरूआत वर्चुअली की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिसमापक (एक व्यक्ति या इकाई, जो किसी चीज का खात्मा करता है- आमतौर पर संपत्ति के मामले में) को यह चेक सौंपा। 32 साल से मजदूरों की देनदारियां बाकी थीं। मिल के करीब 4800 मजदूरों को उनके हिस्से का पैसा 15 से 30 दिन में मिल जाएगा। रकम बैंक खातों में आएगी। कनकेश्वरी धाम में हुए आयोजन में सीएम ने कन्या पूजन से कार्यक्रम की शुरूआत की। मुझे खुशी है कि आज अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती है।

भाजपा की ये नई सरकार और नए सीएम और प्रदेश में ये मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, वो भी मेरे श्रमिक भाई-बहनों के लिए होना मेरे लिए संतोष का विषय है। आज 224 करोड़ रुपये का चेक सौंपा गया। ये राशि श्रमिकों तक पहुंचेगी। आपको कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, लेकिन अब आपके सामने सुनहरे भविष्य की सुबह है। इंदौर के लोग 25 दिसंबर को श्रमिकों को न्याय मिलने के दिन के तौर पर याद रखेंगे। मुझे विश्वास है कि डबल इंजन सरकार को गरीब, श्रमिकों का भरपूर आशीर्वाद मिलेगा। >14

सैम पित्रोदा ने ईवीएम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हार के बाद टेक्नोक्रेट और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने एक बार फिर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ इसे अपनी सुविधा के अनुसार कैसे नियंत्रित किया जा सकता है और इसमें हस्तक्षेप कैसे संभव है, इसे जल्द ही उजागर करेंगे।

उन्होंने राजनीतिक दलों से ईवीएम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू करने और मतदान के बहिष्कार के बारे में भी विचार करने को कहा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के बेहद करीबी पित्रोदा ने कहा कि ईवीएम को किसी की सुविधा के अनुसार नियंत्रित किया जा सकता है। >14

न्यूजक्लिक के एचआर हेड सरकारी गवाह बन सकते हैं

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन से जुड़ी कंपनियों और संगठनों से फंडिंग लेने के आरोप में घिरी न्यूज पोर्टल न्यूजक्लिक के एचआर हेड ने सरकारी गवाह बनने की अर्जी लगाई है। अमित चक्रवर्ती ने सोमवार (25 दिसंबर) को दिल्ली की एक अदालत में सरकारी गवाह बनने की याचिका दायर की। उन्होंने कहा कि मेरे पास महत्वपूर्ण जानकारियां हैं, जो मैं पुलिस से शेयर करना चाहता हूं।

चक्रवर्ती ने पिछले हफ्ते भी दिल्ली की एक अदालत में याचिका लगाकर न्यूजक्लिक मामले में माफी देने का अनुरोध किया था। 3 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस ने न्यूज पोर्टल से जुड़े कई पत्रकारों के घर छापेमारी की थी। इसके बाद पुलिस ने न्यूजक्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर लिया था। फिलहाल दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। 19 दिसंबर को पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दायर कर मामले की जांच पूरी करने के लिए और 3 महीने का वक्त मांगा था। जस्टिस हरदीप कौर ने 22 दिसंबर को दिल्ली पुलिस की याचिका स्वीकार कर ली और जांच पूरी करने के लिए 60 दिन का अतिरिक्त समय दिया। कोर्ट ने प्रबीर पुरकायस्थ और अन्य की न्यायिक हिरासत भी 20 जनवरी 2024 तक बढ़ा दी। न्यूजक्लिक पर लगे आरोपों की सीबीआई सहित 5 एजेंसियां जांच कर रही हैं। मामले में सबसे पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की। दिल्ली पुलिस इकोनॉमिक ऑफेंस विंग, ईडी और इनकम टैक्स ने इस केस से जुड़े अलग-अलग मामलों में जांच कर रही है।

कल्याण बनर्जी ने फिर उतारी जगदीप धनखड़ की नकल

बंगाल में बोले-मिमिक्री मेरा मौलिक अधिकार, मैं हजार बार ये करूंगा

कोलकाता, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने एक बार फिर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल उतारी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में रविवार को एक सभा में अपने संबोधन के दौरान बनर्जी ने उपराष्ट्रपति का दोबारा मजाक उड़ाया। बांग्ला में बोलते हुए बनर्जी ने कहा कि वह मिमिक्री करते रहेंगे, यह एक आर्ट है। अगर जरूरत पड़ी तो वह ऐसा हजार बार भी करेंगे। कल्याण बनर्जी ने कहा, 'मेरे पास अपने विचार व्यक्त करने के सभी मौलिक अधिकार हैं। आप मुझे मार सकते हैं, लेकिन मैं पीछे नहीं हटूंगा, मैं लड़ना जारी रखूंगा।'

बनर्जी बोले-मिमिक्री एक आर्ट, पीएम मोदी भी उतार चुके नकल

पश्चिम बंगाल में सभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आगे कहा, 'मेरा किसी को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है। हालांकि, मेरा एक सवाल है। क्या वह (जगदीप धनखड़) सच में राज्यसभा में ऐसा व्यवहार करते हैं? मिमिक्री एक आर्ट है और यह 2014 और 2019 के बीच लोकसभा में पीएम द्वारा भी की गई थी।'

कहां से शुरु हुआ था मिमिक्री विवाद

13 दिसंबर को संसद में चूक को लेकर विपक्ष की मांग थी कि, पीएम मोदी या गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में बयान दें। इसको लेकर 14 दिसंबर से लेकर 21 दिसंबर तक विपक्ष ने सदन के अंदर जमकर हंगामा किया। जिसके चलते कुल 146 सांसदों को सस्पेंड किया गया। इसमें लोकसभा के 100 और राज्यसभा के 46 सांसद शामिल हैं। इस बीच 19 दिसंबर को कुछ सांसद संसद के मकर द्वार पर बैठकर प्रदर्शन कर रहे थे। तभी टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी खड़े होकर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल उतारने लगे। बाकी सांसद ठहाके लगा रहे थे और राहुल गांधी वीडियो बना रहे थे।

भाजपा ने मिमिक्री कांड पर विपक्ष को घेरा

इस मिमिक्री कांड पर उप राष्ट्रपति और राज्यसभा सभापति धनखड़ ने सदन के अंदर बयान भी दिया। उन्होंने कहा- आप मेरा मजाक

कितना भी उड़ा लो लेकिन वो संवैधानिक पद की रक्षा हमेशा करते रहेंगे। भाजपा ने भी इस मुद्दे पर विपक्ष पर जमकर निशाना लगाया।

पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोप में कांग्रेस के पूर्व सांसद पर केस

अहमदाबाद, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अमरेली जिले में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में पूर्व कांग्रेस सांसद वीरजी थुम्मर के खिलाफ गैर संज्ञेय अपराध दर्ज किया गया है। थुम्मर ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी को तकलीफ देना नहीं था बल्कि लोगों के आवाज को उठाना था।

शिकायत के आधार पर अमरेली सिटी पुलिस ने आपराधिक मानहानि और जानबूझ कर अपमान करने के संबंध में भारतीय दंड संहिता की धारा 499, 500 और 504 के तहत थुम्मर के खिलाफ गैर-संज्ञेय अपराध दर्ज किया है। अमरेली जिले के भाजपा इकाई के महासचिव मेहुल धोराजिया ने थम्मुर पर कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी को दलाल कहने का आरोप लगाया है। उन्होंने अमरेली पुलिस स्टेशन में शनिवार को शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि, यह अपराध गैर-संज्ञेय है, इसलिए थुम्मर के खिलाफ जांच के लिए पुलिस को अदालत से अमुमति लेनी होगी। थुम्मर ने भाजपा पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा उनके पुतले जलाकर उन्हें बदनाम कर रही है।

फर्जी मार्कशीट का 8 राज्यों में नेटवर्क

होलोग्राम लगाकर 1200 से ज्यादा मार्कशीट बेची, खुद की वेबसाइट भी बनाई

इंदौर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। फर्जी मार्कशीट कांड में रांची से गिरफ्तार हुए गिरोह के सरगना कुमार आर्यन उर्फ मुकेश और उसके चचेरे भाई अमित कुमार उर्फ आनंद सिंह से बड़े खुलासे हुए हैं। आरोपियों ने फर्जी मार्कशीट का गोरखधंधा 8 राज्यों ओडिशा, महाराष्ट्र, राजस्थान, मप्र, बिहार, यूपी, सिक्किम और उत्तराखंड में भी फैला रखा था। इंदौर में गिरोह ने दिनेश तिरोले जैसे 4 से 5 एजेंट बना रखे थे। पुलिस को उनकी तलाश है।

विजय नगर टीआई रवींद्र गुर्जर ने बताया दोनों आरोपियों ने दिनेश तिरोले के अलावा और भी एजेंट नियुक्त करना कबूला है। आरोपियों का 1 जनवरी तक का पुलिस रिमांड मिला है। इस गैंग ने 8 राज्यों में अपना नेटवर्क होने की बात कही है। पिछले डेढ़ से 2 साल में गिरोह के सदस्यों ने देशभर की हर प्रमुख यूनिवर्सिटी, स्कूल व कॉलेज की 1200 से ज्यादा मार्कशीट बनाकर बेचना कबूल किया है।

रोचक खबरें

'छछूंदर के सिर पर चमेली का तेल' क्यों कहते हैं? यूं ही नहीं बनी है कहावत

हमने बचपन से तमाम ऐसे मुहावरे और कहावतें सुनी हैं, जिन्हें हम इस्तेमाल भी धड़ल्ले से करते हैं, लेकिन इसके पीछे की असल वजह नहीं जानते. कुछ ऐसी ही कहावतों में शुमार है –'छछूंदर के सिर पर चमेली का तेल'. आखिर चमेली के तेल से छछूंदर का क्या नाता है, जो किसी और जानवर का नहीं है. चलिए जानते हैं इसके पीछे की असली वजह। "छछूंदर के सिर पर चमेली का तेल" की कहावत लगभग हर बोली-भाषा में इस्तेमाल की जाती है. आपने शायद ही कभी सोचा होगा कि क्यों ये कहावत बनाई गई. आज हम आपको इसी के बारे में बताएंगे और ये भी समझाएंगे कि इस कहावत को बनाया क्यों गया. इसके बारे में इंटरनेट पर कई लोगों ने सवाल भी पूछा है, लेकिन इसका सही जवाब शायद ही किसी को पता होगा.

आखिर क्यों छछूंदर के सिर पर ही चमेली का तेल?

इस कहावत के बनने के पीछे एक बेहद खास वजह है. छछूंदर ऐसा जीव है, जो अपनी प्रतिरक्षा में दुश्मनों से बचने के लिए अजीब सी दुर्गंध वाला बहुत ही बदबूदार द्रव्य छोड़ती है. इस दुर्गंध की वजह से लगभग सारी प्रकृति इससे घृणा करती है. वहीं चमेली ऐसा फूल है, जिसमें से तेज़ खुशबू आती और इसे अच्छे कामों में इस्तेमाल किया जाता है. ये दोनों एक दूसरे के विपरीत हैं, यही वजह है कि ये कहावत बनाई गई है, जिसका अर्थ होता है किसी अयोग्य आदमी को बहुमूल्य चीज़ का मिल जाना.

इसे भी जानिए ... : छछूंदर एक ऐसा गंदा जानवर होता है, जिसकी बदबू की वजह से मांसाहारी जानवर भी इसका शिकार नहीं करते. उसका मांस खाना किसी को पसंद नहीं होता. प्रकृति में केवल उल्लू ही है, जो छछूंदर के मांस को पचा सकता है. यही वजह है कि इसके पास कीमती वस्तु का होना शोभा नहीं दे सकता क्योंकि इसकी बदबू उसे भी गंदा बना देती है.

भुलक्कड़ लोगों का गांव, जहां किसी को कुछ याद ही नहीं रहता, बिना पैसे के रहते हैं लोग!

आजकल लोगों के पास इतना काम होता है कि उन्हें अपने दिमाग में न जाने कितनी चीज़ें एक साथ रखनी पड़ती हैं. ऐसे में कुछ भी भूल जाना कोई बड़ी बात नहीं है. हालांकि भूलने की इस आदत या बीमारी से इंसान की ज़िंदगी काफी प्रभावित होती है. सोचिए, अगर कोई जगह हो, जो खासतौर पर भूलने की बीमारी से परेशान लोगों के लिए ही बनी हो, तो कितना दिलचस्प होगा.

आज हम आपको एक ऐसे ही गांव के बारे में बताएंगे, जहां रहने वाले लोगों को कुछ भी याद नहीं रहता. न वे रास्ते याद कर सकते हैं न ही दुकान पर पैसे देकर कुछ खरीद सकते हैं. ऐसे में यहां उन्हें सब कुछ फ्री में ही दिया जाता है. ये गांव यूरोपियन देश फ्रांस में है और दूसरी जगहों से काफी अलग है.

हर नागरिक को है भूलने की बीमारी

सुनकर आपको अजीब लग सकता है लेकिन लैंडेस नाम के इस गांव का हर नागरिक भूलने की बीमारी यानि डिमेंशिया से पीड़ित है. यहां सबसे बूढ़े नागरिक की उम्र 102 साल है, जबकि सबसे युवा शख्स 40 साल का है. इस गांव को खासतौर पर डिमेंशिया से जूझ रहे लोगों के लिए ही बनाया गया है, जो छोटी-बड़ी बातें भूल जाते हैं. ये एक्सपेरिमेंटल गांव बोर्डो यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स की निगरानी में रहता है, जिसे वे 6 महीने बाद देखने आते हैं और लोगों की प्रोग्रेस जांचते हैं. यहां कुल 120 लोग रहते हैं और उतने ही मेडिकल प्रोफेशनल्स भी.

पैसे की कोई ज़रूरत ही नहीं ...

यहां रहने वालों को पैसे रखने की कोई ज़रूरत ही नहीं है. गांव के चौराहे पर एक जनरल स्टोर है, जहां सारी चीज़ें मुफ्त में मिल जाती हैं. दुकान के साथ-साथ रेस्तरां, थिएटर और कुछ और एक्टिविटीज़ भी हैं, जिसमें लोग हिस्सा ले सकते हैं. बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक इस गांव के निवासियों का परिवार उनके यहां रहने के लिए एफ24,300 यानि करीब 25 लाख रुपये का चार्ज देता है. फ्रांस की स्थानीय सरकार भी इसके लिए 179 करोड़ रुपये से ज्यादा का डोनेशन दे चुकी है.

अंजान शख्स को महिला ने दी किडनी, ऑपरेशन के बाद पहली बार हुई दोनों की मुलाकात

देखकर भर आएंगी आंखें!

अक्सर आपने लोगों को कहते सुना होगा कि इस दुनिया से इंसानियत गायब हो चुकी है. पर सच तो ये है कि आज भी इस दुनिया में कई ऐसे लोग हैं, जो अंजान लोगों की भी मदद अपनों की तरह करने को तैयार हो जाते हैं. ऐसे लोग ही इंसानियत का झंडा बुलंद किए हुए हैं और इन्हीं की वजह से ये दुनिया रहने लायक है. हाल ही में एक ऐसी ही महिला का वीडियो वायरल हुआ, जिसने एक अंजान व्यक्ति को अपनी किडनी दान कर दी. जब ऑपरेशन के बाद दोनों की पहली बार मुलाकात हुई, तो जो माहौल बना, वो भावुक कर देने वाला है.

इंस्टाग्राम अकाउंट @goodnews_movement पर अक्सर सकारात्मक वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं. हाल ही में इस अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें एक महिला उस व्यक्ति से मिलती दिख रही है, जिसे उसने अपनी किडनी दान की है. वीडियो के साथ बताया गया कि ये महिला एक गणित की टीचर है. उसने अपनी किडनी एक अंजान व्यक्ति को दान की. जिस शख्स को किडनी मिली, वो इस क्रिसमस ना ही कोई खिलौना, ना ही कोई वीडियो गेम चाहता था, वो सिर्फ अपने पिता को ठीक देखना चाहता था, और इस महिला ने उसकी इस ख्वाहिश को पूरा कर दिया. हालांकि, वीडियो से नहीं समझ आ रहा है कि क्या वो बच्चा इस महिला का छात्रा था, जिसके पिता की मदद उसने की है. वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि महिला, ऑपरेशन के बाद, बीमार अवस्था में ग्लूकोज की ड्रिप लिए शख्स से मिलने चली आती है. जैसे ही वो व्यक्ति उस महिला को आते देखता है, वो अपने दोनों हाथ जोड़ लेता है और उसे धन्यवाद करने लगता है.

मध्य प्रदेश में 28 मंत्रियों ने ली शपथ

- शिवराज सरकार के 6 मंत्रियों को ही जगह, 10 की छुट्टी
- विजयवर्गीय, प्रहलाद समेत 18 कैबिनेट मंत्री

भोपाल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हो गया है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने 28 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इनमें से 18 विधायकों को कैबिनेट और 10 विधायकों को राज्य मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। 28 मंत्रियों में 7 सामान्य वर्ग से, 11 ओबीसी वर्ग से, 6 एससी वर्ग से और 4 एसटी वर्ग से हैं। सबसे पहले कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद सिंह पटेल, राकेश सिंह, करण सिंह वर्मा, उदयप्रताप सिंह ने एक साथ शपथ ली। दूसरी बार में कुंवर विजय शाह, तुलसीराम सिलावट, एदल सिंह कंषाना, निर्मला भूरिया, गोविंद सिंह राजपूत, विश्वास सारंग ने शपथ ग्रहण की। तीसरी बार में नारायण सिंह कुशवाह, नागर सिंह चौहान, चैतन्य काश्यप, इंदर सिंह परमार, राकेश शुक्ला, प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शपथ ली। चौथी बार में संपतिया उइके ने अकेले शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने राज्यपाल के पैर छुए।

6 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

कृष्णा गौर, धर्मेंद्र लोधी, दिलीप जायसवाल, लखन पटेल, नारायण सिंह पंवार, गौतम टेटवाल ने एक साथ शपथ ली।

4 राज्य मंत्री

नरेंद्र शिवाजी पटेल, प्रतिमा बागरी, राधा सिंह, दिलीप अहिरवार

इनमें से 10 को जगह नहीं

नए मंत्रिमंडल में शिवराज सरकार के केवल 6 मंत्रियों को ही जगह मिली। शिवराज सरकार में कुल 33 मंत्री थे। इनमें से 31 चुनावी मैदान में उतरे थे। 12 मंत्री चुनाव हारे, जबकि 19 मंत्री जीतकर फिर से विधानसभा पहुंचे। इनमें से मोहन यादव मुख्यमंत्री, जगदीश देवड़ा और राजेन्द्र शुक्ला डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ले चुके हैं। बचे 16 में से 10 को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है।

सांसद से विधायक बनी रीति पाठक को जगह नहीं

बीजेपी विधानसभा चुनाव में तीन केंद्रीय मंत्रियों समेत 7 सासंदों को चुनावी मैदान में उतारा था। इनमें से केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते और सांसद गणेश सिंह चुनाव हार गए। नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद सिंह पटेल, राकेश सिंह, राव उदय प्रताप सिंह और रीति पाठक चुनाव जीतकर विधायक बने। तोमर विधानसभा अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। वहीं प्रहलाद सिंह पटेल, राकेश सिंह और राव उदय प्रताप सिंह को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। सीधी से विधायक चुन कर आईं रीति पाठक को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है।

शिवराज सरकार के 19 मंत्री जीतकर आए,

महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे कोरोना संक्रमित

लोगों से अजित पवार की अपील- घबराने की जरूरत नहीं

मुंबई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री धनंजय मुंडे कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इसकी जानकारी देते हुए लोगों को घबराने से मना किया है।

उन्होंने कहा, 'मेरे कैबिनेट सहयोगियों में से एक धनंजय मुंडे कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं। प्रशासन इसके लिए सावधानी बरत रहा है। इसके प्रसार को रोकने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।' हालांकि, धनंजय मुंडे के कार्यालय ने भी उनके कोरोनावायरस टेस्ट पॉजिटिव होने की पुष्टि की है। वेरियंट के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है।

शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन हुए संक्रमित

कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन (20 दिसंबर) को वह कोरोनावायरस संक्रमित पाए गए थे। उन्होंने कहा, 'मंत्री 21 दिसंबर को अपने घर गए, आइसोलेशन में रहे और डॉक्टरों के सुझाव के अनुसार दवाई भी ली। अब कोई लक्षण नहीं है। वह अब वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक में उपस्थित हो रहे हैं।' उन्होंने आगे बताया, 'उनके कार्यालय के कुछ स्टाफ की भी तबीयत खराब हुई है, लेकिन हम प्रोटोकॉल फॉलो करते हुए किसी से भी नहीं मिल रहे हैं। हममें से किसी में भी संक्रमण का कोई लक्षण नहीं है।' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के डेटा के अनुसार रविवार को 656 कोरोनावायरस के मामले सामने आए। सक्रिय मामले अब बढ़कर 3,742 हो चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने नए जेएन.1 स्ट्रेन को एक अलग वेरिएंट के तौर पर बताया है। महाराष्ट्र में रविवार को 50 नए कोरोनावायरस के मामले दर्ज किए गए। उनमें से नौ मरीजों में जेएन.1 के लक्षण पाए गए।

'सभी दुकानों पर कन्नड़ भाषा में नेमप्लेट लगाना जरूरी वरना कानूनी कार्रवाई, नपा ने जारी किया आदेश

बंगलूरू, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बंगलूरू में अब सभी दुकानदारों को कन्नड़ भाषा में नेमप्लेट लगाना जरूरी हो गया है। बंगलूरू नगर पालिका ने यह आदेश दिया है। नगर पालिका के आदेश के मुताबिक जो दुकानदार कन्नड़ भाषा में नेमप्लेट नहीं लगाएगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। कई कन्नड़ संगठन इसकी मांग कर रहे थे और उन्होंने इसे लेकर प्रदर्शन भी किया था।

नगर पालिका कमिश्नर ने दिए आदेश

बता दें कि बृहत बंगलूरू महानगर पालिका (बीबीएमपी) के चीफ कमिश्नर तुषार गिरि नाथ ने कहा है कि 28 फरवरी तक नगर पालिका के अंतर्गत आने वाली सभी दुकानों पर 60 प्रतिशत कन्नड़ भाषा वाली नेमप्लेट लगाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर कोई दुकान इस आदेश का पालन नहीं करेगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिन दुकानों की नेमप्लेट में कन्नड़ भाषा का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा, उन दुकानों के ट्रेड लाइसेंस बंगलूरू नगर पालिका रद्द कर सकती है। बता दें कि नेमप्लेट में 60 प्रतिशत कन्नड़ के इस्तेमाल के बाद बाकी 40 प्रतिशत में अन्य भाषा का इस्तेमाल किया जा सकता है।

बंगलूरू के सभी जोन का किया जाएगा सर्वे

दरअसल कन्नड़ संगठनों ने इसकी मांग की थी। नगर पालिका के कमिश्नर तुषार गिरी नाथ ने इन संगठन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और इस बैठक के बाद ही नेमप्लेट में कन्नड़ भाषा के 60 प्रतिशत इस्तेमाल का आदेश दिया गया है। तुषार गिरि नाथ ने कहा कि शहर में 1400 किलोमीटर लंबी मुख्य और अन्य सड़कें हैं। इन सड़कों पर मौजूद सभी दुकानों का जोन के अनुसार, सर्वे किया जाएगा और नेमप्लेट चेक की जाएंगी। उन्होंने कहा कि सभी जोनल कमिश्नर्स के साथ बैठक करके इस आदेश को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि कर्नाटक सरकार ने साल 2017 में ही दुकानों की नेमप्लेट में कन्नड़ भाषा का इस्तेमाल करने संबंधी कानून बनाया था। हालांकि इसके बावजूद कानून का क्रियान्वयन ठीक से नहीं हुआ था। इसके खिलाफ कन्नड़ संगठनों ने आवाज उठाई, जिसके बाद अब बंगलूरू नगर पालिका ने दुकानों की नेमप्लेट में कन्नड़ भाषा का इस्तेमाल सख्ती से लागू करने का आदेश दिया है।

बहरीन से लाया गया रेप का आरोपी

सीआईएसएफ की हिरासत से हुआ फरार, सुरक्षा के 4 घेरों को तोड़ने में हुआ कामयाब

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। सीआईएसएफ की लापरवाही की चलते दुष्कर्म का एक आरोपी दिल्ली एयरपोर्ट से फरार होने में सफल हो गया. इस मामले में सीआईएसएफ से सिर्फ एक जगह पर चूक नहीं हुई, बल्कि वह तीन-तीन जगहों पर इस आरोपी को रोकने में नाकामयाब साबित हुई. अब इस माममले में दिल्ली एयरपोर्ट पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है।

डीएमके सांसद की यूपी-बिहार के लोगों पर टिप्पणी के बाद गरमाई सियासत

भाजपा नेता ने दिखाया आईना

चेन्नई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। डीएमके सांसद दयानिधि के एक बयान पर उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति गरमा गई है। दरअसल मारन ने अपने एक बयान में कहा था कि हिंदी बोलने वाले यूपी-बिहार के लोग तमिलनाडु में शौचालय साफ करते हैं और सड़क निर्माण के कामों में मजदूरी करते हैं। अब मारन के इस बयान पर तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने तगड़ा पलटवार किया है। बता दें कि डीएमके ने कहा है कि मारन की जिस वीडियो पर विवाद है, वह पुरानी वीडियो है। इस पर अन्नामलाई ने नाराजगी जाहिर की।

अन्नामलाई ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लिखा कि 'डीएमके सांसद ने यूपी बिहार के हमारे दोस्तों को लेकर जो बयान दिया है, उसे लेकर डीएमके का कहना है कि वह वीडियो पुराना है, लेकिन इससे ये तथ्य नहीं बदल सकता कि डीएमके बंटवारे के सिद्धातों पर बनी पार्टी है और आज भी इसके नेता ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं?' के अन्नामलाई ने डीएमके नेता टीआरबी राजा के पुराने ट्वीट भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। जिनमें राजा ने यूपी बिहार के लोगों को लिए अपमानजनक बातें लिखीं थी। अन्नामलाई ने इन ट्वीट को लेकर भी डीएमके पर निशाना साधा। दयानिधि मारन ने एक रैली के दौरान यूपी बिहार के लोगों के बारे में विवादित बयान दिया। डीएमके का दावा है कि यह वीडियो पुराना है जो अब वायरल हो रहा है। दरअसल मारन अपने भाषण के दौरान अंग्रेजी भाषा की पढ़ाई की अहमियत बता रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा कि जो लोग अंग्रेजी भाषा जानते हैं, वह आईटी सेक्टर में सम्मानित नौकरी करते हैं, ना कि यूपी बिहार के लोगों की तरह, जो सिर्फ हिंदी जानते हैं और तमिलनाडु में आकर मजदूरी करते हैं। डीएमके सांसद मारन के बयान पर भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि घमंडिया गठबंधन देश में नफरत फैला रहा है और इसके नेता परेशान होकर ऐसे बयान दे रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी मारन के बयान पर निशाना साधते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्षी गठबंधन देश को बांटने की कोशिश कर रहा है। तमिलनाडु में भाजपा के नेताओं ने भी डीएमके नेताओं पर उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने भी मारन के बयान की आलोचना की है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 26 दिसंबर, 2023 3

युविचार

कर्तव्य और कर्म जिसके साथ है, बस समझो जीत उसके पास है !

हैदराबाद में खराब मौसम के कारण हवाई यातायात प्रभावित, मुंबई लौटी फ्लाइट

कोहरे के बीच राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंगलूरू से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट यूके 897 हैदराबाद एयरपोर्ट पर खराब मौसम के कारण वापस बंगलूरू लौट आई। हैदराबाद एयरपोर्ट पर खराब मौसम के कारण मुंबई से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट यूके 873 को भी वापस मुंबई लौटना पड़ा।

उधर, तेलंगाना के नालगोंडा जिले में कोहरे के कारण दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई है। इस घटना में तीन अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस के अनुसार, सोमवार को एक बाइकर के शव को घर ला रहे उसके परिवार के चार लोगों को कोहरे के कारण एक जीप ने टक्कर मार दी। हालांकि, मरने वालों की पहचान अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

निदामनूर पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर (एसआई) ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि हादसा सुबह के चार बजे घटी। इस हादसे में चारों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में ले जाया गया है। शवों का पोस्ट मॉर्टम कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार मृतक बाइकर 24 दिसंबर को वेम्पड गांव में अपनी मोटरसाइकिल से यात्रा कर रहा था। जैसे ही वह चौराहे पर पहुंचा, दुर्घटना का शिकार हो गया और एक पैदल चल रहे यात्री को टक्कर मार दी। यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं बाइकर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

राज्य में कोहरे के कारण एक के बाद एक हुई दो दुर्घटनाओं में एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई, जबकि सोमवार सुबह निदमनूर मंडल में पहली सड़क दुर्घटना में एक अन्य व्यक्ति की भी जान चली गई। दो दुर्घटनाओं का कारण कोहरे के कारण खराब दृश्यता बताया गया है।

पुलिस के अनुसार, मोटरसाइकिल चला रहे रामावथ केशवुलु ने वेम्पाडु गांव में पैदल यात्री नागराजू को टक्कर मार दी और दोनों की जान चली गई।

कोदंडराम ने की डिप्टी सीएम भट्टी से मुलाकात, राजनीतिक अटकलें तेज हो गईं

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) के अध्यक्ष प्रोफेसर कोदंडराम ने सोमवार को यहां बीआर अंबेडकर सचिवालय में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू से मुलाकात की, जिससे विभिन्न पहलुओं पर राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गईं। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने कहा कि यह सिर्फ एक शिष्टाचार मुलाकात थी। टीजेएस अध्यक्ष के साथ पार्टी उपाध्यक्ष प्रोफेसर पीएल विश्वेश्वर राव, महासचिव बी रमेश और ग्रेटर हैदराबाद इकाई के अध्यक्ष एम नरसैया भी थे। यह याद किया जा सकता है कि टीजेएस ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा था और कांग्रेस पार्टी को बिना शर्त समर्थन दिया था। दोनों पार्टियों के बीच चुनावी गठबंधन के रूप में, टीपीसीसी अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी ने 30 अक्टूबर को टीजेएस अध्यक्ष से मुलाकात की थी और टीजेएस नेताओं को प्रमुख 'पदों' का आश्वासन दिया था।

दो हफ्ते पहले, टीपीसीसी उपाध्यक्ष मल्लू रवि ने शहर में टीजेएस अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों से मुलाकात की थी। यह बैठक कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद 5 दिसंबर को हुई थी.

कैबिनेट विस्तार के मद्देनजर, राजनीतिक गलियारों में टीजेएस नेताओं को संभावित आवंटन को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। अपुष्ट रिपोर्टों में कहा गया है कि टीजेएस अध्यक्ष को राज्यसभा सीट की पेशकश की जा सकती है या राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है या टीजेएस नेताओं को अन्य पदों के अलावा एमएलसी पद की भी पेशकश की जा सकती है। कांग्रेस और टीजेएस दोनों ने अभी तक इन आवंटनों पर आधिकारिक घोषणा नहीं की है। ईओएम

पवित्र क्रिसमस पर नगर के विभिन्न चर्चों में प्रार्थना करने के बाद एक-दूसरे को बधाई देती हुईं लोग तथा युवतियां।

क्रिकेट मैच टिकट उपलब्ध कराने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मोहम्मद रियाज नाम के एक आरोपी को गुड़गांव, हरियाणा से गिरफ्तार किया। वह क्रिकेट मैच टिकट उपलब्ध कराने की आड़ में क्रिकेट मैच टिकट चाहने वालों को धोखा देने में शामिल था। हैदराबाद निवासी पीड़ित से शिकायत प्राप्त हुई कि आरोपी व्यक्ति ने उससे संपर्क किया और झूठे वादे किए कि वह भारत बनाम के लिए टिकटों की व्यवस्था करेगा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट मैच, जो 19 मार्च 2023 को विशाखापत्तनम में निर्धारित था। आरोपी द्वारा पीड़ित से बैंक खातों में 5,26,360 रुपये की राशि हस्तांतरित करने के लिए कहा गया। साइबर जालसाज़ मोहम्मद रियाज़ इवेंट्सनाउ कंपनी के लिए फ्रीलांसर के रूप में काम करता था। इस कंपनी में काम करते हुए वह कंपनी की ओर से कई लोगों को क्रिकेट मैच के टिकट मुहैया कराते थे। इस संपर्क का लाभ उठाकर, उसने आसान पैसा कमाने के लिए क्रिकेट मैच टिकट उपलब्ध कराने की आड़ में क्रिकेट मैच टिकट चाहने वालों से पैसा इकट्ठा करके आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाई। इसी क्रम में उसने पीड़ित को ठग लिया। हालांकि साइबर पुलिस ने उसे हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया।

महिला और उसकी बेटी ने आत्महत्या कर ली

करीमनगर, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को चिगुरुमामिड़ी मंडल के रामंचा के बाहरी इलाके में एक महिला और उसकी बेटी ने एक कृषि कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। हालांकि आत्महत्या का कारण अभी तक पता नहीं चला है, लेकिन कथित तौर पर पारिवारिक विवादों के कारण महिला को इतना बड़ा कदम उठाना पड़ा। पुलिस के मुताबिक, रामंचा निवासी मुलुपाला अंजला (30) अपनी बेटी थानुसरी (6) के साथ सुबह परिवार के सदस्यों को यह बताकर घर से निकली कि वह बेटी को अस्पताल ले जा रही है। उसने अपने जुड़वां बेटों को घर पर छोड़ दिया।

नए साल के कार्यक्रम को सनबर्न की अनुमति नहीं दी गई : साइबराबाद सीपी

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती ने आज स्पष्ट किया कि उन्होंने सनबर्न नए साल के कार्यक्रम के लिए अनुमति नहीं दी है। रविवार की कलेक्टर कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम रेवंत रेड्डी द्वारा यह मुद्दा उठाए जाने के बाद उन्होंने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हालांकि कार्यक्रम के आयोजकों ने अनुमति मांगने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया था, लेकिन उन्होंने अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि आयोजकों ने माधापुर में हाईटेक्स के पास एक स्थान पर कार्यक्रम आयोजित करने की व्यवस्था की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने आयोजकों को अनुमति देने से इनकार कर दिया, क्योंकि यह कार्यक्रम देश के अन्य शहरों में नहीं हो रहा है। सीएम रेवंत रेड्डी ने मुद्दा उठाते हुए अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम के आयोजकों ने पहले ही ऑनलाइन बुकिंग शुरू कर दी है और अधिकारियों से पूछा कि कार्यक्रम की अनुमति किसने दी। इसके बाद, पुलिस अधिकारियों ने कार्यक्रम के आयोजकों और बुकमायशो ऐप के अधिकारियों को बुलाया और उन्हें बुकिंग बंद नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी।

हत्या के प्रयास के दो आरोपियों को गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बहादुरपुरा क्राइम टीम, साउथ जोन, हैदराबाद सिटी के अधिकारियों ने हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपियों को पकड़ा और एक चाकू बरामद किया, जिसका इस्तेमाल बहादुरपुरा पीएस की सीमा के तहत अपराध करने के लिए किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद अकबरुद्दीन फारूकी उर्फ अकबर और मोहम्मद मोहसिन हुसैन निवासी बहादुरपुरा, हैदराबाद शामिल हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले ही कई मामले दर्ज हैं। आरोपी मोहम्मद अकबरुद्दीन फारूकी उर्फ अकबर का जन्म और पालन-पोषण हैदराबाद में हुआ। वह कुछ बुरी आदतों का आदी हो गया था। अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए, वर्ष 2007 में उसने जुड़वां शहरों के विभिन्न पुलिस थाना क्षेत्रों में संपत्ति अपराध करना शुरू कर दिया और जेल चला गया, जेल से छूटने के बाद उसने अपना रवैया नहीं बदला, हाल ही में उसने फिर से पीएस बहादुरपुरा की सीमा में हत्या का प्रयास किया। अपने दोस्त मोहम्मद मोहसिन हुसैन के सहयोग से पूर्व दुश्मन को ध्यान में रखते हुए अनवर पर चाकू से हमला कर दिया, 5 महीने पहले पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने उसे गांजा मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, तभी से उससे दुश्मनी हो गई। विश्वसनीय सूचना के आधार पर बहादुरपुरा टीम ने आरोपियों को पकड़ लिया और एक चाकू बरामद कर लिया।

मेडिगड्डा में कालेश्वरम पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देने की तैयारी कर रही है राज्य सरकार

सिंचाई मंत्री और उद्योग मंत्री शुक्रवार को करेंगे बैराज का दौरा

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार शुक्रवार को मेद्दीगड्डा बैराज पर कालेश्वरम परियोजना पर एक प्रस्तुति देने की तैयारी कर रही है। इस आशय से, सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू शुक्रवार को बैराज का दौरा करेंगे। यात्रा के दौरान, सिंचाई मंत्री कालेश्वरम परियोजना और प्राणहिता चेवेल्ला परियोजना पर एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देंगे। वह कालेश्वरम परियोजना के निर्माण के फायदे और नुकसान के बारे में भी विवरण साझा करेंगे। मंत्री द्वारा परियोजना के लिए आवश्यक बिजली आपूर्ति के अलावा, कालेश्वरम परियोजना की लागत, बनाए गए नए अयाकट, अयाकट के स्थिरीकरण सहित सभी विवरण साझा करने की संभावना है। इन पहलुओं के अलावा, मंत्री मेडिगड्डा, सुंडीला और अन्नाराम बैराज से संबंधित मुद्दों की भी समीक्षा करेंगे। मंत्री तीन बैराजों का भी दौरा करेंगे। सिंचाई विभाग को निर्माण एजेंसियों, उप ठेकेदारों और कालेश्वरम परियोजना में शामिल सभी लोगों के अधिकारियों को निमंत्रण देने और निरीक्षण और समीक्षा बैठकों में भाग लेना सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

मंत्री शुक्रवार सुबह 9 बजे हेलीकॉप्टर से हैदराबाद से मेद्दीगड्डा बैराज के लिए उड़ान भरेंगे। हालांकि, एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम के कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

अब भी सत्ता को लेकर भ्रम में हैं केटीआर : बंडी संजय

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद बंडी संजय ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में बीआरएस अपना जमानत खो देगी। उन्होंने आगे कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला बीआरएस पार्टी से नही बल्कि कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में बीआरएस के हार के बावजूद केटीआर अपना अहंकार नहीं खोया है और वह अभी भी इस भ्रम है कि अभी भी वे सत्ता में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस अब एक दूसरे के खिलाफ श्वेत-पत्र जारी कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री, भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के उपलक्ष्य में करीमनगर जिला पार्टी कार्यालय में सुशासन दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर सांसद बंडी संजय कुमार ने वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस संदर्भ में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए बंडी संजय कुमार ने कहा कि 'बीआरएस एक क्षेत्रीय पार्टी है। जनता ने उस पार्टी को विधानसभा चुनाव में ही नकार दिया. बीआरएस लोकसभा चुनाव में दावेदार नहीं होगा। इस चुनाव में बीजेपी को सबसे ज्यादा सीटें मिलना तय है यह सच है कि बीआरएस का अस्तित्व अब खतरे में पडता नजर आ रहा है। विधानसभा चुनाव में हार के बाद भी केटीआर कुछ इस तरह बयानबाजी कर रहे हैं जैसे पार्टी अब भी सत्ता में हो। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार ने अगर अपने 10 साल के कार्यकाल में 50 लाख करोड़ की संपत्ति अर्जित की है तो तेलंगाना पर 6.5 लाख करोड़ का कर्ज कैसे हो गया? आखिरकार सरकारी जमीन बेचने की नौबत क्यों आयी? कर्मचारियों को समय पर वेतन क्यों नहीं दिया जा सका? शायद यह केसीआर परिवार ही है, जिसने तेलंगाना के विकास को अवरुद्ध कर दिया और अपने शासनकाल के दौरान उनक परिवार ने 50 लाख करोड़ की संपत्ति हासिल की और विदेशों में निवेश किया। केंद्र द्वारा दिए गए फंड का बंदरबांट किसने किया? वैकुंठधाम सहित गांवों में चल रहे सभी विकास फंड केंद्र के हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए सभी फंड केंद्र सरकार द्वाराआवंति किया गया। आख़िरकार, पंचायतों को दी गई सारी धनराशि का बंदरबांट कर लिया गया। केंद्र सरकार बस्ती दावाखानों को वित्त पोषित कर रहा है, जबकि पूर्व सरकार ने इसका श्रेय लेता रहा। कोविड के समय में मोदी सरकार ने लोगों को मुफ्त वैक्सीन दी और 80 से ज्यादा देशों को मुफ्त वैक्सीन देने का श्रेय मोदी को ही जाता है। बंडी संजय ने कहा कि अगर बीआरएस सब कुछ खुद करने का दावा करता है, तो लोग अब विश्वास करने की स्थिति में नही है। तेलंगाना सरकार पर 6.5 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की भी आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस ने 6 गारंटी का वादा किया है। मूल ऋणों का निपटान कैसे होगा?

बुलेट वाहन से गिरा युवक जख्मी

भैंसा, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को भैंसा मंडल के समीप बुलेट वाहन से गिर कर युवक बुरी तरह जख्मी हुआ। प्राप्त जानकारी अनुसार भैंसा शहर निवासी चक्रधर घर से निर्मल के लिए रवाना हुआ रास्ते में वानलपाड गांव करीब गिरा और बुरी तरह जख्मी हुआ पास से गुजर रहे लोगो ने एंबुलेंस से भैंसा क्षेत्रीय अस्पताल लेजाया गया जहा डाक्टरों ने परिजनों को जल्द निजामाबाद ले जाने की सलाह दी। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

अनधिकृत 'सनबर्न इवेंट' टिकट बिक्री के लिए 'बुक माई शो' के खिलाफ कार्रवाई की

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर पुलिस ने 'बुक माई शो' पोर्टल के प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया और आयोजकों की अनुमति के बिना 'सनबर्न इवेंट' के टिकट बेचने के आरोप में उन्हें नोटिस जारी किया। साइबराबाद पुलिस ने 'सनबर्न इवेंट' की अनुमति खारिज कर दी थी। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से कार्यक्रमों की अनुमति नहीं देने को कहा था।

अतिरिक्त डीसीपी माधापुर, नरसिम्हा रेड्डी ने कहा कि उन आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी जो अपने परिसर में नए साल के कार्यक्रमों के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को रोकने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि पुलिस घटनाओं पर नजर रख रही है और सभी कार्यक्रम रात एक बजे तक समाप्त हो जाने चाहिए। अधिकारी ने कहा कि नए साल के कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाने वालों को पुलिस से अनुमति लेनी चाहिए। पुलिस ने कहा कि अगर कोई गेटेड समुदायों में कार्यक्रम आयोजित करता है तो उन्हें साउंड सिस्टम का उपयोग करने की अनुमति लेनी होगी और यह क्षेत्र के स्थानीय एसीपी द्वारा दी जाएगी।

CHANGE OF NAME

I, Mohanlal Choudhary, S/o. Rajaram Sirve, R/o. Plot No. 12, Sriram Nagar, Beside water Nalla, Mansoorabad, L.B.Nagar, Saroornagar (M), R.R.Dist.,-500068, T.S. In my previous Pan Card (No. BICPM8759B), my Name Wrongly Mentioned as Mohan LAL, Which was Cancelled. In my New PAN Card (No. CHHPC7521E) my name mentioned as Mohanlal Choudhary. Both Mohanlal Choudhary and Mohan Lal belongs to me and one only.

सीएम योगी बोले-अटलजी ने स्थिर सरकार दी...पाकिस्तान का हाल देखिए

वहां एक-एक रोटी के लाले पड़ गए हैं; अटलजी की जयंती पर आगरा-मथुरा से हेलिकॉप्टर सेवा शुरू

आगरा, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आज 99वीं जयंती है। इस मौके पर सीएम योगी उनके पैतृक गांव बटेश्वर पहुंचे। यहां अटल जी की प्रतिमा और म्यूजियम का इनॉगरेशन किया। फिर आगरा से मथुरा-वृंदावन के लिए हेलिकॉप्टर सेवा की शुरुआत की। सीएम योगी ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री की आज पावन जयंती है। पूरा देश अटलजी को उनकी सेवाओं के लिए नमन कर रहा है। इस अवसर पर पूरे यूपी वासियों की ओर से अटलजी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आज बटेश्वर में उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। उनकी यादों को सहेजने के लिए म्यूजियम भी होगा।

अस्थिर सरकारें देश को खोखला बना रहीं

उन्होंने कहा, अस्थिर सरकारें देश को खोखला बना रही थीं। अटल जी ने स्थिर सरकार दी। आज पाकिस्तान का हाल देख लें अस्थिर सरकार के चलते वहां का क्या हाल है। एक-एक रोटी के लाले हैं। स्थिरता आर्थिक समृद्धि का पैमाना बनता है। उन्होंने कहा, पहले बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं, किसान खेत पर नहीं जा पाते थे। विकास के पैसे का बंदर-बाट होता था। आज वहीं यूपी है, जहां विकास हो रहा है। गांव की कनेक्टिविटी भी हो रही है। न केवल रोड बल्कि हवाई जहाज की कनेक्टिविटी भी बेहतर हो रही है। जब हम 2017 में आए थे तब देश में यूपी तीसरे स्थान पर था। आज हम देश में नंबर एक पर है।

आगरा में बनेगा आलू शोध केंद्र, 50 हजार किसानों को देंगे सोलर पंप

उन्होंने कहा, आगरा में आलू शोध केंद्र बनेगा। इससे किसानों को मदद मिलेगी। साथ ही अगले दो साल में 50 हजार किसानों को सोलर पंप देंगे। इससे डीजल पंप से मुक्ति मिलेगी। आगरा में आलू शोध केंद्र बनेगा। इससे किसानों को मदद मिलेगी। साथ ही अगले दो साल में 50 हजार किसानों को सोलर पंप देंगे। इससे डीजल पंप से मुक्ति मिलेगी। इससे खेतों में पानी लगाने में आसानी होगी।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में लाभार्थी बताएं अपनी कहानी

उन्होंने कहा, विकसित भारत संकल्प यात्रा में सभी शामिल हों। जो भी लाभार्थी हैं वो अपनी कहानी बताएं। जिन्हें फायदा नहीं मिला है वो अपना रजिस्ट्रेशन करा लें। किसानों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए जो कुछ भी होगा वो डबल इंजन की सरकार करेगी।उन्होंने कहा, अटलजी की पावन भूमि पर जब मैं आया था तब से अब तक बहुत सुधार हुआ है। मां यमुना के तट पर बने मंदिरों ने विदेशी हमलों को झेला है। पर्यटन विभाग इन मंदिरों का सौंदर्यीकरण कर रहा है। जो विकास हो रहा है वो प्रेरणा का काम करेगा।

हेलिकॉप्टर से पहली बार भगवान राधा-कृष्ण की मूर्ति बटेश्वर से वृंदावन जाएगी। आगरा-मथुरा में पहले ही हेलीपोर्ट तैयार किए जा चुके हैं। इस सेवा का संचालन पीपीपी मोड पर किया जाएगा।

इंडिया गठबंधन का कोई एजेंडा नहीं है : शाहनवाज हुसैन

भागलपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। भागलपुर में बीजेपी के सीनियर नेता और पूर्व मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मीटिंग में सिर्फ ये लोग भोजन करने के लिए आते हैं। अलग-अलग व्यंजन का रस लेते हैं। पटना में सभी ने लिट्टी-चोखा, भागलपुर का खाजा और मनेर के लड्डू का आनंद लिया। दिल्ली में गोलगप्पे खाए। मुंबई में बटाटा वड़ा खाया, बेंगलुरु में साउथ इंडियन डिश का लुत्फ उठाया। गठबंधन के लोग मीटिंग में किटी पार्टी करते हैं और चले जाते हैं। एक बार तो पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रूठ गए। लेकिन किसी को अभी तो कुछ मिला नहीं। इन लोगों का कोई एजेंडा नहीं है। एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं।

शिवपाल को नागवार गुजरी अखिलेश पर डिप्टी सीएम केशव की टिप्पणी

सोशल मीडिया पर दिया सख्त जवाब

लखनऊ, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और सपा नेता शिवपाल सिंह यादव सोशल मीडिया पर आमने-सामने आ गए हैं। डिप्टी सीएम केशव ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को लेकर सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी की थी जिस पर शिवपाल ने उन्हें करारा जवाब दिया है जो कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

डिप्टी सीएम केशव ने एक्स पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस दिन से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में डॉक्टर मोहन यादव ने शपथ ली है। सपा बहादुर अखिलेश यादव के पीडीए (परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी) के सदस्य बहुत उखड़े-उखड़े हैं। आगे उन्होंने कहा कि सैफई हवाई अड्डा बन सकता है तो बंदायू में क्यों नहीं!

इस पर शिवपाल ने पलटवार करते हुए करारा जवाब दिया कि हम समाजवादी लोग तो चाहते हैं कि आप उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में हवाई अड्डा बनवा दें, लेकिन इसके पहले आप कौशांबी में एक हवाई पट्टी भी बना दें, अगर आपकी सरकार में सुनी जा रही है तो? वैसे भी पूरे प्रदेश में सड़क पर चलते हुए ' हवाई ' सफर का अहसास तो हो ही रहा है सरकार। हम समाजवादी लोग तो चाहते हैं कि आप उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में हवाई अड्डा बनवा दें, लेकिन इसके पहले आप कौशांबी में एक हवाई पट्टी भी बना दें, अगर आपकी सरकार में सुनी जा रही है तो? वैसे भी पूरे प्रदेश में सड़क पर चलते हुए ' हवाई ' सफर का अहसास तो हो ही रहा है सरकार। मध्य प्रदेश में डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद कहा जा रहा है कि भाजपा ने यूपी और बिहार में यादव वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास किया है। जो कि परंपरागत तौर पर लालू यादव और अखिलेश यादव को वोट करता रहा है। वहीं, अखिलेश यादव का कहना है कि लोकसभा चुनाव 2024 में एनडीए को पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) मिलकर हरा देगा। इस पर केशव पीडीए को परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी बताकर अखिलेश यादव पर तंज करते हैं।

नीतीश बोले-इंडिया से कोई नाराजगी नहीं

पीएम के लिए खड़गे के नाम पर कहा-मुझे पद की लालसा नहीं; अटलजी का आजीवन सम्मान करूंगा

पटना, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने इंडिया से नाराजगी की खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने सोमवार को कहा है कि वे किसी बात को लेकर नाराज नहीं हैं। साथ ही यह भी कहा कि हमको गठबंधन से कुछ नहीं चाहिए। मुझे पद की लालसा नहीं है।

दिल्ली में 19 दिसंबर को इंडिया की चौथी बैठक हुई थी। ममता ने पीएम के लिए खड़गे का नाम सुझाया था। इसके बाद से नीतीश की नाराजगी बातें सामने आ रही थीं। नीतीश ने बिहार में महागठबंधन सरकार को लेकर कहा कि यहां भी सब ठीक है। हम सब मिलकर काम कर रहे हैं। नीतीश पटना में आज पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी जयंती के मौके पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। वहीं उन्होंने मीडिया से ये बातें कही। उन्होंने कहा कि अटल जी हमको बहुत मानते थे। अपनी कैबिनेट में जगह दी।

फिर यहां का मुख्यमंत्री बनाया। उनका इतना अच्छा काम था। हम आजीवन उनका सम्मान करेंगे। मेरा बहुत लगाव था। 19 दिसंबर को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक हुई थी। इस बैठक में ममता ने पीएम उम्मीदवार के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम सुझाया था। इसके बाद जेडीयू ने नाराजगी जताई थी। जदयू के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा- आखिर ममता बनर्जी ने 'इंडिया' की दिल्ली बैठक में प्रधानमंत्री पद के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम क्यों प्रस्तावित किया? यह एकजुटता के बिल्कुल खिलाफ बात है।

मुंबई बैठक में तय हुआ था कि नेता के रूप में किसी का नाम आगे नहीं किया जाएगा। दिल्ली की मीटिंग से एक दिन पहले ममता बनर्जी ने अरविंद केजरीवाल से मिलने के बाद कहा कि गठबंधन का कोई भी चेहरा नहीं होगा, सब सामूहिक रूप से इकट्ठा होकर लड़ेंगे। फिर उन्होंने ऐसा क्यों और कैसे किया? जब सारे लोग इतने बड़े काम में, इतनी बड़ी शक्ति से लगे हों, तो सबको संगठित होकर, पारदर्शी तरीके से काम करना चाहिए। पिछले दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नीतीश से बात की। सूत्रों के अनुसार दोनों के बीच सीट बंटवारे सहित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

छोटे सरकार मर्डर केस....हथियार सप्लायर गिरफ्तार

1 पिस्टल,15 कारतूस बरामद, मरीन ड्राइव पर शूटर को दिया था हथियार

पटना, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। दानापुर कोर्ट कैंपस में अपराधी अभिषेक उर्फ छोटे सरकार की हत्या मामले में पुलिस ने हथियार सप्लायर को गिरफ्तार किया है। अपराधी के पास एक पिस्टल और 15 कारतूस बरामद हुआ। हमलावरों की निशानदेही पर सप्लायर की गिरफ्तारी हुई है।

सिटी एसपी राजेश कुमार ने बताया कि दानापुर कोर्ट परिसर से पकड़े गए दोनों अपराधियों से पूछताछ की गई। इस दौरान उसने बताया कि मरीन ड्राइव पर सफेद रंग की सफारी गाड़ी से आए व्यक्ति ने दो पिस्टल दिया था। जिसके बाद सीसीटीवी की मदद से सफारी का पता लगाया गया। गाड़ी के मालिक ने बताया कि नीतीश कुमार नाम का व्यक्ति पिछले 15 दिनों से गाड़ी को भाड़े पर लिया है। जिसके बाद पुलिस ने हथियार सप्लायर नीतीश को गिरफ्तार कर लिया। जो नौबतपुर का रहने वाला है। इस घटना को अंजाम देने के लिए नीतीश को मानिक सिंह ने 3 पिस्टल दिया था। जिसमें से 2 पिस्टल उसने शूटरों को दे दिया और एक अपने पास रख लिया। दानापुर कोर्ट कैंपस में 15 दिसंबर को पेशी पर आए अपराधी अभिषेक उर्फ छोटे सरकार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिस समय हत्या हुई, उस समय पांच पुलिसकर्मी साथ में थे। दोनों बदमाशों ने 6 राउंड गोली चलाई। बदमाश मौका देखकर भागने लगे, लेकिन वकीलों की मदद से पुलिस ने दोनों को दौड़ाकर पकड़ लिया। इस दौरान एक बदमाश के पैर में फायरिंग के दौरान गोली भी लगी थी। छोटे सरकार वो सुपारी किलर था, जिसने पटना के पश्चिमी इलाके को दहला दिया था। सुपारी के तौर पर मोटी रकम लेता था। जिसके नाम की सुपारी ली, उसका काम तमाम कर देता था। हमेशा के लिए मौत की नींद सुला देता था। छोटे सरकार का पटना के पश्चिमी इलाके नौबतपुर, बिहटा, रानी तालाब थाना क्षेत्रों में आतंक था।

नीतीश कुमार की पार्टी जदयू का बड़ा कार्यक्रम कैंसिल

पटना, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के घर जाकर मुलाकात के साथ जो बिना बोले संदेश दिया था, वह अब बोलकर भी दे दिया है।

उन्होंने इंडी एलायंस में नाराजगी और अपनी पार्टी जदयू में टूट को लेकर भाजपा के बयानों का जवाब दे दिया है। लेकिन, इसके साथ ही जदयू से एक और बड़ी खबर सामने आयी है। जदयू का पटना में एक बड़ा कार्यक्रम होने वाला था, जिसके लिए पार्टी के तमाम दिग्गज एक दिन पहले तक प्रचार-प्रसार में जुटे थे।

बीपीएससी ने शिक्षक चुना, शिक्षा विभाग ने नियुक्ति रोकी

टीआरई 2.0 का नियम टीआरई 1.0 पर थोपा

पटना, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। शिक्षक भर्ती के पहले चरण की परीक्षा के सप्लीमेंट्री रिजल्ट में पास हुए अभ्यर्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन्हें सोमवार यानी 25 दिसंबर को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था। इनमें से वैसे अभ्यर्थी शामिल हैं, जिन्होंने अपना डीएलएड एनआईओएस से किया था, उनकी काउंसलिंग होल्ड कर कर दी गई है। अभ्यर्थी जब काउसलिंग कराने पहुंचे तब इसकी जानकारी दी गई। कहा कि शिक्षा विभाग का आदेश है, इसलिए एनआईओएस से डीएलएड डिग्री लेने वालों की काउंसलिंग नहीं की जा रही है। यह सुनकर शिक्षक अभ्यर्थी हैरान रह गए। समस्तीपुर, मधेपुरा, पूर्णिया समेत कई जिलों से यह बात सामने आई। समस्तीपुर और मधेपुरा के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी का कहना है कि शिक्षा विभाग से इनके काउंसलिंग का आदेश नहीं आया है इसलिए रोक लगाई गई है। एनआईओएस से डीएलएड डिग्री लेने वालों की काउंसलिंग को होल्ड कर दी गई है। विभाग से आदेशानुसार ही कार्य किया जाएगा। इधर, काउंसलिंग कराने पहुंचे अभ्यर्थियों में आक्रोश है। उनका कहना है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा एनआईओएस से डीएलएड डिग्री वाला आदेश तो शिक्षक भर्ती परीक्षा के दूसरे चरण से लागू हुई है। पहले चरण में तो हजारों अभ्यर्थियों का चयन हो गया। कई अभ्यर्थियों ने वेतन भी उठा लिया। वह नौकरी कर रहे हैं।

डीएमके नेता दयानिधि को संतोष सुमन की धमकी

हम देखेंगे कि कैसे उनका हेलीकाप्टर बिहार की धरती पर लैंड होती है

पटना, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। डीएमके सांसद दयानिधि मारन की ओर से यूपी और बिहार के हिंदी भाषी लोगों के लिए विवादित बयान पर राजनीतिक घमासान थम नहीं रहा। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा है कि 'अगर ऐसा ही चलता रहा तो बिहार की धरती पर उतरना मुश्किल हो जाएगा। बिहार के उनके साथी कुछ नहीं कर पाएंगे।

इन ललबाबुओं को तो जनता खुद देख लेगी, अगर डीएमके के साथ गठबंधन जारी रहा तो इंडी के शीर्ष घमंडी नेताओं को हम पार्टी देखेगा कि कैसे उनका हेलीकाप्टर बिहार की धरती पर लैंड होता है?' जीतन राम मांझी के पुत्र डॉ. संतोष सुमन ने ये बातें सोशल मीडिया पर सोमवार की सुबह कही हैं।

सोची समझी साजिश

उन्होंने कहा है कि 'दक्षिण भारत के इंडी अलायंस के नेताओं के द्वारा जो भी बयान हिंदी, हिन्दू और बिहारी डीएनए को लेकर दिया जा रहा है वह बेहद खतरनाक है। उस पर उनके

शीर्ष नेताओं की खामोशी कहीं न कहीं सबकी सोची समझी साजिश का हिस्सा प्रतीत होती है।'

तेजस्वी निंदा कर चुके हैं

बता दें दयानिधि मारन के बायन को लेकर बीजेपी ने तो तीखी प्रतिक्रिया दी है। आरजेडी नेता डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भी निंदा की है। तेजस्वी ने रविवार को कहा था कि बिहार और यूपी के मजदूरों की पूरे देश में लोग मांग करते हैं, अगर वे न जाएं तो उनकी जिंदगी ठप्प हो जाएगी। हम इस बयान की निंदा करते हैं। दूसरे राज्यों के नेताओं को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए।

कांग्रेस ने नोटिस भेजा

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पॉलिटिकल अफेयर कमेटी सदस्य डॉ. चंद्रिका प्रसाद यादव ने दया निधि मारन को लीगल नोटिस भेजा है। पॉलिटिकल अफेयर समिति ने उन्हें वकालतन नोटिस भेज कर माफी मांगने को कहा है। कमेटी सदस्य डॉ. चंद्रिका प्रसाद यादव ने कहा कि दया निधि मारन 15 दिनों के अंदर बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों से माफी मांगे, नहीं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया की जाएगी। मारन यदि सही जवाब नहीं देते हैं तो बिहार में उन पर मुकदमा दर्ज कराया जा सकता है।

क्या बोले राजद नेता

राजद नेता चंद्रिका प्रसाद यादव ने भास्कर से फोन पर बातचीत में कहा कि अमर्यादित भाषण बोलकर दयानिधि मारन ने बिहार, उत्तर प्रदेश के लोगों को अपमानित करने का काम किया है। बिहार और यूपी के कई लोग उनके राज्य में आईएएस, आईपीएस रह चुके हैं।

फतेहपुर में कच्ची शराब पर पुलिस का एक्शन

एक साथ 41 स्थान पर को छापेमारी, 500 लीटर कच्ची शराब बरामद

फतेहपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। फतेहपुर में अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस ने एक साथ अलग अलग जगह पर छापेमारी कर भारी मात्रा में कच्ची शराब को बरामद किया है। छापेमारी के दौरान कच्ची शराब बनाने वाले दो दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब बनाने वाले लोगों में हड़कंप मच गया है।

जिले में कच्ची शराब बनाने वाले कारोबारियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्रा के नेतृत्व में सभी डीएसपी ने अपने अपने क्षेत्र में जंगल में चोरी छिपे बनाई जा रही कच्ची शराब की भट्टी को तोड़ते हुए बड़ी कार्रवाई की है। शहर क्षेत्र के बिरुईहार, बकेवर थाना क्षेत्र के कंजरन डेरा, फरीदपुर, खागा तहसील क्षेत्र के धाता थाना क्षेत्र के कई जगह पर एक साथ की गई कार्रवाई के दौरान करीब 8 कुंतल 30 किलो लहन को बरामद कर मौके पर नष्ट कर दिया गया।

यूपी में कोहरे से 9 गाड़ियों की टक्कर...2 की मौत

कानपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में कोहरे के अलर्ट के बीच सोमवार को 2 शहरों में 9 वाहनों की टक्कर हो गई। पहली घटना झांसी और दूसरी हाथरस की है। झांसी में एक मिनी टूरिस्ट बस अपने आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। इस दौरान पीछे से आ रहा ट्रक भी बस में आ घुसा। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई। जबकि 15 लोग घायल हैं। बस सवार सभी लोग बागेश्वर धाम से ग्वालियर जा रहे थे। घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। घटना मेडिकल बाइपास के पास झांसी-कानपुर हाईवे की है।

55 साल की सास से परेशान बहू पहुंची थाने

सहारानपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। सहारनपुर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 55 साल की सास से परेशान होकर 22 साल की बहू थाने पहुंची। उसने थानेदार से कहा- साहब, मेरी सास मेरा डेटा खत्म कर देती हैं। वो दिनभर रील और सास-बहू का सीरियल देखती है। जब मेरी मोबाइल का डेटा खत्म हो जाता है, तो वह धीरे से जाकर कमरे में सो जाती है। यही नहीं, जब उनसे डेटा के बारे में पूछती हूं, तो वो झगड़ा करने लगती है। मैं उनकी हरकतों से परेशान हो चुकी हैं। इसलिए थाने आई हूं। मुझे न्याय चाहिए। इसके बाद दरोगा ने सास को थाने बुलाया। फिर दोनों का समझौता करवाया। पूरा मामला सदर बाजार थाना क्षेत्र के एक कॉलोनी का है। बहू ने थानेदार बताया- मेरी

बोली-सास रील और सीरियल देखकर डेटा खत्म कर देती है....साहब न्याय दे दो

शादी डेढ़ साल पहले धूमधाम से हुई थी। पति प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। वह रोज सुबह काम पर चले जाते हैं। इसके बाद मैं घर के काम में जुट जाती हूं। इसी बीच हर दिन सास मेरा मोबाइल किसी न किसी बहाने से मांग लेती है। बहू ने बताया कि कभी कहती है कि बहन से बात करनी है, तो कभी कहती है कि मायके बात करने की बात करनी है। मैं मना कर भी नहीं पाती हूं। मोबाइल लेने के बाद सास सीरियल और रील देखती है। जब डेटा पूरी तरह से खत्म हो जाता है। तो अपने रूम में जाकर सो जाती है। काम से खाली होने के बाद जब मैं अपना मोबाइल लेती हूं, तो डेटा खत्म रहता है।

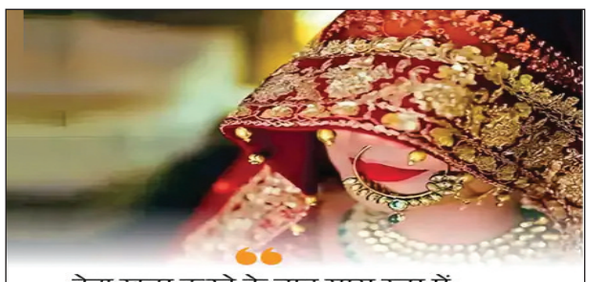

बहू ने बताया कि कई दिनों तक मैंने उनसे कुछ भी नहीं कहा। लेकिन हर दिन वो डेटा खत्म कर देती है। जब मैंने उसने डेटा को लेकर पूछा तो झगड़ने लगी। उन्होंने गाली-गलौज भी की। मैंने पति से इस बारे में बताया, तो वो भी अपनी मां की साइट लेने लगे। मैं उनकी हरकतों से परेशान हो गई हूं। मजबूरन मुझे आपके पास आई हूं। क्योंकि आप ही न्याय कर सकते हो। सदर बाजार थाना प्रभारी प्रवेश सिंह ने बताया कि मोबाइल के डेटा को सास के खत्म करने को लेकर बहू अलग रहने की जिद कर रही थी। इसके बाद महिला के पति और ससुराल वालों को बुलाया गया। सभी को बैठकर समझौता करवाकर घर भेज दिया। 'रेडसीर स्ट्रैटजी' की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में हर स्मार्टफोन यूजर औसतन 2.5 घंटे एंटरटेनमेंट के लिए मोबाइल स्क्रीन स्क्रॉल करता है। इस दौरान लगभग 40 मिनट का समय सिर्फ रील देखने में जाता है। जेनरेशन Z यानी 1995 के बाद जन्म लेने वाली पीढ़ी में शॉर्ट वीडियो 'रील' देखने का औसत 1 घंटे से भी ज्यादा का है। जबकि रील की लत से परेशान लोग 5 से 6 घंटे तक रील देख लेते हैं। इंस्टाग्राम की पेरेंट कंपनी 'मेटा' के मुताबिक ऐप पर आने वाले लोग अपना 20% समय शॉर्ट वीडियो यानी रील्स देखने में बिताते हैं। जबकि इंस्टाग्राम की शुरुआत एक फोटो शेयरिंग ऐप के बतौर की गई थी और इसका रील वर्जन भी 2020 में ही आया।

कंस्ट्रक्शन कंपनी के तीन स्टाफ का अपहरण

गया, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। गया में कंस्ट्रक्शन कंपनी के तीन स्टाफ का अपहरण हुआ है। चौकानें वाली बात यह है कि इनमें से दो स्टाफ को छोड़ दिया गया है। एक स्टाफ को छोड़ने के एवज में 30 लाख रुपये की डिमांड की है। नक्सलियों ने रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी है। घटना के बाद इलाके में सनसनी मच गई है। गया पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना बांकेबाजार थाना के लुटुआ गांव की है। यहां दो करोड़ की लागत से एक पुल बन रहा है। इसी पुल का निर्माण जो कंस्ट्रक्शन कंपनी करवा रही है। उसके तीन स्टाफ को रविवार रात अगवा कर लिया गया। इनमें से दो को नक्सलियों के कुछ घंटे बाद छोड़ दिया। अब एक स्टाफ को छोड़ने के लिए 30 लाख रुपये की डिमांड कर रहे हैं।

पहली अमृत भारत ट्रेन को अयोध्या से हरी झंडी दिखाएंगे पीएम मोदी

अयोध्या, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या से देश को पहली अमृत भारत ट्रेन की भी सौगात मिलने जा रही है। 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या से दिल्ली जाने वाली वंदे भारत ट्रेन के साथ दिल्ली से दरभंगा जाने वाली इस ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह ट्रेन 130 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। यह ट्रेन रामनगरी को माता सीता की जन्मस्थली सीतामढ़ी से भी जोड़ेगी। लखनऊ मंडल के एपीआरओ विक्रम सिंह ने बताया कि 22 कोच वाली भगवा रंग की अमृत भारत ट्रेन पूरी तरह स्वदेशी है। प्लेन रूपी इस ट्रेन में आगे पीछे दोनों तरफ इंजन होंगे।

मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर शिवराज बोले

मंत्रिमंडल में अनुभव और युवा जोश का समावेश

भोपाल, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर कहा कि यह मंत्रिमंडल अनुभव में पके राजनेता और युवा जोश के साथ संतुलित है। मंत्रिमंडल गठन से पहले चौहान ने संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश का सौभाग्य है कि अटल जी की जयंती पर नई सरकार आकार ले रही है। इस मंत्रिमंडल में अनुभव की भट्टी में पके वरिष्ठ राजनेता और युवा जोश शामिल है। मंत्रिमंडल पूरी तरह संतुलित है और इसमें क्षेत्रीय आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा गया है। चौहान ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री मोहन यादव की अगुवाई में प्रदेश को नई सरकार सुशासन देगी। सरकार प्रदेश के विकास और जनता के कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुझे विश्वास है कि नई सरकार संकल्प पत्र के वचनों को पूरा करेगी। नया मंत्रिमंडल पूरी निष्ठा के साथ जनता की सेवा का नया इतिहास रचेगा।

'लोकसभा चुनाव से पहले टूट जाएगा एनडीए' कर्नाटक के डिप्टी सीएम का दावा

बंगलूरू, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए में टूट होगी। दरअसल शिवकुमार से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के हालिया बयान को लेकर सवाल किया गया था, जिसमें ठाकुर ने कहा था कि विपक्षी दलों के पास कोई साझा विचारधारा नहीं है। कोई इंडिया गठबंधन नहीं है। इस पर जवाब देते हुए कहा कि डीके शिवकुमार ने कहा कि 'लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए में ही टूट होगी।'

समुद्र में 300 फीट नीचे पनडुब्बी से द्वारका दर्शन होंगे

30 लोग बैठेंगे, गोताखोर-गाइड साथ रहेंगे; जन्माष्टमी या दिवाली से शुरुआत संभव

गांधीनगर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। हजारों साल पहले समुद्र में डूब चुकी भगवान श्री कृष्ण की द्वारका नगरी के दर्शन अब आसान होने जा रहे हैं। गुजरात सरकार मूल द्वारका दर्शन के लिए अरब सागर में यात्री पनडुब्बी चलाने जा रही है। सबमरीन का वजन करीब 35 टन होगा। इसमें एक बार में 30 लोग बैठ सकेंगे। 2 गोताखोर और एक गाइड साथ रहेगा।

राज्य पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव हारित शुक्ला के मुताबिक इस स्वदेशी सबमरीन का संचालन मझगांव डॉक ही करेगा। जन्माष्टमी या दीपावली तक ये शुरू हो जाएगी। सबमरीन समुद्र में 300 फीट नीचे जाएगी। इस रोमांचक सफर में 2 से ढाई घंटे लगेंगे। किराया महंगा होगा, लेकिन आम आदमी का ध्यान रखते हुए गुजरात सरकार इसमें सब्सिडी जैसी रियायत दे सकती है। भारत सरकार की कंपनी मझगांव डॉक शिपयार्ड के साथ राज्य सरकार का एमओयू हो चुका है। जनवरी में होने जा रही वाइब्रेंट समिट में इसकी घोषणा होगी।

मूल द्वारका के दर्शन के लिए लाया गया सबमरीन प्रोजेक्ट

दरअसल, केंद्र सरकार देश के धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ाने के लिए कई प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, अयोध्या, केदारनाथ, सोमनाथ और द्वारका कॉरिडोर इसी प्रोजेक्ट का अहम हिस्सा है।

द्वारका कॉरिडोर के तहत मूल द्वारका (बेट द्वारका) के दर्शन के लिए सबमरीन प्रोजेक्ट लाया जा रहा है। बेट द्वारका में ही अरब सागर में सबसे बड़ा केबल ब्रिज बन रहा है, जो जन्माष्टमी के आसपास शुरू होगा। यह ब्रिज समुद्र में डूबी द्वारका की परिक्रमा का एहसास कराने वाला होगा।

शिवराजपुर बीच प्राइवेट एजेंसी को देने की तैयारी

ब्लू फ्लैग का दर्जा हासिल कर चुके शिवराजपुर बीच के विकास और उसके संचालन का जिम्मा गुजरात सरकार अब एक निजी कंपनी को देने जा रही है। वाइब्रेंट समिट के दौरान संभवतः इस बारे में MoU हो सकता है। इसे देश का सबसे शानदार बीच बनाने की तैयारी है।

सिग्नेचर ब्रिज 90% तैयार, इको टूरिज्म, डॉल्फिन व्यूइंग गैलरी

देवभूमि कॉरिडोर के तहत बेट द्वारका आईलैंड को दुनिया के नक्शे पर लाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कई प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। सबसे बड़ा आकर्षण सिग्नेचर ब्रिज है। 900 करोड़ में बन रहा 2320 मीटर लंबा यह फोर लेन ब्रिज भारत का सबसे बड़ा केबल ब्रिज है। यह 90% तैयार हो चुका है। इसी प्रोजेक्ट में 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल नागेश्वर मंदिर, हनुमानजी और उनके पुत्र का मकरध्वज मंदिर भी डेवलप हो रहा है।

फर्जी निकली 57 लाख की चोरी की कहानी

पुलिस ने सबूत जुटाए तो खुद ही फंस गया, इसलिए कहा इतना बड़ा झूठ...

इंदौर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर के द्वारकापुरी में प्रॉपर्टी ब्रोकर और धार्मिक कथा आयोजक के यहां से 57 लाख की चोरी की सूचना फर्जी निकली। बड़ी चोरी होने के कारण पुलिस ने शिकायतकर्ता से ही कई सवाल किए। तो कुछ ही देर में वह टूट गया। कहने लगा, मार्केट में रुपए देना न पड़े इसलिए चोरी की झूठी कहानी रची। पुलिस इस मामले में जल्द ही खुलासा करेगी। शनिवार को उसने शिकायत की थी कि बदमाश रात में नकुचा तोड़कर घुसे और घर से सोने चांदी के जेवर सहित नगद रुपए चोरी कर ले गए। इसके बाद सीने में दर्द की शिकायत करते हुए वह अस्पताल में भर्ती हो गया। इतनी बड़ी चोरी होने की बात सुनते ही स्थानीय पुलिस और अफसर हलाकान हो गए। सीसीटीवी फुटेज और ब्रोकर के अस्पताल से घर आने का इंतजार करती रही। रविवार रात अफसरों ने ब्रोकर को थाने बुला लिया। उससे कई बिंदुओं पर पूछताछ की। इसके साथ ही एडिशनल डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा की टीम ने बिल्सी कारखाने रोड पर हुई 57 लाख की चोरी की कहानी सुलझा ली है। इस चोरी में शिकायतकर्ता संजय पाटिल की कहानी फर्जी निकली। संजय को रविवार को अफसरों ने थाने बुलाया। आधी रात से ज्यादा समय तक उसने पूछताछ में कबूला कि प्रॉपर्टी के सौदे में उसे आगे रुपए देने के लिये नहीं थे। इसके चलते उसने पूरी कहानी रची। इसके बाद अफसरों ने रात में उसे थाने में ही बैठा लिया। फिलहाल उससे पूछताछ जारी है।

आसपास के फुटेज और पड़ोसियों ने खोला राज

संजय पाटिल को लेकर स्थानीय पुलिस के जवानो को शुरू से ही शंका थी। उसका रिकार्ड इलाके में ठीक नहीं। वह खुद को बेल पत्र वाला बाबा बताता है। वह लगातार काम-धंधा बदलता रहता है। कुछ समय से वह स्थानीय लोगों के साथ धार्मिक आयोजन करने लगा। इसके साथ ही प्रॉपर्टी के काम कर सौदे लेकर उन्हें आगे बेच देता है। जहां सौदा नहीं जमता उसे कैंसल कर देता है। जब संजय के सामने उसकी सारी बाते रखी तो वह अफसरों से नजर नहीं मिला पाया। इसके बाद ही सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग और अन्य सबूत भी उसके सामने रखे। लेकिन वह जवाब नहीं दे पाया। उसने अफसरों के सामने झूठी कहानी रचने की बात मानी। एडिशनल डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा के मुताबिक उसने एक प्रॉपर्टी का सौदा 39 लाख रुपए में किया। जिसके बदले 5 लाख रुपए एडवांस दे दिए। बाद में 34 लाख ना देना पड़े और सौदा कैंसल हो जाए, इसलिए झूठी कहानी गढ़ दी।

शादी का दबाव डाल रही थी गुलसिता, फरमान को ये नहीं था मंजूर-सिर से अलग कर दी गर्दन, गिरफ्तार

सोनीपत, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में मुरथल थाना पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. पुलिस ने गुलसिता नाम की एक महिला के हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया है. हत्यारा सोनीपत के गांव गयासपुर का रहने वाला फरमान है. पुलिस पूछताछ में फरमान ने कबूल किया है कि गुलसिता उसे पर शादी का दबाव डाल रही थी. इसके चलते उसने गुलसिता की बेरहमी से हत्या की है.

दरअसल, 19 दिसंबर को सोनीपत के ग्यासपुर के खेतों में गांव के एक मकान पर किराए पर रहने वाली एक महिला गुलसिता का शव मिला था. गुलसिता के शव उसकी गर्दन अलग की गई थी. परिजनों ने परिजनों ने गांव के दो युवकों पर उसकी हत्या का आरोप लगाया था. इस पर कार्रवाई करते हुए मुरथल थाना पुलिस ने फरमान नाम के आरोपी को धर दबोचा. पुलिस पूछताछ में खुलासा करते हुए बताया कि गुलसिता उसे पर शादी का दबाव बना रही थी.

कांग्रेस इंचार्ज बदलते ही एक्टिव हुए सिद्धू

केजरीवाल पर निशाना : कहा-ईमानदारी के दावे करने वाले शराब चोरी में फंसे; जीरा को छोटा भाई बताया

चंडीगढ़, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी बदलते ही नवजोत सिद्धू एक बार फिर एक्टिव हो गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर सात मिनट का वीडियो शेयर कर दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल समेत पंजाब सरकार को घेरा। वहीं सिद्धू ने कुछ दिन पहले उन्हें पार्टी से बाहर करने की मांग उठाने वाले कांग्रेस के पूर्व विधायक व फिरोजपुर के जिला प्रधान कुलबीर सिंह जीरा को छोटा भाई बताया।

सिद्धू ने कहा है -आंखों में धूल डालते जाओ, मिलजुल कर पंजाब को खाई जाओ। पंजाब में लोक राज लाएंगे और माफिया पर पूर्ण विराम। सिद्धू ने कहा यह कोई नहीं बताता है जिस दलदल में पंजाब फंसा हुआ है, उसे बाहर कैसे निकालना है। यह कोई नहीं बताता पंजाब की समस्याओं का समाधान क्या है। फिर कहते हैं इसे निकाल दो। क्या इससे पंजाब आगे बढ़ जाएगा। आदमी का एजेंडा देखो उस पर संवाद करो। संवाद रचाकर उसे बेहतर करो, मैं उनके पीछे चलूंगा। भगवंत मान भी लिप सर्विस देते रहे हैं। यह कहते थे कि पंजाब का पैसा पंजाब में लाएंगे, लेकिन आज क्या हुआ।

ईमानदारी के दावे करने वाले शराब चोरी में फंसे

सिद्धू ने आप नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि आज यह अपनी किसी भी जुबान पर अच्छे नहीं उतरे हैं। यह कहते थे कि माफिया और नेताओं की जेब से रेत चोरी के 20 हजार करोड़ महिलाओं को देंगे। यह बात कौन कहता था केजरीवाल साहिब। अपनी ईमानदारी के दावे करते थे, लेकिन रेत और केवल की चोरी को तो छोड़ ही दो, अब खुद शराब की चोरी के केस में फंसे है। इससे गंदा कोई काम है। उन्होंने कहा अब राजनीतिक पार्टियां लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकती हैं। राज्य के लोगों को अपना धरती पुत्र खुद चुनना होगा। गारंटियां हवा में पूरी नहीं होती है। उसके लिए पहले बजट तय किया जाना चाहिए। उन्होंने कि अब हालात सबके सामने हैं। नशा खत्म करने के लिए अरदास करवा रहे हैं, कहते हैं योगा कर लो।

भीषण सड़क हादसा, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

खरगोन, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खरगोन में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि खरगोन में एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से तीन लोगों की जान चली गई. यह घटना सुबह मेनगांव पुलिस थाना क्षेत्र के खंडवा रोड पर गुवाड़ी गांव के पास हुई. मेनगांव पुलिस थाना प्रभारी दिनेश सोलंकी ने बताया कि तीन लोग मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी. उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान सुनील चौहान (19), उनकी बहन कला कस्तूरी (24) और उनके चचेरे भाई दिलीप सिंह डाबर (20) के रूप में की गई है. घटना के बाद ग्रामीणों ने हादसे की सूचना एंबुलेंस सेवा को दी. मौके पर गांव थाना इंचार्ज डीएस सोलंकी पुलिस बल के साथ पहुंचे और सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया.

ट्रांसमैन ने दोस्त को जलाकर मार डाला

चेन्नई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। चेन्नई में लड़की से लड़का बने एक शख्स (ट्रांसमैन) ने अपनी दोस्त को बर्थडे से एक दिन पहले मिलने बुलाया और जलाकर मार डाला। पुलिस के मुताबिक, दोनों बचपन के दोस्त थे। वे चेन्नई की एक IT कंपनी में साथ काम करते थे। आरोपी (पंडी महेश्वरी) ने लड़की (नंदिनी) से शादी करने के लिए अपना सेक्स चेंज करवाया और लड़का (वेत्रिमारन) बन गया था।

लेकिन 25 साल की नंदिनी ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया था। इसी बात से नाराज होकर वेत्रिमारन ने उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक 24 दिसंबर को नंदिनी का बर्थडे था। 23 दिसंबर को वेत्रिमारन ने उसे फोन किया और बर्थडे सरप्राइज के बहाने मिलने के लिए बुलाया। दोनों ने एक साथ शॉपिंग की, फिर तांबरम के पास स्थित एक अनाथालय भी गए। इसके बाद वेत्रिमारन ने नंदिनी को घर तक छोड़ने को कहा। रास्ते में सुनसान जगह पर वेत्रिमारन ने नंदिनी से फोटो क्लिक कराने को कहा। इसी दौरान वेत्रिमारन ने दोस्त के हाथ-पैर बांध दिए और ब्लेड से उनकी गर्दन, हाथ पर ताबड़तोड़ वार किए और पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया।

जंजीर से बांधा, ब्लेड से काटा, फिर जला दिया

लड़की से लड़का बने शख्स ने बर्थडे पर दोस्त का किया कत्ल

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने अपनी महिला पार्टनर की क्रूरता के साथ हत्या कर दी. पहले उसने अपनी पार्टनर को जंजीर से बांधा और फिर काटा और उसके बाद जिंदा जला दिया. यह पूरा मामला चेन्नई के दक्षिणी बाहरी इलाके थलंबूर का है.

युवक ने अपने साथ पढ़ने वाली लड़की और पार्टनर को उसके जन्मदिन पर ही मौत के घाट उतार दिया। रिपोर्ट के मुताबिक मृतका की पहचान 26 वर्षीय आर नंदिनी के रूप में हुई है. आरोपित युवक नंदिनी से शादी करने के लिए अपना लिंग तक बदलवा दिया था. पुलिस ने नन्दिनी की हत्या के लिए एमबीए ग्रेजुएट युवक को गिरफ्तार किया, जो लिंग परिवर्तन कराने से पहले पंडित मुरुगेश्वरी था. पुलिस ने बताया कि दोनों मदुरै में एक ही गर्ल्स स्कूल में पढ़ते थे और उनमें गहरी दोस्ती भी थी. हालांकि, नन्दिनी ने वेत्रिमारन के प्रस्ताव को बार-बार ठुकराया था, जिसके चलते दोनों के बीच मतभेद हो गया. हालांकि इतना सबकुछ होने के बावजूद भी दोनों संपर्क में थीं.

आठ महीने पहले, सूचना प्रौद्योगिकी में बीएससी की डिग्री पूरी करने के बाद, नंदिनी को चेन्नई में नौकरी मिल गई और वह शहर में अपने चाचा के साथ रह रही थी. वेट्रिमरन ने शनिवार को फोन किया और नंदिनी को उसके साथ कुछ समय बिताने के लिए कहा. कथित तौर पर, जब दोनों मिले, तो आरोपी ने उसके लिए नए कपड़े लाए और उसे तांबरम के पास एक अनाथालय में ले गया और दान दिया. उसने उसे वापस घर छोड़ने की जिद की और रास्ते में पोनमर में एक सुनसान जगह पर रुक गया.

वेत्रिमारन ने नन्दिनी को उस सुनसान इलाके में तस्वीरों के लिए पोज़ देने के लिए कहा. फिर उसने अपनी बाइक से जंजीरें निकालीं और उसके हाथ-पैर बांध दिए, जबकि उससे कहा कि यह मजे के लिए है. हालांकि बाद में जब नंदिनी ने जंजीर खोलने को कहा तो उसने मना कर दिया. इसके बाद आरोपित महिला ने नंदिनी की गर्दन और बांह को ब्लेड से काट दिया इसके बाद उसके ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी. पुलिस ने बताया कि अपराध को अंजाम देने के बाद वह मौके से भाग गई.

पाकिस्तान में धड़ाधड़ गिरते आतंकियों से खौफ में दहशतगर्द

हाफिज, अजहर, रहमान और सलाहुद्दीन भूमिगत

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बैठे भारत के टॉप मोस्ट वॉन्टेड आतंकियों और उनके सहयोगियों के धड़ाधड़ गिरने का सिलसिल खत्म नहीं हो पा रहा है। यहां पर बड़ी बात ये है कि अब कुछ दिनों से पाकिस्तान में सक्रिय 'ए' ग्रेड आतंकी, अज्ञात हमलावरों की गोली का निशाना बन रहे हैं। दिसंबर माह में ही पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठन 'लश्कर-ए-तैयबा' (एलईटी) के कई बड़े चेहरे खत्म हो चुके हैं। इनमें 'ए' ग्रेड दहशतगर्द हबीबुल्लाह उर्फ भोला खान, जिसे एलईटी प्रमुख हाफिज सईद का करीबी रिश्तेदार बताया जाता है, धन जुटाने के लिए जिम्मेदार हाजी उलमर गुल और एलईटी का टॉप ट्रेनर अब्दुल्ला शहीन उर्फ 'जिहादी गुरु' शामिल है।

इंटेल एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान में धड़ाधड़ गिरते दहशतगर्दों से विभिन्न संगठनों के प्रमुख दहशत में आ गए हैं। बताया जा रहा है कि वे सभी प्रमुख, अब भूमिगत हो चुके हैं। इनमें हाफिज सईद, सैयद सलाहुद्दीन, मसूद अजहर, अब्दुल रहमान मक्की और जफर इकबाल आदि शामिल हैं। खास बात है कि इन सभी को पाकिस्तान में सुरक्षा प्रदान की गई है।

जिहादी गुरु, हबीबुल्लाह और गुल का हुआ खात्मा

बता दें कि पाकिस्तान में इस माह 'लश्कर-ए-तैयबा' (एलईटी) से जुड़े कई दहशतगर्द मारे गए हैं। बीते दिनों ही 'लश्कर-ए-तैयबा' (एलईटी) का 'ए' ग्रेड दहशतगर्द हबीबुल्लाह उर्फ भोला खान को अज्ञात हमलावरों ने अपनी गोली का निशाना बनाया था। भोला खान को 'लश्कर-ए-तैयबा' के लिए आतंकियों की भर्ती का काम सौंपा गया था। उसे वैश्विक आतंकी और एलईटी प्रमुख हाफिज सईद का करीबी रिश्तेदार बताया जाता है। लश्कर-ए-तैयबा संगठन के लिए धन एकत्रित करने की जिम्मेदारी हाजी उलमर गुल को सौंपी गई थी। उसे भी एलईटी प्रमुख हाफिज सईद का करीबी बताया जाता है। अज्ञात हमलावरों ने टैंक (पाकिस्तान) में गुल और उसके दो सहयोगियों को गोली मार दी थी। गुल, पाकिस्तान के पिछड़े इलाकों में लोगों को धमकी देकर धनराशि एकत्रित करता था। इसके बाद लश्कर-ए-तैयबा का टॉप ट्रेनर अब्दुल्ला शहीन को इसी सप्ताह अज्ञात हमलावर ने कसूर (पाकिस्तान) में गोली मार दी। शहीन की मौके पर ही मौत हो गई। उसे आतंकी समूहों के बीच 'जिहादी गुरु' नाम से पहचाना जाता था।

तो इसलिए हो रहा आतंकियों का खात्मा

केंद्रीय एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान में कई आतंकी संगठन, वैश्विक हैं। उन्हें यूएनओ की वैश्विक आतंकियों की सूची में शामिल किया गया है। गत वर्ष अक्तूबर में फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की 'ग्रे' सूची से पाकिस्तान, बाहर आ गया था। दुनिया को दिखाने के लिए पाकिस्तान ने कुछ टॉप आतंकियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान में लगातार मारे जा रहे आतंकियों के पीछे की कहानी कुछ और ही है। मौजूदा वक्त में पाकिस्तान, गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। ऐसे में वह अब उन आतंकी संगठनों का खर्च वहन नहीं कर सकता, जिनका वह दशकों से इस्तेमाल करता आ रहा था। 'ग्रे' सूची से बाहर रहने और पुराने आतंकियों पर हो रहे खर्च से बचने के लिए अब वहां पर आतंकियों का खात्मा किया जा रहा है। दूसरी तरफ, कम खर्च पर युवा दहशतगर्दों की भर्ती की जा रही है। खास बात है कि पाकिस्तान में मौजूद टॉप दहशतगर्द, जो खुद को अभी तक महफूज समझ रहे थे, अब वे भी भूमिगत हो गए हैं।

पर्दे के पीछे का सच, दुनिया जानती है

सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान में इस साल 'जैश-ए-मोहम्मद' 'डी कंपनी', 'लश्कर ए तैयबा', हिजबुल मुजाहिदीन, लश्कर-ए-जब्बर और लश्कर-आई-जांगवी सहित कई आतंकी संगठनों से जुड़े कई दहशतगर्द मारे जा चुके हैं। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर जकी-उर-रहमान लखवी को दो वर्ष पहले पाकिस्तान की एक अदालत ने टेरर फंडिंग केस में 15 साल कैद की सजा सुनाई थी। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे हास्यास्पद बताया था। पाकिस्तान, एफएटीएफ की बैठक के भय से इस तरह के कदम उठाता रहता है। पर्दे के पीछे का सच, दुनिया जानती है। 'लश्कर ए तैयबा' के प्रमुख और वैश्विक आतंकी हाफिज सईद को भी पाकिस्तान की अदालत से 31 साल की सजा सुनाई थी। कई बार ऐसे प्रमाण सामने आते रहे हैं, जिनसे इन दोनों आतंकियों के जेल में होने पर संदेह होता है। इन्हें अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराने की बात कही गई है, लेकिन अब ये टॉप आतंकी भी खुद को असुरक्षित मानने लगे हैं।

क्या शीर्ष आतंकियों का है अगला नंबर?

हिजबुल मुजाहिदीन का प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन को अमेरिका ने ग्लोबल टेररिस्ट सूची में डाल रखा है। कुछ समय से सलाहुद्दीन भी भूमिगत हो चुका है। इसे पाकिस्तान में बुलेटप्रूफ वाहन और सिक्योरिटी पर्सन दिए गए हैं। 1993 के मुंबई बम धमाकों का आरोपी, वैश्विक आतंकी दाऊद इब्राहिम को भी कराची में हाई सिक्योरिटी प्रदान की गई है।

कर्नाटक हिजाब विवाद : सीएम के बयान पर असदुद्दीन ओवैसी का तंज

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के स्कूल-कॉलेजों में हिजाब लगाने पर लगे प्रतिबंध को खत्म करने के मामले में सीएम सिद्दारमैया के बयान पर एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने तंज कसा है। सिद्दारमैया ने कहा था, "अभी हिजाब पर प्रतिबंध नहीं हटाया गया है। कल किसी ने प्रतिबंध हटाने को लेकर मुझसे पूछा था, तो मैंने कहा था कि सरकार इस पर विचार कर रही है।"

ओवैसी बोले- "कांग्रेस को वोट देने वाले मुस्लिम खुश होंगे!" सीएम के इस जवाब पर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, "आपको सत्ता में आए 6 महीने हो गए हैं। मुस्लिम लड़कियों को शिक्षा का अधिकार है या नहीं, इसमें विचार करने की क्या बात है। सीएम सिद्दारमैया को 'धर्मनिरपेक्ष' कांग्रेस सरकार में हिजाब पर प्रतिबंध बनाए रखने के लिए धन्यवाद। जिन मुसलमानों ने आपको वोट दिया, वे जरूर खुश होंगे।"

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 26 दिसंबर - 2023

सेना में महिलाओं का दबदबा

आज महिलाएं ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा है जहां उनकी सफल भागीदारी न रही हो। यहां तक कि भारतीय सेना में भी महिलाओं की उपस्थिति बढ़ी है। देखा जाए तो अब तक सैन्य बलों में स्वास्थ्य जैसी कुछ खास सेवाओं को छोड़ दें, तो महिलाओं की संख्या उंगलियों पर गिने जाने भर की थी। इसीलिए सेना की सेवा में एक तरह से असंतुलन साफ दिखता था। हालात में बदलाव तब आया जब कुछ समय पहले इस क्षेत्र में महिलाओं को मौके देने को लेकर कई स्तर पर प्रयास शुरू किए गए। उसके नतीजे आज देश के सामने है। आजादी के पचहत्तर वर्षों के बाद पहली बार यह सुखद आंकड़ा आया है कि वर्ष 2023 में सेना ने कुल एक सौ अट्ठाईस महिलाओं की स्थायी नियुक्ति के साथ-साथ कर्नल जैसे महत्वपूर्ण उच्च पद के लिए चयन किया गया है। इसके लिए खूब पापड बेलने पडे। यहां तक कि इस वर्ष कुल चार बार पदोन्नति बोर्ड का गठन किया गया और अब चयनित महिला अधिकारियों को सेना में युद्ध के मोर्चे को छोड़ कर बाकी अन्य शाखाओं में तैनात करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बता दें कि इसी वर्ष जनवरी में पदोन्नति बोर्ड ने एक सौ आठ महिलाओं को स्थायी नियुक्ति के साथ कर्नल पद के लिए चुना था। उसके बाद अब महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से सेना के उच्च पदों के ढांचे को समावेशी बनाने की दिशा में एक निरंतरता देखी जा रही है। इस तरह कुछ समय से सेना में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के मकसद से जो प्रक्रिया चल रही थी, उसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगा है। सेना में कर्नल जैसे पद पर बदलती तस्वीर का मुख्य आधार करीब तीन वर्ष पहले सुप्रीम कोर्ट का आया वह ऐतिहासिक फैसला था, जिसके तहत महिला अधिकारियों के लिए स्थायी आयोग की व्यवस्था की गई थी। इसके बाद ही सेना में महिलाओं की आगे की उन्नति और पदोन्नति का मार्ग खुला। इसी क्रम में महिलाओं के लिए नेतृत्व और उच्च प्रबंधन पाठ्यक्रम शुरू किया गया। सेना के अलावा महिलाओं ने अन्य सभी क्षेत्रों में मौका मिलने पर अपनी क्षमताओं को साबित किया है। इस नजरिए से देखा जाए तो सेना में भी उनके लिए अवसर बनने में कोई अड़चन नहीं आने वाली है। इसके बावजूद कई वजहों से इससे संबंधित सवाल उठने पर नाहक ही टालमटोल होती रही। निश्चित रूप से इस मसले पर खड़ी होने वाली बाधाओं के पीछे सामाजिक धारणाओं पर आधारित एक गैरजरूरी पूर्वाग्रह रहा है, जिसमें गलत दलीलों पर महिलाओं को कम करके आंका जाता रहा। इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी, 2020 में स्थिति को बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि महिलाएं भी सेना में पुरुषों की तरह कमांड यानी किसी सैन्य टुकड़ी के नेतृत्व का दायित्व संभाल सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सामाजिक धारणाओं के आधार पर महिलाओं को समान मौके न मिलने को परेशान करने वाला, समानता के खिलाफ और अस्वीकार्य बताया था। इस संदर्भ में अदालत ने यह भी कहा कि सेना की सभी महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन मिले, चाहे वे कितने भी समय से कार्यरत हों। केंद्र सरकार महिलाओं के बारे में मानसिकता बदले और सेना में समानता लाने के लिए कदम उठाए। इस तरह जो अवसर महिलाओं को एक स्वाभाविक व्यवस्था के तहत मिलने चाहिए थे, उसके लिए सुप्रीम कोर्ट को आगे आना पड़ा। जबकि यह एक जगजाहिर तथ्य है कि सामान्य जीवन से लेकर शिक्षा या नौकरी के क्षेत्र में सेना तक के ढांचे में जहां भी महिलाओं को मौका मिला है, उसने साबित किया कि वह भी किसी मायने में किसी से कम नहीं है।

खबरदार, फिर बढ़ रही कोरोना की तेज रफ्तार

ऋतुपर्ण दवे

देश भर में एक बार फिर कोरोना दस्तक दे चुका है? लेकिन सच यही है कि कोरोना आने के बाद से ही कभी गया ही नहीं? हां, पाबंदियां हटती गईं और दबा संक्रमण धीरे-धीरे पसरता रहा और हम सब बेफिक्र रहे। देश हो या प्रदेश जिले हों या नगर या गांव हों या पंचायतें लोग इतनी जल्दी उस दर्दनाक मंजर को भूल भी गए जो हफ्ते, महीने दिन नहीं पूरे दो साल तक दुनिया में तबाही मचाता रहा! वो वाकिये भी याद नहीं रहे जो जिन्दगी भर का दर्द दे गए? शायद इसी गलती, चूक या लापरवाही का नतीजा है, जो कोरोना की डरावनी रफ्तार फिर उसी अंदाज में बेखोफ बढ़ती जा रही है। कोविड-19 द्वारा लोगों की जान को लीलना कभी थमा नहीं था। हां, कम या बीच में कुछ वक्त ब्रेक लगने का भ्रम जरूर था। अब दिसंबर आखिरी हफ्ते में आई तेजी ने जनवरी 2020 की याद दिला दी। अभी गंभीर संक्रमण या अस्पताल में भर्ती होने के मामले ज्यादा नहीं होने के कारण लोग हल्के से ले रहे हैं। लेकिन सच्चाई यही है कि नया वैरिएण्ट जेएन.1 धीरे-धीरे हावी होता जा रहा है जो अधिक संक्रमणीय होकर बहुत तेजी से फैल रहा है। इसके मुख्य लक्षण मुख्य रूप से बुखार के साथ लगातार या रुक-रुक कर हल्की-तेज खांसी, सांस लेने में तकलीफ या सांस नली में दिक्कत, थकान, मांसपेशियों और शरीर में दर्द के साथ ही सिरदर्द, गले में खराश, नाक बहना या बंद रहना है। ये लक्षण इतने आम होते हैं कि लोग जल्द समझ ही नहीं पाते हैं। इसकी रोकथाम के लिए 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों को खुद को संक्रमित होने से बचना-बचाना होगा। विशेषज्ञों ने भी वरिष्ठ नागरिकों को खास एहतियात बरतने की सलाह दी है। इस संक्रमण के ताजे रिसर्च ने सबको हैरान कर दिया है। नया वैरिएण्ट गले को बुरी तरह से प्रभावित करता है जिससे आवाज तक जा सकती है। यह बात भी सामने आई है कि इससे मौतों के बढ़ने के मामले और अस्पतालों में भर्ती होने की संख्या में वैसी बढ़ोतरी नहीं हुई, जैसी कि डेल्टा वैरिएण्ट के वक्त थी। लेकिन अब इस संक्रमण से स्वाद और गंध के साथ आवाज जाने की संभावना चिकित्सक बता रहे हैं। एक15 साल की एक बच्ची ने इस वायरस के चलते अपनी आवाज गंवा दी, जिसके बाद चिकित्सक काफी गंभीर हैं। इस सच्चाई को स्वीकारना ही होगा कि बीते एक पखवाड़े में इससे भले ही चंद मौतें हुईं लेकिन ये चिंताजनक हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में 24 दिसंबर की सुबह तक 656 केस नए मामले मिले जबकि 23 दिसबंर को 752 मिले थे यह 21 मई, 2023 के बाद अब तक मिले सबसे अधिक हैं। इन मामलों के बाद देश में इस समय कोरोना के सक्रिय मामले 4 हजार के लगभग हो गए हैं।

हालांकि पिछले 24 घंटों में केवल एक ही मौत हुई। इधर आंकड़े बताते हैं कि 20 नवंबर से 17 दिसंबर यानी 28 दिनों में विश्व में कोविड के 8.50 लाख से अधिक नए मामले सामने आए और इसी अवधि में इस संक्रमण से 3,000 से अधिक मरीजों की मौतें हुईं। वहीं 17 दिसंबर तक दुनिया भर में कोविड के 77 करोड़ 20 लाख से अधिक मामलों की पुष्टि हो चुकी थी। वहीं लगभग 70 लाख मौतें भी दर्ज हो चुकी हैं।

विपक्षी सांसदों का निलंबन जनता के लिए चेतावनी है ?

श्रवण गर्ग

देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था संसद से जिन 146 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था उन्हें अब क्या करना चाहिए ? क्या उन्हें ऐसा मान लेना चाहिए कि वे अब सांसद नहीं रहे ? संसदीय प्रजातंत्र के भविष्य को लेकर निराश हो जाना चाहिए ? क्या इस बात की कोई गारंटी है कि बजट सत्र जब भी आयोजित होगा उन्हें इसी तरह के निलंबन का अपमान फिर से नहीं झेलना पड़ेगा ? निलंबित किए गए सांसद सिर्फ़ हाड़-मांस के पुतले मात्र नहीं हैं ! वे देश की लगभग एक-चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं ! सांसदों के निलंबन की कार्रवाई बताती है कि सत्तारूढ़ दल को न सिर्फ़ जनता की ओर से न्यायोचित माँगें उठाने वाले सदस्यों की ज़रूरत नहीं बची, उसका एजेंडा उस जनता के बिना भी पूरा हो सकता है जो सवाल करने वाले प्रतिनिधियों को चुनकर भेजती है ! हुकूमत ने अब ऐसे प्रतिनिधियों की ग़ैर-मौजूदगी में भी देश के प्रजातांत्रिक भविष्य को प्रभावित करने वाले क़ानून बनाने की ताक़त अख़्तियार कर ली है। विपक्षी सांसदों की ग़ैर-मौजूदगी में नागरिक जीवन और प्रजातंत्र को प्रभावित करने वाले पैंतीस विधेयक लोकसभा और राजसभा द्वारा पारित कर दिये गए। इनमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता जैसे महत्वपूर्ण विधेयक भी शामिल हैं जिनके कारण पड़ने वाले प्रभावों का अनुमान अभी नहीं लगाया जा सकता। विधेयकों के क़ानूनी रूप लेते ही हर तरह की असहमति के ख़िलाफ़ क़ानूनों के मारक प्रभाव की असलियत सामने आने लगेगी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहले बार ऐसे चौंका देने वाले घटनाक्रम का देश को साक्षी बनना पड़ रहा है ! दुनिया की किसी अन्य प्रजातांत्रिक व्यवस्था में इस तरह के निलंबन और बिना बहस-संशोधनों के विधेयकों को क़ानूनों में बदल देने की कार्रवाई कभी देखी नहीं गई। सिर्फ़ अधिनायकवादी हुकूमतों में ही एक व्यक्ति का राज चलता है। वही संसद होता है और उसका हर कहा क़ानून बन जाता है। संसद की नई इमारत के निर्माण और गरिमापूर्ण धार्मिक आयोजन के बीच संपन्न हुई ऐतिहासिक 'राजदंड' की स्थापना के साथ कल्पना यही की गई थी कि देश के संसदीय प्रजातंत्र में एक नए युग की शुरुआत हो रही है ! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परिवर्तन के नायक के रूप में इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाने वाले हैं ! कल्पनाओं के विपरीत स्थापित यह होता दिखाई दे रहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पुराने से नए संसद भवन की तरफ़ पैदल मार्च करते हुए सत्तारूढ़ दल सिर्फ़ 1927 में निर्मित औपनिवेशिक इमारत को ही नहीं बल्कि धर्मनिरपेक्ष संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं को भी विदाई दे रहा था। विपक्षी सांसद सरकार से आख़िर माँग क्या रहे थे ? उनकी माँग सिर्फ़ इतनी थी कि 13 दिसंबर 2023 के दिन संसद भवन के सुरक्षा कवच में जो गंभीर सेंध लगी उस पर देश के शीर्ष नेतृत्व को सदन में वक्तव्य देना चाहिए। देश की जनता को बताया जाना चाहिए कि सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर दो युवा कैसे संसद के भीतर तक पहुँचने में कामयाब हो गए ! विपक्ष की माँग का जवाब घटना पर कोई वक्तव्य देने के बजाय सांसदों के निलंबन की कार्रवाई से दिया गया। चिंता का विषय हो सकता है अगर विपक्ष के प्रति कार्रवाई की आड़ में जनता को भी कोई संदेश दिया जा रहा हो ! संदेश यह कि पुराना जो कुछ भी है वह समाप्त किए जाने के कगार पर है ! एक जीते-जागते प्रजातंत्र में विपक्ष के ख़िलाफ़ इस तरह की कार्रवाई के पीछे केवल दो कारणों की तलाश की जा सकती है : पहला कारण सत्तारूढ़ दल का यह आत्मविश्वास कि प्रधानमंत्री के तिलिस्म और पार्टी की कट्टर हिंदुत्ववादी विचारधारा में विश्वास रखने वाले मतदाताओं की संख्या में न सिर्फ़ कोई कमी नहीं हुई है उसमें वृद्धि हो रही है। तीन राज्यों के चुनाव नतीजे इस दावे का प्रमाण है।परिणामस्वरूप मोदी न सिर्फ़ विपक्ष के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने से नहीं हिचकिचा रहे हैं, वे भाजपा में क़ायम हो गए सत्ता केंद्रों पर भी निर्ममता से प्रहार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शायद स्थापित करना चाहते हैं कि उनके अकेले की ताक़त के बल पर ही पार्टी लोकसभा चुनावों में पिछली बार से ज़्यादा सीटें हासिल करके दिखाएगी ! दूसरा और ज़्यादा विश्वसनीय कारण सत्तारूढ़ दल का यह डर यह हो सकता है कि ग़ैर-भाजपा दलों को प्राप्त होने वाले साठ प्रतिशत से ज़्यादा मतों का आपस में विभाजन इस बार नहीं हो पाएगा। विपक्ष के मुक़ाबले कम मत प्राप्त होने के बावजूद बहुमत की सरकार बना पाना भाजपा के लिए कठिन साबित हो सकता है। लोकसभा के चुनाव नतीजे हाल के तीन हिन्दी भाषी राज्यों के बजाय तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल-पंजाब की तरह चौंकाने वाले प्राप्त हो सकते हैं। इंडिया गठबंधन की गतिविधियों ने भाजपा को चिंतित कर रखा है। सांसदों के निलंबन के विरोध में 22 दिसंबर को दिल्ली सहित सभी राजधानियों में हुए धरना-प्रदर्शनों का एनडीए जवाब ही नहीं दे पाया। चुनाव पूर्व प्रारंभ होने वाली राहुल गांधी की दूसरी 'भारत जोड़ो यात्रा' कर्नाटक और तेलंगाना के बाद भाजपा की रीढ माने जाने वाले इलाक़ों पर प्रहार कर सकती है। अमित शाह ने उम्मीद जताई है कि 2024 के चुनावों में भाजपा को 2019 के मुक़ाबले दस प्रतिशत ज़्यादा वोट प्राप्त हो सकते हैं। इस सिलसिले में उन्होंने तीन राज्यों में हुई जीत का हवाला दिया है ।पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को 37.4 प्रतिशत वोट और 303 सीटें प्राप्त हुईं थीं। विभाजित विपक्ष और अन्य दलों को बचे 62.6 प्रतिशत वोट और सीटें मिलीं थीं। भाजपा को 2019 के मुक़ाबले दस प्रतिशत अधिक मत मिलने का मतलब यही होगा कि 2024 के चुनावों में विपक्ष डेढ़ सौ से भी कम सीटों पर सिमट जाएगा। अमित शाह जो कह रहे हैं अगर वही सत्य है तो यह अभी से मान लेना चाहिए कि 2029 के चुनावों के बाद तो संसद पूरी तरह से विपक्ष-मुक्त और एक पार्टी की हुकूमत देश पर क़ाबिज़ हो जाएगी ! क्या यह 'मुमकिन' हो पाएगा ? क्या अमित शाह देश को अभी से डराना चाह रहे हैं ?

http://shravangarg1717.blogspot.com

केवल पीड़ित पहलवानों के बढ़ते विरोध के चलते एक्शन नहीं हुआ

अशोक भाटिया

जब से संजय सिंह को भारतीय कुश्ती महासंघ के लिए हुए चुनाव में जीत मिली और उनका अध्यक्ष बनना तय हुआ, तब से ही पीड़ित पहलवानों ने इस पर आपत्ति जताई थी। पहलवानों का कहना था कि संजय सिंह भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी हैं और ऐसे में डब्ल्यूएफआई में किसी भी तरह के सुधार की उम्मीद नजर नहीं आती है। हालांकि, कुश्ती महासंघ की मान्यता को और संजय सिंह को जिस वजह से सस्पेंड किया गया है, वो बिल्कुल ही अलग मामला है। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) की नई संस्था की मान्यता रद्द कर दी है। केंद्रीय खेल मंत्रालय का कहना है कि कुश्ती महासंघ पर ये कार्रवाई राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित करने की 'जल्दबाजी' को लेकर हुई है। मंत्रालय ने WFI के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय सिंह को भी सस्पेंड कर दिया है। संजय सिंह को भाजपा सांसद और पूर्व WFI अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का करीबी बताया जाता है। उन्हें भी अब सस्पेंड कर दिया गया है। मंत्रालय का कहना है कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने 21 दिसंबर को ऐलान कर दिया कि जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं इस साल के अंत से पहले शुरू हो जाएंगी मगर ये नियमों के खिलाफ है क्योंकि प्रतियोगिता शुरू करने के लिए कम से कम 15 दिन के का नोटिस देना होता है ताकि पहलवान तैयारी कर सकें। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि नई संस्था पूरी तरह से पुराने पदाधिकारियों के कंट्रोल में दिखाई पड़ता है जिन पर पहले ही यौन उत्पीड़न के आरोप हैं। प्रेस रिलीज में आगे कहा गया कि ऐसा प्रतीत होता है कि नवनिर्वाचित संस्था खेल संहिता की पूरी तरह से अवहेलना करते हुए पूर्व पदाधिकारियों के कब्जे में है। कुश्ती महासंघ का काम पुराने पदाधिकारियों के परिसरों से चल रहा है। इसमें वे परिसर भी शामिल हैं, जहां महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न होने की बात कही गई है। वर्तमान में अदालत में भी इस मामले की सुनवाई चल रही है । दूसरी ओर WFI के नए अध्यक्ष संजय सिंह गुट का दावा है कि साल 2023 के खत्म होने में महज चंद दिन बाकी हैं। अगर ये "अंडर 15 और अंडर 20 रेसलिंग नेशनल्स" इस साल आयोजित नहीं होता और ये कैलेंडर साल खत्म हो जाता तो कई पहलवान ओवर एज हो जाते और वो इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाते। ऐसे में कुश्ती की भलाई के लिए और युवा पहलवानों का भविष्य बरबाद न हो, इसलिए जल्दी फैसला लिया गया। अगर नए पदाधिकारी ये त्वरित फैसला ना लेते तो कई युवा पहलवान 11 महीनों से रुकी पड़ी सभी गतिविधियों की वजह से इसमें भाग नहीं ले पाते। चूंकि नंदनी नगर गोंडा में स्टेडियम और इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हैं, इसलिए ही इतनी जल्दी में वहां पर इतना बड़ा आयोजन कराना WFI के लिए संभव था। सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की तरफ से सभी गतिविधियों पर रोक लगाने के पीछे जो वजह बताई गई है, उसके लिए भी नए पदाधिकारियों के पास प्रतिउत्तर तैयार है। इधर संजय सिंह ने कहा है कि उन्हें अभी डिटेल्स नहीं मालूम हैं लेकिन हमारा कोई फैसला नियम के खिलाफ नहीं है। गौरतलब है कि ओलंपिक पदक विजेता और बृजभूषण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला पहलवान साक्षी मलिक ने राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने शनिवार को ट्वीट कर कहा था कि मैंने भले ही कुश्ती छोड़ दी है, मगर मैं कल रात से ही काफी परेशान हूं। जूनियर महिला पहलवान मुझे बता रही हैं कि दीदी इस 28 तारीख को जूनियर नेशनल होने हैं और वो नई कुश्ती फेडरेशन ने नंदनी नगर गोंडा में करवाने का फैसला किया है। साक्षी ने आगे कहा कि गोंडा बृजभूषण का इलाका है। आप सोचिए कि जूनियर महिला पहलवान किस माहौल में कुश्ती लड़ने वहां जाएंगी। क्या इस देश में नंदनी नगर के अलावा क्या कहीं पर भी नेशनल करवाने की जगह नहीं है। समझ नहीं आ रहा कि क्या करूं। साक्षी के अलावा बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट जैसी महिला पहलवानों ने भी बृजभूषण सिंह पर सवाल उठाए थे । ज्ञात हो कि तकरीबन साल होने को आ रहा है और कुश्ती में जो हलचल मची थी पिछले साल, वो अभी तक खत्म होने को नहीं आ रहा है। कुछ दिनों पहले चुनाव हुए तो लगा कि अब सब कुछ रास्ते पर आ जाएगा, चीजें अपनी तरह से काम करने लगेंगी। पहलवानों का भला होगा और वे फिर से अखाड़ों में आएंगे, मैट पर उतरेंगे लेकिन आज अचानक से खेल मंत्रालय ने ही धमाका कर दिया है। इन्होंने फेडरेशन को निलंबित कर दिया है।खेल मंत्रालय ने बोला है कि नई संस्था जो काम कर रही है पूरी तरह पूर्व पदाधिकारियों के नियंत्रण में नजर आ रही है। ये कोटेड है। तो बृजभूषण सिंह का कुश्ती फेडरेशन पर जो दबदबा है, कहीं न कहीं उसकी ओर इंगित करते हुए कहा है। शायद सरकार की तरफ से बृजभूषण सिंह को कोई इशारा गया हो, तभी उन्होंने कहा कि कुश्ती से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। लोकसभा चुनाव मेरा अगला लक्ष्य है और उसी पर मैं अपना सारा ध्यान लगा रहा हूं। तो फिलहाल उन्होंने भी एक तरह से अपने आपको अलग किया है। बाद में लेकिन जिस तरह से बृजभूषण सिंह मीडिया के सामने आए और कहा कि अब उनका कुश्ती से कोई लेना-देना नहीं है, वह अपने चुनाव पर फोकस करेंगे। ये उनके तीन दिन पुराने तेवर से एकदम अलग था। तीन दिन पहले हमने देखा, दबदबा है, दबदबा रहेगा।

'समय की रेत पर' निबंधों में प्रियंका सौरभ की गहरी आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि

रेनू शब्द मुखर

पहला ही निबंध 'समय की रेत पर' से ही किताब का भी नामकरण किया गया है, जो कि उचित जान पड़ता है। यह पूरे संग्रह का प्रतिनिधि निबंध है, जिसमें समाज परिवर्तन के लिए पुरुषार्थ की भूमिका को रेखांकित किया गया है क्योंकि गतिमान जीवन यात्रा में इंसान की इच्छाएं अनंत होती है। बिना पुरुषार्थ के भोजन भी नहीं मिल सकता है और बिना पुरुषार्थ के किसान खेती भी नहीं कर सकता है। 'खंडित हो रहे परिवार' में गिरावट के प्रतीक के रूप में आज खंडित हो रहे परिवारों की दशा की विवेचना है जिसमें लेखिका कहती है कि वैवाहिक सम्बन्ध टूटने, आपसे भाईचारे में दुश्मनी एवं हर तरह के रिश्तों में कानूनी और सामाजिक झगड़ों में वृद्धि हुई है। आज सामूहिकता पर व्यक्तिवाद हावी हो गया है. इसके कारण भैतिक उन्मुख, प्रतिस्पर्धी और अत्यधिक आकांक्षा वाली पीढ़ी तथाकथित जटिल पारिवारिक संरचनाओं से संयम खो रही है। जिस तरह व्यक्तिवाद ने अधिकारों और विकल्पों की स्वतंत्रता का दावा किया है। उसने पीढ़ियों को केवल भौतिक समृद्धि के परिप्रेक्ष्य में जीवन में उपलब्धि की भावना देखने के लिए मजबूर कर दिया है। इस पुस्तक के निबंधों में लेखिका ने सामाजिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक क्षेत्र के विषयों जैसे-खंडित हो रहे परिवार, धर्म, मिट्टी के घर, देशभक्ति के मायने, आस्था पर निशाने, चरित्र शिक्षा, अंधविश्वास का दलदल, पुरस्कारों का बढ़ता बाजार, हमारी सोच, अंतरात्मा की आवाज, तीर्थयात्रा, जीवन की आपाधापी, पत्थर होती मानवीय संवेदना, संबंधों के बीच पिसते खून के रिश्ते, रंगत खोते हमारे सामाजिक त्योहार, सनातन धर्म' के बदलते अर्थ,बदलती रामलीला, शादी-ब्याहः बढ़ता दिखावा-घटता अपनापन, घर की दहलीज से दूर होते बुजुर्ग, प्रतिष्ठा की हानि, मूल आधार है हमारे सामाजिक त्योहार, अपनों से बेईमानी, पतन की निशानी, रामायण सनातन संस्कृति की आधारशिला, विरासत हमें सचमुच बताती हैं कि हम कौन हैं, राष्ट्रीय अस्मिता, सभ्यता, महिला सशक्तिकरण, भाषा और साहित्य इत्यादि विषयों पर गहरे विश्लेषण के साथ तर्कसम्मत, व्यावहारिक और ठोस चिंतन बहुत ही मुखर ढंग से प्रस्तुत किए हैं।"इतिहास की जानकारी मनुष्य के भविष्य निर्माण के लिए होनी चाहिए इसलिए यह ज़रूरी है कि इतिहास में दर्ज हो चुकी सभ्यताएँ, संस्कृति, भाषा, साहित्य और कला सभी सुरक्षित होने के साथ पोषित और समृद्ध भी होती रहें।" पुस्तक के सभी निबंध सटीक, समसामयिक होने के साथ स्थायित्व लिए हुए हैं। निश्चय ही इन निबंधों में लेखिका का जागृत टिप्पणीकार होना हमारी विरासत और संस्कृति के असल को जितना सामने लाता है, उतना ही मानवीय विवेक के साथ संस्कृति के प्रति स्वःचेतना को भी। वे विचारधाराओं के बीच केवल चहलक़दमी नहीं करतीं, बल्कि उसके जीवन सापेक्ष सार्थक को वैचारिकी में लाती हैं। लेखनी की धनी प्रियंका सौरभ का इस कृति के माध्यम से बहुआयामी चिन्तन मुखर हुआ है। वे समसामयिक विषयों पर गहरी समझ रखती हैं। लेखिका ने सभी निबंधों में सन्दर्भ के साथ उदाहरण भी दिए हैं और तथ्यों के साथ गहरा विश्लेषण भी किया है। कुल मिलाकर यह कृति हमरी विरसत,संस्कृति, मानवीय चेतना एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों की गहन पड़ताल करती है। पुस्तक पठनीय ही नहीं, चिन्तन मनन करने योग्य, देश के कर्णधारों को दिशा देती हुई और क्रियान्वयन का आह्वान करती वैचारिक विमर्श की समसामयिक कृति है। "समय की रेत पर" हमारी संस्कृति और विरासत से जुड़े समकालीन निबंधों का सशक्त दस्तावेज़ है। निबंधो का यह संग्रह हमारी विरासत और संस्कृत से जुड़े मुद्दों को समेटे है। परिस्थितियों से प्रेरित लेखन जरा भी ऊबाऊ या दिखावटी नहीं होता। यहीं से सत्यता की सुगंध आने लगती है।

प्रियंका जी के विषय व्यापक और महीन हैं। उनकी भाषा पर पकड़ बताती है कि भाषा पर किसी तरह का कोई समझौता उनके शब्दकोश में नहीं है। बहुत ही गहन और अंतर्द्वंद से उपजे विचारों को लेखों में ढालना आसान कतई नहीं है। उनके लेखों की हेडिंग से लेख का पूरा मजमून और संदर्भ सामने जैसे प्रकट हो जाता है। यही खासियत होती है लेखों के शीर्षक की जिसमें प्रियंका जी ने भरपूर काम किया है। लेख यदि भारी-भरकम हो और शीर्षक हल्का हो तो लेख की गरिमा अपने-आप ही कम हो जाती है। जो लोग अपने शीर्षक पर काम नहीं करते उनके लिए ये पुस्तक उदाहरण है। मैंने इधर समकालीन लेखकों में इस स्तर की पुस्तक यही पढ़ी है।

दार्शनिक राजनीति

डॉ टी महादेव राव

भैया बिना ईंधन के गाड़ी चलती है क्या? ईंधन के बारे में पूछ कर क्यों परेशान करते हो? इसकी धधक ऊपर तक फैल कर ही तो आम जनता के जिंदगी की गाड़ी तो धो कर घिसटते हुए चल रही है। चारा डाले बिना भैंस को दुहना क्या संभव है? घाटे के बजट में भी जनता पर भारी वरदानों की वर्षा करते नेताओं के अलावा तुम्हारे और मेरे जैसे लोगों के लिए तो संभव नहीं है। अब बताओ भैया अधिकार या सत्ता के बिना जनता की सेवा कर सकते हैं क्या? सीमेंट के बिना दीवार बनाना जिस तरह संभव नहीं ठीक उसी तरह अधिकार के आश्रय के बिना प्रजा की सेवा या जनकल्याण का बोझ सिर पर उठाना संभव नहीं। दही मथकर जिस तरह मक्खन निकाला जाता है, ठीक उसी तरह अधिकार या सत्ता से ही जनसेवा उत्पन्न होती है। नेताओं की नजर में पावर यानी सत्ता सेवा का ही पर्याय है। इसीलिए नींद से जागने से लेकर इनको कुर्सी देकर आपने गलत किया है, हमें सत्ता सौंपेंगे तो आखिर आपकी भाग्य रेखाएं बदलेंगी। आपके जीवन में गुलाबों के बाग खिलाएंगे, कहते हुए जनता के कानों में मच्छरों की तरह विपक्ष भिनभिनाता रहता है। ऐसे में एक वरिष्ठ केंद्रमंत्री ने ऐसा क्यों कहा है कि अधिकार ही परम लक्ष्य बनकर राजनीति पूरी तरह बदल चुकी है। जनकल्याण बेमतलब हो गई है कहते हुए बहुत दुखी हुए। उन्होंने यहां तक कह डाला कि यह सब देखते हुए राजनीति से सन्यास लेने का मन कर रहा है। हमारे पूर्वज विद्वानों ने कहा है गाड़ी के छक्के में अगर स्नेहक (लुब्रिकेंट)नहीं लगाए तो गाड़ी नहीं चलेगी राजनीति में वही स्नेहक है सत्ता। बड़ी राशि पाना है, अपनी बात सभी से मनवाना है, अपने भ्रष्टाचार की नदी का प्रवाह निरंतर चले, ई डी और सीबीआई की नजर अपने ऊपर ना पड़े, इसके लिए जरूरी है अपनी पार्टी सत्ता में हो या फिर सत्तापक्ष का सहारा हो अन्यथा सेवा कार्य और स्वाहा कार्य दोनों बिगड़ जाएंगे और जेल की हवा खानी पड़ेगी।इसलिए तो अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए, जनता की भलाई के लिए सत्ता पार्टी में कूदना जरूरी है कहते हुए अन्य दलों के नेता मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं। वह तो ठीक है, फिर भी राजनीति छोड़ने की इच्छा इतने बड़े मंत्री द्वारा व्यक्त किया जाना दुख की बात है। सौ कौओं के कांव-कांव के बीच कोयल की मीठी आवाज कितनी भी ऊंची हो क्या फायदा? कितने राजनेताओं ने भीष्म प्रतिज्ञा ली थी अगर उन पर लगे आरोप सत्य सिद्ध हुए तो वे राजनीति से संन्यास ले लेंगे। वहां तक क्यों? पश्चिम बंगाल के ताजा मंत्री बाबुल सुप्रियो को पिछले वर्ष केंद्रीय मंत्री पद से उतारने के बाद उन्होंने कसम देकर कहा था कि अब राजनीति से अलग हो जाएंगे। साल भर में ही दूसरी पार्टी के सरकार में मंत्री बन गए। जनसेवा के प्रति मन इतना खींचा कि वे कसम तोड़ कर प्रजा की सेवा करने उतर पड़े। आप कुछ भी कहो एक बार जनसेवा के मैदान में उतरने के बाद सत्ता या अधिकार न हो तो अच्छा नहीं लगता। मन मानता ही नहीं। बिरयानी, सुरा, धन देकर पालने वाले समर्थकों के जय जयकार, अपना धन खर्च कर फूलों की वर्षा करने वाले निमंत्रण, अखबारों में, चैनलों पर खबरें और कवरेज और सबसे ज्यादा आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त लूटा गया धन। इन सब का मजा ही कुछ और है। उनमें आसमान के तारे तक खरीद सकतने का आत्मविश्वास इन सब से दूर होने की सोच ही भयानक होती जाती है। सच है आम जनता के जीवन में जीएसटी की मार, महंगाई भरमार, खुशी की घटोतरी समस्याओं की बढ़ोतरी। नेताओं के जीवन में संपत्ति का धन, स्विस बैंक के धन का गुना अधिक संपत्ति का भंडार। वास्तव में राज्यों में जो हरी-भरी सरकारें हैं, उन्हें गिरा कर पतझड़ लाया जा रहा है। इसी से सिद्ध होता है कि सत्ता के बिना समय काटना कितना मुश्किल है। मतलब बीपी, शुगर टेबलेट की तरह आदि हो चुके लोगों के लिए सत्ता अधिकार भी अनिवार्य औषधि है। औषधि शब्द छोटा पड़ जाता है। वास्तव में पावर या सत्ता एक नशा है।

कौन हैं जटायुराज, क्या है कुबेरेश्वर की मान्यता?

पौराणिक कथाओं के क्षेत्र में, जटायुराज एक मनोरम व्यक्ति के रूप में उभरते हैं, जो रहस्य में डूबा हुआ है और कई लोगों द्वारा पूजनीय है। आइए इस पौराणिक चमत्कार की गहराई में उतरें और कुबेरेश्वर के आसपास की मान्यताओं को उजागर करें।

जटायुराज: पौराणिक संरक्षक

जटायुराज की कथा

जटायुराज, जिन्हें अक्सर पौराणिक संरक्षक के रूप में जाना जाता है, की जड़ें प्राचीन भारतीय पौराणिक कथाओं में पाई जाती हैं। महाकाव्य रामायण जटायु की कहानी को उजागर करता है, जो एक राजसी गरुड़ और भगवान राम का सहयोगी था। राक्षस राजा रावण के खिलाफ युद्ध में उनकी वीरता और बलिदान उन्हें अटूट निष्ठा और साहस का प्रतीक बनाता है।

हिंदू संस्कृति में प्रतीकवाद

जटायुराज हिंदू संस्कृति में निष्ठा और धार्मिकता का प्रतीक हैं। सीता को रावण से बचाने का उनका निस्वार्थ कार्य अच्छाई और बुराई के बीच शाश्वत युद्ध का प्रतीक है।

कुबेरेश्वर: विश्वास और पूजा का अनावरण

हिंदू पौराणिक कथाओं में कुबेरेश्वर

कुबेरेश्वर, धन और समृद्धि से जुड़ी एक दिव्य इकाई, हिंदू पौराणिक कथाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। देवताओं के कोषाध्यक्ष के रूप में जाने वाले कुबेर की पूजा वित्तीय प्रचुरता और भौतिक कल्याण के आशीर्वाद के लिए की जाती है।

कुबेरेश्वर के आसपास की मान्यताएँ

श्रद्धालु वित्तीय सफलता, धन संचय और समग्र समृद्धि के लिए कुबेरेश्वर का आशीर्वाद मांगते हैं। कुबेर को समर्पित अनुष्ठान और प्रार्थनाएँ इस विश्वास के साथ की जाती हैं कि उनकी कृपा वित्तीय बाधाओं को दूर कर सकती है और समृद्धि प्रदान कर सकती है।

कनेक्टिंग थ्रेड्सः जटायुराज और कुबेरेश्वर

प्रतीकात्मक एकता

कुछ परंपराओं में, जटायुराज को कुबेरेश्वर के संरक्षण में एक दिव्य प्राणी माना जाता है। इन पौराणिक आकृतियों का अंतर्संबंध साहस और धन के बीच सामंजस्य का प्रतीक है, जो जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण को दर्शाता है।

सांस्कृतिक उत्सव

कुछ त्योहार और अनुष्ठान जटायुराज और कुबेरेश्वर के अंतर्संबंध का जश्न मनाते हैं। भक्त उन समारोहों में भाग लेते हैं जो इन दोनों दिव्य संस्थाओं का सम्मान करते हैं, एक समृद्ध और धार्मिक जीवन के लिए उनका संयुक्त आशीर्वाद मांगते हैं।

आधुनिक समय में प्रतिध्वनि

समसामयिक अध्यात्म में प्रासंगिकता

जटायुराज और कुबेरेश्वर की कथाएँ आधुनिक अध्यात्म के गलियारों में गूंजती रहती हैं। उनकी कहानियाँ साहस, निष्ठा और समृद्धि की खोज जैसे गुणों की शाश्वत याद दिलाती हैं।

लोकप्रिय संस्कृति में समावेश

ये पौराणिक प्राणी कला और मनोरंजन के विभिन्न रूपों में अपना रास्ता खोजते हैं, सांस्कृतिक आख्यानों को आकार देते हैं और समकालीन विचारों को प्रभावित करते हैं।

गहरे अर्थ तलाशना

पौराणिक कथाओं में रूपक

जटायुराज और कुबेरेश्वर, अपनी शाब्दिक व्याख्याओं से परे, रूपक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। जटायुराज चुनौतियों का सामना करने की आंतरिक शक्ति का प्रतीक है, जबकि कुबेरेश्वर समृद्धि की सचेत खोज का प्रतिनिधित्व करता है।

महापुरूषों से जीवन के सबक

जटायुराज और कुबेरेश्वर की कहानियाँ मूल्यवान जीवन सबक प्रदान करती हैं, व्यक्तियों को साहस के साथ प्रतिकूलताओं का सामना करने, अटूट निष्ठा बनाए रखने और ईमानदारी के साथ समृद्धि हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

जीवन के पौराणिक इलाके में नेविगेट करना

जैसे ही हम जटायुराज और कुबेरेश्वर के पौराणिक इलाके को पार करते हैं, हमें प्रेरणा, मार्गदर्शन और प्राचीन ज्ञान के ताने-बाने में बुनी हुई मान्यताओं का ताना-बाना मिलता है। ये किंवदंतियाँ, युगों से गूंजती हुई, अपने जीवन की यात्रा में साहस, वफादारी और समृद्धि की तलाश करने वालों के लिए गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करती रहती हैं।

कई यज्ञों का पुण्य देने वाला पर्व आज

मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर तीर्थ स्नान और दान की परंपरा, इस दिन खत्म होता है अगहन महीना

26 दिसंबर को अगहन महीने का आखिरी दिन है। इस दिन पूर्णिमा तिथि रहेगी। इस पूर्णिमा पर स्नान, दान और भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है, इसलिए इसे महत्वपूर्ण और पुण्य फलदायी माना गया है। पुराणों में कहा गया है कि इस पूर्णिमा पर स्नान और दान करने से कई यज्ञ करने जितना पुण्य मिलता है।

अगहन महीने को पवित्र और श्रेष्ठ माना गया है। इस महीने में ही भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। इस कारण मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर स्नान-दान के साथ भगवान विष्णु की पूजा करने का भी विधान है।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा का महत्व

पूरे महीने पूजा-पाठ और व्रत करने वालों के लिए पूर्णिमा का दिन सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस दिन तीर्थ या किसी पवित्र नदी में स्नान कर के दान करने से पापों का नाश होता है। इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा और कथा करने से भी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर गीता पाठ करने का भी महत्व है। इस दिन गीता पाठ करने से पितरों को तृप्ति प्राप्त होती है।

तुलसी की मिट्टी से नहाने का विधान पुराणों के मुताबिक इस पूर्णिमा पर तुलसी के पौधे के जड़ की मिट्टी से पवित्र सरोवर में स्नान करने का विधान बताया गया है। ऐसा करने से भगवान विष्णु की कृपा मिलती है। नहाते वक्त ऊं नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करना चाहिए। साथ ही इस दिन व्रत और श्रद्धा के हिसाब से दान करने की भी परंपरा है। इससे जाने-अनजाने में हुए पाप और अन्य दोष खत्म हो जाते हैं

मार्गशीर्ष पूर्णिमा की पूजा विधि

1. इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर के पूरे घर में सफाई के बाद गौमूत्र छिड़के।

2. घर के बाहर रंगोली बनाएं और मुख्य द्वार पर बंदनवार लगाएं।

3. पूजा के स्थान पर गाय के गोबर से लीपें और गंगाजल छिड़कें।

4. तुलसी के पौधे में जल चढ़ाएं और प्रणाम कर के तुलसी पत्र तोड़ें।

5. ताजे कच्चे दूध में गंगाजल मिलाकर भगवान विष्णु-लक्ष्मी और श्रीकृष्ण एवं शालग्राम का अभिषेक करें।

6. अबीर, गुलाल, अक्षत, चंदन, फूल, यज्ञोपवित, मौली और अन्य सुगंधित पूजा साम्रगी के साथ भगवान की पूजा करें और तुलसी पत्र चढ़ाएं।

7. इसके बाद सत्यनारायण भगवान की कथा कर के नैवेद्य लगाएं और आरती के बाद प्रसाद बांटें।

कभी भी किसी पर कोई आरोप न लगाएं। जब हम दूसरों पर आरोप लगाते हैं तो हम पर भी आरोप जरूर लगेंगे।

बांध कर नहीं रखी जा सकती मुट्ठी

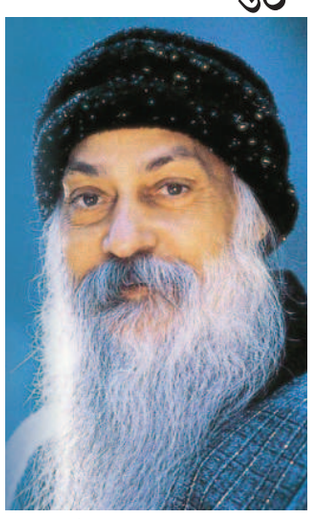

मुट्ठी बांधी जितनी जोर से, उतनी ही जल्दी मुट्ठी खुल जाएगी। मुट्ठी खुली रखी जा सकती है चैबीस घंटे, लेकिन बांध कर नहीं रखी जा सकती है। जिस काम में श्रम पड़ता है, उस काम को आप जीवन नहीं बना सकते, कभी सहज नहीं हो सकता वह काम। श्रम पड़ेगा, फिर विश्राम का वक्त आएगा ही।

इसलिए जितना सधा हुआ संत होता है उतना ही खतरनाक आदमी होता है; क्योंकि उसका विश्राम का वक्त आएगा, चैबीस घंटे में घंटे भर को उसे शिथिल होना पड़ेगा। उसी बीच दुनिया भर के पाप उसके भीतर खड़े हो जाएंगे। नरक सामने आ जाएगा।

तो उसने बिल्कुल ही अपने को सांस-सांस रोक लिया और कहा कि अब कसम खाता हूं कि इन कपड़ों की बात ही नहीं उठानी है। लेकिन आप सोच लें उसकी हालत! अगर आप थोड़े-बहुत भी धार्मिक आदमी होंगे, तो आपको अपने अनुभव से भी पता चल सकता है कि उसकी क्या हालत हुई होगी। अगर आपने कसम खाई हो, व्रत लिए हों, संकल्प साधे हों, तो आपको भलीभांति पता होगा कि भीतर क्या हालत हो जाती है।

भीतर गया। उसके माथे से पसीना चू रहा है। इतना श्रम पड़ रहा है। मित्र डरा हुआ है उसके पसीने को देख कर कि वह उसकी सब नसें खिंची हुई हैं। वह बोल रहा है एक-एक शब्द..कि मेरे मित्र हैं, बड़े पुराने दोस्त हैं, बहुत अच्छे आदमी हैं। और एक क्षण को वह रुका। जैसे भीतर से कोई जोर का धक्का आया हो और सब बह गया, बाढ़ आ गई और सब बह गया हो। और उसने कहा कि रह गई कपड़ों की बात, तो मैंने कसम खा ली है कि कपड़ों की बात ही नहीं करनी है।

यह जो इस आदमी के साथ हुआ, वह पूरी मनुष्य-जाति के साथ सेक्स के संबंध में हो गया है। सेक्स को आब्सेशन बना दिया, सेक्स को रोग बना दिया, घाव बना दिया और सब विषाक्त कर दिया। सब विषाक्त कर दिया। छोटे-छोटे बच्चों को समझाया जा रहा है कि सेक्स पाप है। लड़कियों को समझाया जा रहा है, लड़कों को समझाया जा रहा है कि सेक्स पाप है। फिर यह लड़की जवान होगी, यह लड़का जवान होगा; इनकी शादियां होंगी और सेक्स की दुनिया शुरू होगी। और इन दोनों के भीतर यह भाव है कि यह पाप है। और फिर कहा जाएगा स्त्री को कि पति को परमात्मा मान। जो पाप में ले जा रहा है उसको परमात्मा कैसे माना जा सकता है? यह कैसे संभव है कि जो पाप में घसीट रहा है वह परमात्मा हो? और उस लड़के को कहा जाएगा, उस युवक को कहा जाएगा कि तेरी पत्नी है, तेरी साथिनी है, तेरी संगी है। लेकिन जो नरक में ले जा रही है! शास्त्रों में लिखा है कि स्त्री नरक का द्वार है। यह नरक का द्वार संगी और साथिनी? यह मेरा आधा अंग..यह नरक की तरफ जाता हुआ आधा अंग मेरा यह..इसके साथ कौन सा सामंजस्य बन सकता है?

सारी दुनिया का दांपत्य जीवन नष्ट किया है इस शिक्षा ने। और जब दंपति का जीवन नष्ट हो जाए तो प्रेम की कोई संभावना नहीं रही। क्योंकि जब पति और पत्नी प्रेम न कर सकें एक-दूसरे को, जो कि अत्यंत सहज और नैसर्गिक प्रेम है, तो फिर कौन और किसको प्रेम कर सकेगा? इस प्रेम को बढ़ाया जा सकता है कि पत्नी और पति का प्रेम इतना विकसित हो, इतना उदात्त हो, इतना ऊंचा बने कि धीरे-धीरे बांध तोड़ दे और दूसरों तक फैल जाए। यह हो सकता है। लेकिन इसको समाप्त ही कर दिया जाए, तोड़ ही दिया जाए, विषाक्त कर दिया जाए, तो फैलेगा क्या? बढ़ेगा क्या? **(क्रमशः)**

प्रारब्ध का फल, आत्मदेव और गोकर्ण की कहानी

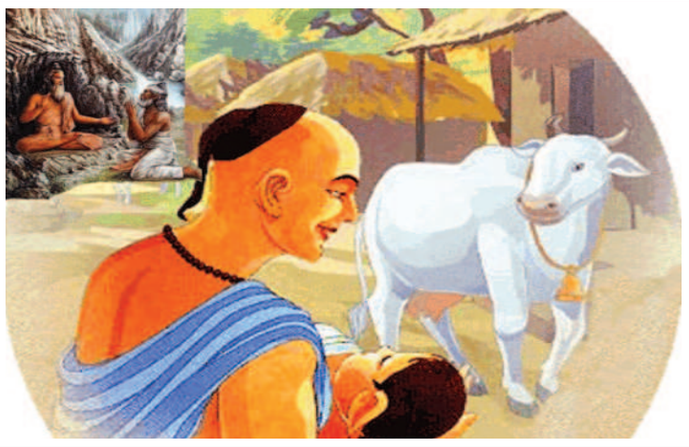

श्रीमद्भागवत कथा के प्रसिद्ध दृष्टांत अनुसार, आत्मदेव के प्रारब्ध में संतान सुख नहीं था, आत्मदेव ने सुना था कि धर्म मार्ग पर चलकर व्यक्ति अपने प्रारब्ध को भी ईश्वर कृपा से परिवर्तित कर सकता है। इसलिए आत्मदेव ने संतान की प्राप्ति के लिए तरह-तरह के पुण्य कार्य किए, दीन-दुखियों की सेवा की और अपनी सामर्थ्य अनुसार खूब दान-पुण्य किया पर कोई फल न हुआ। एक दिन चिंता से व्याकुल आत्मदेव वन में चले गए, जब आत्मदेव निराश होकर वन में भटक रहे थे, तो देवयोग से उन्हें एक तपस्वी सन्यासी महात्मा मिले।

आत्मदेव ने श्रद्धापूर्वक उनकी सेवा कर उन्हें अपना दुःख बताया कि वह अपने पूर्व जन्म के पापों के संचित दुखों से पीड़ित है, इसलिए प्राण त्यागने वन में आया है क्योंकि संतान के बिना उसे उसका जीवन सूना लगता है। आत्मदेव ने अपने दुखों का वर्णन विस्तार से महात्मा से किया।

महात्माजी ने अपनी योग विद्या के बल से उसकी ललाट की रेखा देखकर पूर्व जन्म के कर्म रहस्य को जान लिया और कहा,

'हे ब्राह्मण, पुत्र का मोह छोड़ दे, कर्म की गति बड़ी बलवती है, उसे कोई टाल नहीं सकता। विवेक का आश्रय लेकर संसार विषयों को त्याग दे। मैंने तुम्हारा प्रारब्ध देख लिया है, उसमें सात जन्मों तक पुत्र होने का योग नहीं है। संतान से तुम्हें सुख नहीं होगा, इसलिए पुत्र का आग्रह छोड़ दो।' लेकिन आत्मदेव न माने और महात्मा से कहा कि, 'मुझे पुत्र प्राप्ति का वर दें, अन्यथा मैं आपके चरणों में ही प्राण त्याग दूंगा।' जब महात्माजी ने देखा कि किसी भी प्रकार से वह पुत्र का मोह नहीं त्याग पा रहा है, तो उन्होंने अपने सारे पुण्यों को एकत्र कर एक फल के रूप में उसे दिया और कहा कि 'इसे अपनी पत्नी को खिला देना, इससे एक पुत्र अवश्य होगा।'

घर जाकर आत्मेदव ने वह फल अपनी पत्नी को दे दिया। कहते हैं, प्रारब्ध का फल प्रारब्ध के अनुसार ही गति बदलता है। आत्मदेव की पत्नी ने अपनी बहन के कहने पर वह फल स्वयं न खाकर गाय को खिला दिया। बाद में गाय को एक मनुष्याकार बच्चा हुआ, जिसके कान गौ के समान होने के कारण उसका नाम गोकर्ण रखा गया। समय आने पर बहन ने अपना बच्चा आत्मदेव की पत्नी को दे दिया जिसका नाम धुंधकारी पड़ा।

गोकर्ण आगे चलकर बड़े ज्ञानी पंडित हुए तथा धुंधकारी महाक्रूर प्रवृत्ति का दुराचारी निकला। आत्मदेव ने सब कुछ प्रयत्न किया लेकिन प्रारब्ध को कुछ और ही मंजूर था। धुंधकारी ने बड़े होकर सभी को घोर कष्ट दिया और आत्मदेव की सारी संपति भी नष्ट कर दी, जिस पर आत्मदेव एक बार फिर फूट-फूट कर रोने लगे और बोले,

'महात्मा सही बोले थे, कि मेरे प्रारब्ध में पुत्र का सुख है ही नहीं।'

इस पर परमज्ञानी गोकर्णजी ने आत्मेदव को वैराग्य का ज्ञान दिया। गोकर्ण की ज्ञान, भक्ति, वैराग्य की बातें सुनकर आत्मदेव का अशांत मन सुस्थिर हो धर्म के मार्ग पर चलकर मोक्ष प्राप्ति की ओर अग्रसर हो गया। मनुष्य अपने प्रारब्ध के बारे में ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से जान सकता है, संचित कर्म, क्रियमाण कर्म और प्रारब्ध कर्म की जन्म- जन्मान्तरों की गाथा ग्रह-नक्षत्रों के माध्यम से जन्मकुण्डली में अंकित रहती है।

सिर व हृदय पर छिपकली गिरने से बढ़ता है धन

भारत की प्राचीन विद्याओं के अनेक संग्रह मिलते हैं, जिन्हें शास्त्र की संज्ञा दी गई है। ज्योतिष शास्त्र, सामुद्रिक शास्त्र आदि बहुआयामी ज्ञान हैं, जिनके माध्यम से भविष्य के बारे में जाना जा सकता है। भविष्य केवल हस्तरेखा और जन्मकुंडली के ग्रह-नक्षत्रों के माध्यम से ही नहीं बल्कि प्राकृति घटनाएं भी भविष्य में होने वाली घटनाओं का शुभाशुभ संकेत देती हैं।

प्रकृति अपना संकेत शकुन के माध्यम से देती है। मनुष्य के साथ जब कभी शुभ या अशुभ घटना घटित होने वाली होती है तो प्रकृति शकुन के माध्यम से आगामी घटना का संकेत देती है, बस शकुनों के अर्थों को समझने वाला व्यक्ति चाहिए। छिपकली का शरीर पर गिरने का शुभाशुभ फल भी शकुन शास्त्र के अन्तर्गत आता है। पुरातन ग्रंथों के अनसुार, छिपकली गिरने का फल पुरूष के दाएं अंग पर तथा स्त्री के बाएं अंग पर विशेष प्रभाव छोड़ता है। जो फल छिपकली के गिरने का होता है, वही फल विभिन्न शारीरिक अंगों पर गिरगिट के चढ़ने का होता है।

छिपकली यदि शरीर की दाहिनी तरफ से चढ़कर बाईं तरफ से उतर जाओ तो दोष नहीं माना जाता। सोमवार, बुधवार, गुरूवार एवं शुक्रवार को, प्रतिपदा, द्वितीया, पंचमी, षष्ठी, दशमी, एकादशी तथा द्वादशी तिथियों में, पुष्य, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, उत्तराफाल्गुनी, पुनर्वसु, हस्त, स्वाति, अनुराधा, धनिष्ठा, शतभिषा और रेवती नक्षत्रों में पुरूषों के दाहिने अंग तथा स्त्रियों के बाएं अंग पर छिपकली का गिरना शुभप्रद होता है।

जन्म-नक्षत्र, व्यतीपात, वैधृति योग, मृत्यु योग, दग्ध योग तथा भद्रा में, पापग्रह युक्त लग्न हो तथा चंद्रमा आठवें हों तो छिपकली का गिरना अशुभ फलदायक होता है। बहुत से घरों में छिपकलियां स्थाई तौर पर रहती हुई देखी जाती हैं, प्रायः हर दिन छिपकली के दर्शन हो ही जाते हैं, लेकिन धनतेरस के दिन छिपकली का दिखाई देना अतिशुभ शकुन माना जाता है। भाग्यशाली लोगों को ही बड़ी मुश्किल से उस दिन छिपकली के दर्शन हो पाते हैं। यदि दर्शन हो जाएं तो पूरे वर्ष महालक्ष्मी की कृपा बनी रहती है जिससे पूरा वर्ष शुभ रहता है। शरीर के जिस भाग पर छिपकली गिरे उसका फल इस प्रकार समझना चाहिए। छिपकली यदि

अरिष्ट शांति हेतु उपाय

शरीर पर छिपकली गिरते समय जो भी वस्त्र पहने हों, उन्हें पहने हुए ही स्नान करना चाहिए। स्नान के पश्चात किसी भी शिव मंदिर में भगवान शिव के सामने देशी घी का दीपक जलाएं, ऊँ नमः शिवाय अथवा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें, अपनी सामर्थ्य अनुसार स्वर्ण, तिल और उड़द का दान करें जिससे अनिष्ट फल शांत होंगे।

सिर पर गिरे तो - लाभ
पीठ पर गिरे तो - बुद्धि नाश
नाभि पर - धन लाभ
कण्ठ पर - शत्रु नाश
नेत्रों पर - बंधन
पेट पर - आभूषण लाभ
कंधे पर - विजय
तलवों पर - जीवनसाथी को कष्ट
दोनों हाथों पर - वस्त्र लाभ
हृदय पर - धन-लाभ
ललाट पर - बन्धु दर्शन
दाहिने कान पर - आयु वृद्धि
बांये कान पर - लाभ
कमर पर - थोड़ा लाभ
दाहिने पैर पर - यात्रा
बांये पैर पर - बन्धुनाश
नाक पर - रोग
गर्दन पर - शास्त्र लाभ
केशों पर - अरिष्ट भय
पावों की उंगलियों पर - यात्रा
जांघ पर - शुभदायकं

झाड़ू का आदर करने से नौकरी व व्यापार में नहीं होता है नुकसान

- **जब घर में झाड़ू का प्रयोग न हो, तब उसे नजरों के सामने से हटाकर रखना चाहिए।**
- **झाड़ू को कभी भी खड़ा नहीं रखना चाहिए।**
- **ध्यान रहे झाड़ू पर जाने-अनजाने पैर नहीं लगने चाहिए।**
- **झाड़ू हमेशा साफ रखें।**
- **ज्यादा पुरानी झाड़ू को घर में न रखें।**
- **झाड़ू को कभी जलाना नहीं चाहिए।**
- **अगर पुरानी झाड़ू बदलनी हो तो शनिवार को पुरानी झाड़ू बदलना शुभ माना जाता है।**
- **शनिवार के दिन घर में विशेष साफ-सफाई करनी चाहिए।**

गरीबी दूर करती है झाड़ू और बढ़ाती है धन-दौलत

घर की गंदगी साफ करने के लिए झाड़ू का उपयोग किया जाता है। झाड़ू धन का प्रतीक है, अतः इसे छुपाकर रखना चाहिए। इसलिए अपने घर की झाड़ू को किसी दूसरे व्यक्ति के प्रयोग के लिए नहीं दी जाती है। मान्यताओं के अनुसार यदि अनजाने में ही घर की झाड़ू दूसरे घर में पहुंच जाए तो घर की बरकत खत्म होने लगती है। झाड़ू को किसी भारी वस्तु से दबाकर भी नहीं रखना चाहिए यदि घर में झाड़ू भूलवश किसी भारी वस्तु के नीचे दब जाए तो उस घर में आर्थिक परेशानियां उत्पन्न होने लगती हैं।

अरबाज खान ने शादी के बाद शूरा खान संग शेयर की पहली तस्वीर, मिनटों में हुई वायरल

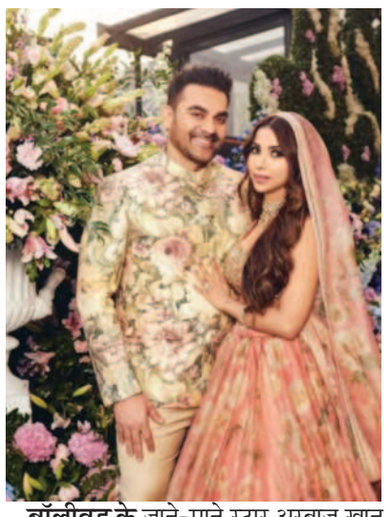

बॉलीवुड के जाने-माने स्टार अरबाज खान ने 24 दिसंबर को शूरा खान संग शादी कर सबको हैरान कर दिया। शूरा खान और अरबाज खान की शादी में बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स पहुंचे थे। शूरा खान और अरबाज खान की शादी की तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं।

इसी बीच लेकिन लोगों को कपल की तस्वीर का इंतजार था, जो अब खत्म हो गया है। अरबाज खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से शूरा खान संग शादी के बाद पहली तस्वीर शेयर की है। अरबाज खान और शूरा खान की इस तस्वीर को देखने फैंस खुशी से झूम उठे। इस तस्वीर में शूरा खान और अरबाज खान बेहद प्यारे लग रहे हैं।

अरबाज खान ने शादी के बाद शेयर की पहली तस्वीर

मलाइका अरोड़ा से तलाक लेने के कई साल बाद अरबाज खान ने गर्लफ्रेंड शूरा खान संग शादी कर ली। ये अरबाज खान की दूसरी शादी। अरबाज खान की शादी के फंक्शन में परिवार के लोगों के साथ-साथ कुछ खास लोग नजर आए थे।

अब शादी के बाद अरबाज खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से शूरा खान संग अपनी पहली तस्वीर शेयर की है। शूरा खान और अरबाज खान की ये तस्वीर आते ही सोशल मीडिया पर छा गई। शूरा खान और अरबाज खान शादी की ड्रेस में बेहद प्यारे लग रहे हैं। शूरा खान और अरबाज खान की इस वेडिंग फोटो को उनके फैंस जमकर शेयर कर रहे हैं।

अरबाज खान-शूरा खान की शादी के बाद वायरल हुआ मलाइका अरोड़ा का वीडियो, लोगों ने कहा- 'क्रिसमस सौतन देकर गया'

अरबाज खान की शादी के बाद स्पॉट हुईं मलाइका

अरबाज खान और शूरा खान की शादी को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। अरबाज खान और शूरा खान की शादी के बाद मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में मलाइका अरोड़ा क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए जाती हुई नजर आ रही हैं। मलाइका अरोड़ा के साथ इस दौरान उनके परिवार के लोग भी दिखाई दिए। मलाइका अरोड़ा का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। मलाइका अरोड़ा के इस वीडियो के इस वीडियो पर यूजर्स तरह-तरह के कमेंट करते हुए नजर आए।

अरबाज खान की शादी में शामिल न होने पर किए सवाल

मलाइका अरोड़ा के इस वीडियो पर यूजर्स अरबाज खान और शूरा खान की शादी में शामिल न होने पर सवाल करते हुए नजर आए। आपको बता दें कि मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान इस शादी में नजर आए थे। तो वहीं कुछ यूजर्स ने शूरा खान और मलाइका अरोड़ा के लुक्स की भी तुलना की। तो वहीं एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा कि 'क्रिसमस सौतन देकर चला गया'। इसके अलावा कई यूजर्स को मलाइका अरोड़ा इस वीडियो में उदास नजर आईं। मलाइका अरोड़ा के इस वीडियो को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

अलीजेह खुद को टिपिकल स्टार किड नहीं मानती हैं

कहा- लगता नहीं कि इंडस्ट्री मुझमें बड़े स्टार्स के बच्चों की तरह दिलचस्पी लेती है

एक्टर सलमान खान के परिवार से उनकी भांजी अलीजेह अग्निहोत्री ने हाल ही में फिल्म 'फर्रे' से अपना डेब्यू किया था। इस फिल्म को उनके पिता और निर्माता अतुल अग्निहोत्री ने प्रोड्यूस किया। 'जामतारा' फेम सौमेंद्र पाधी 'फर्रे' के डायरेक्टर थे। अब ट्रेड के हवाले से खबर आ रही है कि अतुल अग्निहोत्री अपनी बिटिया को लेकर एक और फिल्म प्लान कर रहे हैं। ट्रेड पंडितों के मुताबिक अतुल अग्निहोत्री ने दरअसल अपने बैनर से दो फिल्में अपनी बिटिया को लेकर प्लान की थीं। एक सौमेंद्र पाधी की 'फर्रे' थी और दूसरी वो बनाने वाले हैं। संयोग से 'फर्रे' पहले बन गई। दूसरी फिल्म की डायरेक्टर मेघना गुलजार हो सकती हैं।

फिल्म इंडिया की एक मशहूर ऐथलीट की बायोपिक होगी। हालांकि इस वक्त उस प्रोजेक्ट के बारे में कुछ बताया नहीं जा रहा है। बायोपिक किस ऐथलीट पर आधारित होगी? फिल्म में बाकी स्टार कास्ट कौन होंगे? इन सब विषयों पर अनाउंसमेंट जल्द ही होगी। फिलहाल फर्रे पर फ्रेंचाइजी बनाने की निर्माताओं की कोई प्लानिंग नहीं है। कहानी पहले ही पार्ट में कंप्लीट कर दी गई थी। जो ऐथलीट की बायोपिक होगी, उसे भी 'फर्रे' की तरह सलमान खान फिल्म्स को-प्रोड्यूस करेगी।

'फर्रे' को विजुअली बेहतर बनाने में अतुल अग्निहोत्री ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी

ट्रेड सूत्र और भी दिलचस्प जानकारी देते हैं। उन सूत्रों के मुताबिक अलीजेह की पहली फिल्म में भले नए कलाकार थे, पर क्रू मेंबर्स अनुभवी थे। मिसाल के तौर पर इसकी सिनेमैटोग्राफी जापानी मूल की मशहूर सिनेमैटोग्राफर केइको नाकाहारा से करवाई गई थी। केइको ने अजय देवगन की हिस्टॉरिकल वॉर फिल्म 'तान्हाजी' शूट की थी। 'फर्रे' को विजुअली बेहतर बनाने में अतुल अग्निहोत्री की ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी गई। इसकी शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में की गई। एमके रैना के साथ कलाकारों का वर्कशॉप भी महीनों तक करवाया गया। फिल्म बनने में 15 करोड़ से लेकर 20 करोड़ तक खर्च हुए।

मुझे इतने पाजिटिव रिस्पॉन्स की उम्मीद नहीं थी। हमें इस फिल्म पर बहुत गर्व है और हम काफी खुश हैं। मैंने शो, फिल्मों और विज्ञापनों के लिए ऑडिशन दिए हैं। ये जानने के लिए कि क्या मैं इस भूमिका के लिए सही हूं कि नहीं। मेरे ख्याल से हर अभिनेता को निर्देशक के साथ ऑडिशन या रीडिंग करनी पड़ती है। मैंने भी की। इस फिल्म के बाद मुझे बहुत प्यार मिला है और मैं बेहद आभारी हूं। मेरे नानाजी ने मुझे काफी टिप्स दिए। भले ही मैं इस इंडस्ट्री में अभी नई हूं, मगर मुझे लगता है कि मेरे पास उस शख्स की दी हुई सलाह हैं, जिन्हें इस इंडस्ट्री का 50 सालों का अनुभव है।

मोनालिसा को रेड साड़ी में देख फैंस के दिल में बजी घंटियां, भोजपुरी एक्ट्रेस की तस्वीरें हुईं वायरल

भोजपुरी से लेकर टीवी इंडस्ट्री तक में अपनी अलग पहचाने वाली अदाकारा मोनालिसा आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। खूबसूरती और बोल्डनेस के मामले में भोजपुरी की मोनालिसा, बॉलीवुड की तमाम एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं। कई भोजपुरी फिल्मों में धमाल मचा चुकीं मोनालिसा के हुस्न पर सभी लोग फिदा हैं। उनकी तस्वीरें इंटरनेट की दुनिया में आते ही छा जाती हैं। इस बीच एक्ट्रेस मोनालिसा की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें एक्ट्रेस ने अपना देसी अवतार दिखाया है।

मोनालिसा ने बिखेरा हुस्न का जलवा

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो बला की खूबसूरत लग रही हैं। सामने आई इन फोटोज में मोनालिसा रेड साड़ी में अपना हुस्न दिखाती नजर आ रही हैं। मोनालिसा ने एक बार फिर से ये साबित कर दिया है कि देसी आउटफिट में उन्होंने ज्यादा हसीन कोई नहीं लगता है। मोनालिसा का लेटेस्ट लुक देख फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं। भोजपुरी अदाकार मोनालिसा की फोटोज पर लोग दिल खोलकर प्यार बरसा रहे हैं।

मोनालिसा की हर एक अदा पर फिदा हैं फैंस

मालूम हो कि भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा अक्सर अपने फैंस को विजुअल ट्रीट देती रहती हैं। अदाकारा आए दिन अपने चाहने वालों के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। मोनालिसा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने भोजपुरी से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस इंडस्ट्री ने मोनालिसा को बहुत कुछ दिया है। इसके बाद मोनालिसा ने रियलिटी शो बिग बॉस में अपनी किस्मत आजमाई है। बताते चलें कि भोजपुरी की क्वीन अब टीवी इंडस्ट्री में धमाल मचा रही हैं। एक्ट्रेस ने अबतक कई टीवी शोज में अपना जलवा बिखेरा है।

शोभिता की कमर पर हाथ रखने पर ट्रोल हुऐ थे अनिल कपूर, लोगों ने कहा था 'क्रीपी'

बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर अनिल कपूर अपना 67वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। अनिल कपूर को इस मौके पर स्टार्स से लेकर फैंस तक बधाई देते नजर आए। किसी ने अनिल कपूर संग अपनी तस्वीर शेयर की, तो एक्टर की पुरानी वीडियो शेयर कर विश करता नजर आया है। आज अनिल कपूर के जन्मदिन के मौके पर हम आपके अनिल कपूर के उस वीडियो के बारे में बताने वाले हैं, जिसके चलते अनिल कपूर काफी ट्रोल हुऐ थे। इस वीडियो में अनिल कपूर शोभिता धूलिपाला के साथ नजर आए थे। तो चलिए जानते है अनिल कपूर को किस वजह से उन्हें ट्रोल किया गया था।

अनिल कपूर बॉलीवुड के उन स्टार्स में एक है, जो अपनी फिटनेस को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। लेकिन अनिल कपूर को उनके एक वीडियो के लिए काफी ट्रोल किया गया था। अनिल कपूर का ये वीडियो वेब सीरीज 'द नाइट मैनेजर 2' के प्रमोशन दौरान का है। इस वीडियो में अनिल कपूर में सीरीज की लीड एक्ट्रेस शोभिता धूलिपाला संग नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में अनिल कपूर ने एक्ट्रेस शोभिता धूलिपाला की कमर पर हाथ रख दिया था। इसको लेकर लोगों ने एक्ट्रेस की क्लास लगा दी थी। लोगों के अनुसार शोभिता धूलिपाला अनिल कपूर के ऐसा करने से अनकंफर्टेबल हो गई थी। इस वीडियो के सामने आने के बाद ट्रोल्स और अनिल कपूर के फैंस आमने-सामने हो गए थे। अनिल कपूर के इस वीडियो को लेकर उस दौरान काफी चर्चा भी हुई थी। लेकिन स्टार्स ने इसको लेकर अपना कोई रिएक्शन नहीं दिया था।

हिना खान के इस बयान से कृति खरबंदा का हुआ था पारा हाई, टीवी क्वीन को दे डाली थी 2 थप्पड़ मारने की धमकी

हिना खान टीवी की क्वीन हैं, जिन्होंने सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है से टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा। हिना अपने पहले ही सीरियल में फैंस के दिलों में छा गईं। एक्ट्रेस का अक्षरा वाला किरदार आज भी सीरियल के फैंस भूल नहीं पाए हैं। हिना खान इस सीरियल के बाद रियलिटी 'बिग बॉस' का हिस्सा बनीं, जहां उन्होंने अपने गेम से फैंस को दीवाना बना दिया। इस शो में हिना कई बार कुछ ऐसा करती हुई दिखीं, जिस वजह से वह ट्रोलर्स के निशाने पर आई थीं। बिग बॉस के घर में ही हिना खान ने ही कुछ ऐसा कह दिया था, जिस वजह से कृति खरबंदा का पारा हाई हो गया था। एक्ट्रेस ने तो टीवी क्वीन को थप्पड़ मारने तक की बात कह दी थी। दरअसल, बिग बॉस 11 में हिना खान को काफी पसंद किया गया। इस शो में हिना ने खुलासा किया था कि उन्हें साउथ फिल्मों के ऑफर मिले थे, लेकिन उन्होंने ठुकरा दिया। हिना खान ने दावा किया कि साउथ में हैवी वेट वाली एक्ट्रेस चाहिए होती थी और वो ऐसा नहीं करना चाहतीं। हिना खान के इस बयान ने बवाल मचा दिया था। कई साउथ एक्ट्रेसेस ने हिना खान को करारा जवाब दिया था। कृति खरबंदा ने तो गुस्सा में आकर उन्हें थप्पड़ मारने की बात तक कह दी। कृति खरबंदा हिंदी और साउथ दोनों फिल्में की है। उन्होंने हिना खान के बयान पर कहा था, 'मेरे मन में हिना के लिए काफी सम्मान था। वह आज के समय में टीवी का बड़ा नाम है। आप इस तरह की बातें कर रही हैं। मैंने भी कई साउथ फिल्में की हैं। एक कलाकार होकर ऐसी बातें करना गलत है।' टीवी न्यूज और सीरियल के ऐसे ही अपडेट पाने के लिए बॉलीवुड लाइफ के साथ बने रहे।

विदेश जाने के लिए रिया चक्रवर्ती ने कोर्ट से बोला झूठ? सीबीआई ने बताया- 'कियारा आडवाणी है नया चेहरा'

बॉलीवुड फिल्म स्टार रिया चक्रवर्ती एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। अदाकारा ने हाल ही में सीबीआई की ओर से जारी लुकआउट नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में आरोपी अदाकारा रिया चक्रवर्ती ने सीबीआई के लुकआउट नोटिस के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। साथ ही उन्होंने हाईकोर्ट से इस लुकआउट नोटिस को रद्द करने की भी अपील की। अदाकारा ने न्यायालय को ये भी बताया था कि उन्हें 27 दिसंबर से लेकर 2 जनवरी तक अपने एक ब्रांड के लिए दुबई में रखे गए आयोजन में हिस्सा लेने के लिए जाना है। उन्होंने बताया कि वो जिस ब्रांड की एंबेसडर हैं। उसके एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए उन्हें दुबई में जाना है। ऐसे में ये नोटिस रद्द किया जाए।

लेकिन सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती की इस याचिका का कोर्ट में खंडन किया है। इतना ही नहीं, एंटरटेनमेंट न्यूज में सामने आईं रिपोर्ट्स के मुताबिक सीबीआई ने साथ ही कोर्ट से कहा कि अदाकारा रिया चक्रवर्ती जिस ब्रांड के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए दुबई जाना चाहती हैं वो अब ब्रांड से जुड़ी हुई नहीं हैं। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि पेट फूड के इस ब्रांड के लिए रिया चक्रवर्ती नहीं बल्कि अदाकारा कियारा आडवाणी अब नया चेहरा हैं। सीबीआई के मुताबिक अब इस ब्रांड से अदाकारा रिया चक्रवर्ती नहीं जुड़ी हुई हैं। ऐसे में उनके विदेश जाने की याचिका रद्द की जाए। साथ ही सीबीआई ने इस मामले की जांच के लिए कोर्ट से अतिरिक्त वक्त मांगा है।

हाई कोर्ट ने नहीं मानी रिया चक्रवर्ती के वकीलों की दलील

इस मामले की अगली अगली सुनाई 22 दिसंबर के दिन थी। हालांकि कोर्ट ने साफ किया था कि वो इस मामले में किसी भी तरह की जल्दबाजी में नहीं हैं। साथ ही कोर्ट ने सीबीआई को अदाकारा रिया चक्रवर्ती के दावों की जांच के लिए और वक्त की मांग को मान लिया है। अदालत ने कहा कि अगर इस मामले में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को जरूरत होती है तो वो कोर्ट की हॉलीडे बेंच से संपर्क भी कर सकती हैं।

एक्ट्रेस डेजी शाह ने खोला अपने फिटनेस का राज

'स्टार टॉक्स' में आपका स्वागत है। आज हम आपको उस एक्ट्रेस के बारे में बताने वाले हैं जो फिटनेस की 'रेस' में कई स्टार्स से आगे हैं। हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस डेजी शाह की, जो बॉलीवुड में सलमान जैसे स्टार्स के साथ काम करने के बाद अब डिजिटल की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। डेजी के जिम सेशन के दौरान ही हमने उनसे जाना कि खुद को फिट रखने के लिए वो कितना वक्त निकालती है। वैसे, आप तो जानते ही हैं की बॉलीवुड में ऐसे बहुत से कलाकार हैं जिन्हें भाईजान यानी सलमान खान ने फिल्मों में मौका दिया। डेजी शाह भी इन्हीं में से एक हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, डेजी के फिट बॉडी के पीछे भी सलमान खान का हाथ है?

जी हां, सलमान के पर्सनल ट्रेनर राकेश उड्डियार पिछले 9 सालों से फिटनेस के मामले में डेज़ी का मार्गदर्शन कर रहे हैं। इतना ही नहीं, सलमान खान भी अपनी 'जय हो' की एक्ट्रेस के वर्कआउट रुटीन पर कभी-कभार नजर रखते हैं। डेजी कहती हैं, पर्सनली, मुझे लोअर बॉडी ट्रेनिंग करने में ज्यादा मजा आता है। साथ ही, ट्रेडमिल पर दौड़ने से स्पीड बढ़ती है।

यह एरोबिक एक्सरसाइज और बाकी एक्सरसाइज के मुकाबले तेजी से कैलोरी बर्न में मदद करता है। जिम में कार्डियो, लोअर बॉडी और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज का मिक्स वर्कआउट प्रैक्टिस करती हूं।

15 साल से फिटनेस का ख्याल रखती आ रही हूं

डेजी कहती हैं, मैं पिछले 15 साल से अपनी फिटनेस का ख्याल रखती आ रही हूं। मैं मिक्स्ड वर्कआउट करना पसंद करती हूं - कभी पिलेट्स तो कभी कार्डियो, कभी (इलेक्ट्रिकल मसल स्टिमुलेशन) तो कभी डांस। इसकी वजह यही हैं की मैं बोर ना हो जाऊं। मैं अपनी बॉडी पर बहुत मेहनत करती हूं। खुद को फिट रखना अब मेरी आदत बन गई है।

एक दिन में मैं मुंबई के तीन जगह पर डांस सिखाने जाती थी

डेजी ने बताया, किक वह एक दिन में मुंबई के तीन अलग-अलग जगह पर डांस सिखाने जाती थी। उस वक्त मुझे आराम करने का बिलकुल मौका नहीं मिलता था। एक लोकेशन से दूसरा लोकेशन के बीच जो समय मिलता था, उतना ही आराम करती। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो एहसास होता हैं की इस डांस बैकग्राउंड ने मेरी फिटनेस पर कितना असर किया हैं।

वैसे, शुरू से मैं डांस में बहुत एक्टिव रही हूं हालांकि उस वक्त मैंने कभी उसे अपनी फिटनेस के नजर से नहीं देखा था। थैंकफुली, मैं आगे चलकर ऐसे फील्ड से जुडी जहा मुझे फिजिकली फिट दिखना बहुत जरूरी था। अब मेरे लिए डांसिंग से बेहतर कोई एक्सरसाइज नहीं है। ये मेरा फिटनेस मंत्र बन गया हैं।

जितनी आपकी बॉडी इजाजत दे उतना ही वर्कआउट करें

मुझे याद है, जब पहली बार मैंने जिम ज्वाइन किया था, तब एक सीख मिली कि जितनी आपकी बॉडी इजाजत दे, उतना ही वर्कआउट करें। नहीं तो आप अपने आने वाले कुछ दिन खराब कर लेंगे। मेरे साथ में भी ऐसा हुआ हैं की कई बार जिम के फीस पूरे साल की भर दी लेकिन मैं नहीं जा पाती।

मेरा मानना है कि फिट रहने के कई तरीके होते हैं जैसे की आप डांस कर लो, अपने लिए कुछ वक्त निकालकर वॉक पर निकल जाओ, बेसिक एक्सरसाइज कर लो। कुछ भी एक्टिविटी करो, बस इस बात का ध्यान रखो कि आपको अपनी बॉडी को फिजिकली एक्टिव रखना हैं। कोशिश करें कि आप कैसे भी हर दिन खुद के लिए 30-40 मिनट निकालें।

सलमान ने बदली फिटनेस का डेफिनिशन

सलमान खान मेरे मेंटर हैं। वो हमेशा मेरे लिए मौजूद रहते हैं। खुद को लकी मानती हूं कि मेरे लाइफ में सलमान खान हैं, जिन्होंने मुझे रास्ता दिखाया है। सिर्फ करियर में ही नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ में भी। जब से वो मेरी जिंदगी में आ ए हैं, फिटनेस का डेफिनिशन बिलकुल बदल गया हैं। उन्होंने मुझे फिटनेस की अहमियत बताई। मेरे ट्रेनर, राकेश भी सलमान खान की ही देन हैं। उनकी कहीं हुई एक बात मुझे हमेशा याद रहेगी- डेजी जिस दिन तुम खुद पर काम करना शुरू कर दोगी, दुनिया खुद आपको देखना शुरू कर देगी।

इन गलतियों से सीख लेकर साल 2024 को बनाएं सेहतमंद

साल 2023 में अब बस कुछ ही दिन शेष रह गए हैं, जल्द ही हम नए साल में कदम रखने जा रहे हैं। ऐसे में इस साल की घटनाओं पर एक नजर डालें तो पता चलता है कि पूरा साल हमारी सेहत के नजरिए से काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। हृदय रोगों से मौत का खतरा हो या साल के मध्य में डेंगू-मलेरिया के बढ़े हुए मामले, अक्तूबर-नवंबर में चीन में फैले निमोनिया को लेकर डर से लेकर साल के अंत में कोरोना के फिर से बढ़े केस, इस पूरे साल ने हर बार हमारी सेहत की परीक्षा ली है। साल 2023 चैलेंजिंग

जरूर रहा है लेकिन इसने हमें अपने स्वास्थ्य के बारे में कुछ मूल्यवान सबक भी सिखाए हैं। ये आने वाले वर्षों में सेहत को ठीक रखने में हमारे लिए मददगार साबित हो सकते हैं। इस साल जो गलतियां हमने की है, उनसे सीख लेते हुए आने वाले वर्षों में शरीर को स्वस्थ और फिट रखा जा सकता है।

व्यायाम-स्वस्थ जीवन का मूल मंत्र

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ हमें अपनी दिनचर्या और जीवनशैली में स्वस्थ बदलाव की सलाह देते हैं। योग-व्यायाम इसकी पहली कड़ी हैं। साल 2023 में कोरोना से हटी पाबंदियों के बाद लोगों ने अपनी दिनचर्या में जिम-व्यायाम पर ध्यान दिया। ये आदत शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए बहुत आवश्यक है। नियमित व्यायाम हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने और क्रोनिक बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद करता है। इससे हमारा मूड भी बेहतर होता है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहना हमारे समग्र स्वास्थ्य के लिए

महत्वपूर्ण है।

साल 2024 में भी बेहतर सेहत के लिए व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा जरूर बनाएं।

आहार से शरीर रहता है स्वस्थ

कोरोना महामारी, डेंग के बढ़ते मामलों ने हमारी इम्युनिटी सिस्टम की जम के परीक्षा ली। इसने हमें संतुलित आहार का महत्व भी सिखाया। कोरोना के दौरान घर पर अधिक समय बिताने के कारण, घर पर बने भोजन की लोगों को आदत हुई और फास्ट फूड्स का सेवन कम हुआ।

इसे हमें आने वाले वर्षों में भी जारी रखना होगा। स्वस्थ और पौष्टिक आहार, शरीर को ताकत देने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, भोजन की थाली में रंग-बिरंगी सब्जियों-फलों को भरपूर मात्रा में शामिल करके सेहत के ठीक रखा जा सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियां

कोरोना महामारी के बाद से मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं में भारी उछाल देखा जा रहा है। कम उम्र के लोग भी स्ट्रेस-एंग्जाइटी और डिप्रेशन के शिकार पाए जा रहे हैं। ये संपूर्ण सेहत के लिए काफी चुनौतीपूर्ण स्थिति हो सकती है। मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों ने हमें अपने लोगों की पहचान कराई, रिश्तों में मजबूती भी आई। हालांकि चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई हैं। साल 2024 में भी मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने पर ध्यान देने की जरूरत है। अच्छे दोस्त बनाएं, दिनचर्या को ठीक रखें और व्यवहार में विनम्रता लाएं, ये आपके मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए जरूरी है।

शराब और धूम्रपान को कहें न

साल 2023 में हृदय रोग और इससे संबंधित समस्याओं ने सबसे ज्यादा परेशान किया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि लाइफस्टाइल की गड़बड़ी के अलावा जिन कारणों से ये दिक्कतें सबसे ज्यादा बढ़ीं उनमें शराब और धूम्रपान प्रमुख कारक थे।

ये दो आदतें सिर्फ हृदय ही नहीं, संपूर्ण स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाली हो सकती हैं। साल 2024 में इनसे बिल्कुल दूरी बनाकर रखने की प्रण लें।

अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि शराब और धूम्रपान को बिल्कुल छोड़ दें तो करीब 40 फीसदी बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है

ब्लड प्रेशर से लेकर डायबिटीज रोगियों तक बढ़ती ठंडक पैदा कर सकती है गंभीर समस्याएं

दिसंबर-जनवरी का महीना कड़ाके की सर्दी और घने कुहरे वाला होता है, पर इस बार अब तक अपेक्षाकृत ठंड कम है। हालांकि पूर्वानुमानों के मुताबिक आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट आ सकती है। सर्दियों का मौसम खान-पान और तमाम प्रकार के व्यंजनों के शौकीन लोगों के लिए काफी आनंददायक होता है, पर तापमान में गिरावट कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली भी हो सकती है।

हृदय रोगों से लेकर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, पाचन की समस्याओं और मानसिक स्वास्थ्य विकार वाले लोगों के लिए सर्दियों का मौसम काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लिहाजा ऐसे लोगों को सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती

है।

ठंड के महीनों में सर्दी, फ्लू और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियां होना अधिक आम है। इसके अलावा इन दिनों में ब्लड प्रेशर की समस्या भी ज्यादा हो सकती है। आइए जानते हैं कि यह मौसम आपकी सेहत को किस प्रकार से प्रभावित करने वाला होता है? और बचाव के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए?

सर्दी-जुकाम और फ्लू की समस्या

तापमान में गिरावट के साथ सर्दी-जुकाम की समस्या होना काफी सामान्य है। ये अलग-अलग वायरस के कारण हो सकती है, राइनोवायरस सर्दी का सबसे आम कारण है। सर्दी के मौसम में सूर्य की रोशनी से मिलने वाले विटामिन डी का अवशोषण भी कम हो जाता है, इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है। ये आपको इन बीमारियों के प्रति और भी संवेदनशील बना देती है। इन समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी है कि आप ठंड से बचने के लिए पर्याप्त उपाय करें।

बढ़ सकता है ब्लड प्रेशर

सर्दी के दिनों में रक्तचाप बढ़ने की समस्या भी अधिक देखी जाती रही है, आमतौर पर सर्दियों में ब्लड प्रेशर अधिक और गर्मियों में लो होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कम तापमान के कारण रक्त वाहिकाएं अस्थायी रूप से संकीर्ण हो जाती हैं, इससे रक्तचाप बढ़ जाता है। संकुचित नसों और धमनियों के माध्यम से रक्त को प्रवाहित करने के लिए अधिक दबाव की आवश्यकता होती है, इसका हृदय की सेहत पर भी असर पड़ सकता है। यही कारण है कि इस मौसम में हार्ट

अटैक के मामले भी अधिक रिपोर्ट किए जाते हैं।

डायबिटीज रोगियों की बढ़ सकती हैं समस्या

सर्दियों का मौसम सिर्फ ब्लड प्रेशर ही नहीं, मधुमेह की समस्या वाले लोगों के लिए भी काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। डायबिटीज से पीड़ित कई लोगों में जैसे-जैसे तापमान गिरता है, रक्त शर्करा बढ़ जाती है। ठंडा तापमान आपके शरीर में तनाव बढ़ाता है जिसके प्रतिक्रिया में, आपका शरीर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन जारी करता है। ये हार्मोन इंसुलिन उत्पादन को कम करते हैं परिणामस्वरूप, आपके रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। ब्लड शुगर बढ़ने की स्थिति किडनी, लिवर, हार्ट जैसे अंगों के लिए भी समस्याकारक हो सकती है। इसे कंट्रोल में रखने के लिए शरीर को ठंड से बचाएं और दवाओं के साथ समय-समय पर डॉक्टरी सलाह लेते रहें।

अस्थमा और सांस की बीमारियां

अस्थमा या सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए सर्दी का मौसम साल का सबसे कठिन समय हो सकता है। ठंडी, शुष्क हवा और मौसम में अचानक बदलाव से आपके वायुमार्ग में जलन की समस्या बढ़ने लगती है, जिससे अधिक बलगम पैदा होने लगता है।

ये सांस की जटिलताओं को बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है, जिसके कारण अस्थमा के ट्रिगर होने या अटैक का खतरा बढ़ जाता है। सर्दी के दिनों में निमोनिया जैसी सांस की बीमारियों के मामले भी अधिक रिपोर्ट किए जाते रहे हैं।

सिर से बर्फ की तरह गिर रहा है डैंड्रफ तो करें इन चीजों का इस्तेमाल, मिलेगी रूसी से राहत

दिसंबर के महीने से सर्दी की शुरुआत हो चुकी है। इस मौसम की शुरुआत से ही त्वचा में कई बदलाव दिखने लगते हैं। ऐसे में लोग अपनी स्किन का ध्यान रखने के लिए बाजारों में बिकने वाले स्किन केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं।

जिस तरह से त्वचा को सर्दियों में अतिरिक्त देखभाल की जरूरत पड़ती है, ठीक उसी तरह से सिर के स्कैल्प का भी सर्दियों में खास ध्यान रखना पड़ता है। अगर आप सही से सिर का ध्यान नहीं रखेंगे तो स्कैल्प में डैंड्रफ जमने लगता है।

कई बार ऐसा होता है कि इसकी वजह से शर्मिंदगी का शिकार होना पड़ता है। इसी के चलते आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके इस्तेमाल से आप स्कैल्प पर जमी रूसी से छुटकारा पा सकते हैं। इन चीजों के इस्तेमाल के लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

नीम का तेल

नीम के तेल में एंटीफंगल गुण होते हैं, जो डैंड्रफ को कम करने

में मदद कर सकते हैं। ऐसे में आप इसका इस्तेमाल अपने सिर से डैंड्रफ को दूर भगाने के लिए कर सकते हैं।

प्याज का रस

प्याज के रस को स्कैल्प पर लगाने से भी डैंड्रफ कम हो सकता है। आप आसानी से घर पर बिना केमिकल वाला प्याज का रस निकाल सकते हैं। इसे बस आपको रुई की मदद से

अपने सिर में लगाना है।

दही और मेथी

मेथी को रातभर भिगोकर सुबह उसे पीस लें। अब इसे दही में मिलाकर अपने बालों में लगाएं। इसके इस्तेमाल से

आपको जरूर राहत मिलेगी।

एलोवेरा और नीम

अगर आप इसका इस्तेमाल

करना चाहते हैं तो 10 नीम के पत्तों का पेस्ट लें और उसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल मिला लें। अब इसका इस्तेमाल आप अपने सिर पर जमे डैंड्रफ हटाने में कर सकते हैं।

नारियल तेल और नींबू

एक कटोरी में गुनगुना नारियल का तेल लेकर उसमें नींबू का रस मिलाएं। अब इसे अपने स्कैल्प पर अच्छे से लगाएं। इसकी मदद से आपके सिर का डैंड्रफ कम हो सकता है।

इस बात का भी रखें ध्यान

सर्दियों की शुरुआत होते ही लोग गर्म पानी से नहाना शुरू कर देते हैं। नहाना तो ठीक है लेकिन अगर आप सिर धोने से लिए ज्यादा गर्म पानी का इस्तेमाल करेंगे तो आपकी डैंड्रफ की समस्या कभी खत्म नहीं होगी। ऐसे में काफी हल्का गुनगुना पानी सिर धोने के लिए इस्तेमाल करें।

सर्दियों में रूखे हो रहे हैं हाथ तो ऐसे रखें इनका ध्यान

दिसंबर का महीना खत्म होने की कगार पर है, ऐसे में सर्दी भी अपना सितम दिखा रही है। सर्दियों की शुरुआत से ही त्वचा पर इसका असर दिखने लगता है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा का ध्यान रखने के लिए तमाम तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं, ताकि उनकी त्वचा सर्दियों में भी रूखी ना हो।

ऐसे में इनका ध्यान रखना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है। अगर हाथों का ध्यान सही से नहीं रखा जाए तो ये काफी ड्राई लगने लगते हैं। ऐसे में आज के लेख में हम आपको हाथों का ख्याल रखने के लिए कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

जरूर करें मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल

बाजार में आपको हैंड क्रीम मिल जाएंगी। ऐसे में इसे अपने साथ जरूर रखें। दिन में कम से कम तीन से चार बार हैंड क्रीम का इस्तेमाल करके हाथों को मॉइस्चराइज करें। इससे आपके हाथ रूखे नजर नहीं आएंगे। ऐसा करने से आपके हाथों की नमी भी बरकरार रहेगी।

एयर ड्रायर से रहें दूर

आपने बहुत से लोगों को देखा होगा कि वो हाथ सुखाने के लिए एयर ड्रायर का इस्तेमाल करते हैं।

पहनकर रखें दस्ताने

सर्दियों के मौसम में आपके हाथों को सर्द हवा से बचाने के लिए दस्ताने काफी काम आते हैं।

सही साबुन का करें इस्तेमाल

अगर आपकी साबुन काफी हार्ष है तो इससे दूर रहें। सर्दियों के मौसम में हाथ धोने के लिए हैंड वॉश का ही इस्तेमाल करें। इससे आपके हाथ ज्यादा रूखे नहीं होंगे।

आंखें हमेशा स्वस्थ रहें- उसके लिए क्या करें?

प्रश्न : आंखें हमेशा स्वस्थ रहें- उसके लिए क्या करें?

- श्रीमती शारदा शर्मा, हैदराबाद

उत्तर : आंखों का शरीर में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। कहावत प्रसिद्ध है ₹बिना दृष्टि, सब सून₹! आंखों से ही यह सारा जग जैसा खूबसूरत है, वैसा नजर आता है। आंखें हमेशा स्वस्थ रहें उसके लिए आपके भोजन में जीवनीय तत्व ₹ए₹ और ₹डी₹ का होना जरूरी है। दूध, पनीर, दही, छांछ, हरी सब्जियां, रेशेदार फल में यह विटामिन अधिक होता है ।

*आयुर्वेद का प्रसिद्ध योग ₹त्रिफला घृत₹ आंखों के लिए परम हितकारी है। इस गाय के गर्म दूध में 5 ग्राम की मात्रा में मिलाकर लेने से आंखों की रोशनी तेज होती है।

*भोजन के बाद ऊंझा सप्तामृत लोह टिकिया लेना दृष्टि की कमजोरी को दूर करता है।

*आंखों की सेहत के लिए अच्छी नींद भी जरूरी है। भरपूर नींद आंख की थकान को दूर करती है। *आंखों को धुएं और प्रदूषण से दूर रखें। धुंए का आंख पर बहुत बुरा असर होता है। धुआं आंखों की एलर्जी का कारण बनता है। सिगरेट के धुएं में आंखें बदरंग हो जाती है और समय के पहले ही आंखों के आसपास झुर्रियां आ जाती है।

* दिन में आंखों को चार-पांच बार ठंडे पानी से साफ करें।

*तेज धूप में निकलते समय सनग्लासेस का प्रयोग करें। *ज्यादा कंप्यूटर का काम हो तब आई पावर आई ड्रॉप्स या आईटोन आई ड्रॉप्स डालें। शुद्ध गुलाब जल भी डाला जा सकता है । नेत्र सुधा आई ड्रॉप्स भी उपयोगी है।

* आंखों के नीचे सूजन आ जाए तब चाय कॉफी का प्रयोग बंद कर दें। आंखों को आराम दे।

* रुई के फाहे को शुद्ध गुलाब जल या खीरे के रस में भिगोकर आई पैड्स की तरह प्रयोग करने से आंखों को आराम मिलता है। उसकी थकान दूर होती है।

यह कुछ सावधानियां और प्रयोग आंखों की सेहत को बनाए रखते हैं।

प्रश्न : अक्सर भोजन से अरुचि हो जाती है। ऐसे में क्या खाएं क्या ना खाएं कृपा कर बताएं।

- ए मनोहर गौड़, सिद्दीपेट

उत्तर : भोजन में अरुचि हो जाने पर कुछ घरेलू नुस्खे दे रहा हूं, जिनका प्रयोग करने से आपको दोबारा भोजन में रूचि हो सकती है।

*अदरक को बहुत बारीक काटकर नींबू के रस में डालकर रखें, दो-तीन घंटे के बाद उसमें सेंधा नमक मिलाकर खाने से अरुचि दूर होती है।

* खजूर को नींबू के रस के साथ चटनी बना कर खाएं ।

* संतरे के रस में सेंधा नमक व कालीमिर्च का चूर्ण मिलाकर पिएं।

* टमाटर का सूप बनाकर पिएं।

* मूली को बीच से चीर कर उस पर सेंधा नमक और नींबू का रस डालकर खाएं।

* गाजर के रस में काली मिर्च का चूर्ण और हल्का सा सेंधा नमक मिलाकर पिएं।

* कब्ज के कारण अरुचि हो तो पपीता काट कर सेंधा नमक, काली मिर्च, नींबू का रस मिलाकर खाएं।

* आंवले और मुनक्के को 10-10 ग्राम मात्रा में लेकर पीसकर मुंह में रखें। इसका रस चूसने से अरूचि दूर हो जाती है।

* जामुन व फालसे में सेंधा नमक मिलाकर खाएं।

* प्याज, मूली, खीरा, चुकंदर का सलाद बनाकर उसमें नींबू का रस, सेंधा नमक और काली मिर्च का चूर्ण मिलाकर खाएं।

* नींबू की शिकंजी बनाकर उसमें एक लौंग और पांच कालीमिर्च का चूर्ण मिलाकर दिन में दो बार पिएं।

शास्त्रीय योग में लवण भास्कर चूर्ण को ताजी छाछ में मिलाकर पीने से अरुचि दूर होती है। ऊंझा हिंग्वाष्टक चूर्ण को भी छाछ के साथ मिलाकर लेने से लाभ होता है। भोजन के पहले ऊंझा चित्रकादि वटी चूसने से अरुचि दूर होती है। मानसिक व्यग्रताजन्य अरुचि में ऊंझा प्रवाल पंचामृत रस एवं ऊंझा ताप्यादि लोह लेने से लाभ होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। कमर दर्द की समस्या से परेशान हूं। कृपया इसके उपचार के सरल उपाय बताएं।

- अभिनव रेड्डी, सिकंदराबाद

उत्तर : कमर दर्द का मुख्य कारण वात का कुपित होना एवं शरीर का दुर्बल होना है। कमर दर्द के कारण सीधा खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। सर्दियों में यह दर्द अधिक बढ़ जाता है। कुछ महत्वपूर्ण घरेलू उपचारः

*अदरक और घी : अदरक का रस चार चम्मच तथा शुद्ध गाय का घी दो चम्मच मिलाकर एक खुराक प्रतिदिन लेते रहने पर कुछ ही दिनों में कमर का दर्द ठीक हो जाता है।

*आलू की पुल्टिस : कमर दर्द का बचाव करने के लिए कच्चे आलू की पुल्टिस तैयार करें। इसे कमर पर लगाकर साफ पट्टी बांध दें। कुछ देर उल्टे लेटे रहे। काफी

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

रतन टाटा के लिए क्यों अहम है टाटा स्टील? 62 साल पुराना है कनेक्शन

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।तीन दिन के बाद देश के सबसे बड़े उद्योगपति रतन टाटा 86 साल के हो जाएंगे। आज सिर्फ रतन टाटा की ही बात नहीं होगी। बात उस कंपनी की भी होगी, जिससे रतन टाटा का कनेक्शन 62 साल पुराना है। बात उस बिजनेस की होगी, जिससे रतन टाटा ने अपने करियर की शुरूआत की। बात आज उस कंपनी की भी होगी, जिसकी चर्चा मौजूदा समय में लगातार हो रही है। जी हां, ये कंपनी कोई और नहीं बल्कि टाटा स्टील है। जब-जब रतन टाटा की बात होगी, तब-तब टाटा स्टील की भी चर्चा की जाएगी।साल 1961 में जब रतन टाटा ने ग्रुप को ज्वाइन किया तो टाटा स्टील से ही करियर की शुरूआत की। उसके बाद उन्हें पूरे ग्रुप की ही कमान दे दी गई। आज पूरा ग्रुप और टाटा स्टील जिस मुकाम पर है। वो किसी से छिपा नहीं है। आज ग्रुप कई छोटी कंपनियों को टाटा स्टील में मर्ज कर रहा है। ताकि इस बिजनेस और कंपनी को और भी बड़ा किया जा सके। तो आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर टाटा स्टील और रतन की कहानी क्या है। बीते 25 सालों में कंपनी ने निवेशकों की कितनी कमाई कराई है।

इसी कंपनी से हुई थी रतन टाटा के करियर की शुरुआत

जितनी बात हम टीसीएस की करते हैं, टाटा मोटर्स की करते हैं। टाइटन का भी खूब नाम लिया जाता है। टाटा कंज्यूमर से लेकर इंडियन होटल तक तमाम टाटा ग्रुप की कंपनियों की चर्चा होती है। उतना नाम टाटा स्टील का नहीं लिया जाता। उसके कुछ अहम कारण भी हैं। 1।64 लाख करोड़ रुपए की कंपनी का शेयर मात्र 133 रुपए का है। जोकि ग्रुप की बाकी कंपनियों के मुकाबले काफी कम है। कंपनी अपने काम को काफी चुपचाप तरीके से करती है। कंपनी ग्रोथ भी ना तो काफी ज्यादा है ना ही बहुत कम।उसके बाद भी रतन टाटा के करियर के लिए ये कंपनी काफी अहम है। यही वो कंपनी है जब रतन टाटा पढ़ाई खत्म कर भारत लौटे तो अपने करियर की शुरुआत की। वो साल था 1961.1907 में खड़ी हुई ये कंपनी रतन टाटा की उम्र से भी 30 साल बड़ी है। जिसने कई उतार चढ़ाव देखे। आजादी से पहले और आजादी के बाद के बदलावों को देखा और देश की तरक्की में अपना अहम योगदान दिया। एक ऐसा 'रतन' दिया, जिसे बाद में देश में 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।

क्यों चर्चाओं में है टाटा स्टील?

मौजूदा समय में टाटा स्टील काफी चर्चा में है। उसका कारण है यहायक कंपनियों का टाटा स्टील में मर्जर होना। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार टाटा स्टील में सब्सिडियरी कंपनी इंडियन स्टील एंड वायर प्रोडक्ट्स के मर्जर की खबरें सामने आ रही हैं। 25 जनवरी को टाटा स्टील ने निवेशकों के साथ एक मीटिंग अनाउंस की है। जिसमें कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। इस मीटिंग में कंपनी के मर्जर की घोषणा भी हो सकती है। इंडियन स्टील एंड वायर प्रोडक्ट्स के मर्जर की मंजूरी साल 2022 में टाटा स्टील ने दे दी थी। जिसमें 6 और सहायक कंपनियों के नाम शामिल थे। जिनमें टाटा स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स, टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया, टाटा मेटालिक्स, टीआरएफ, द इंडियन स्टील, टाटा स्टील माइनिंग लिमिटेड, टाटा स्टील लिमिटेड और एसएंडटी माइनिंग आदि नाम लिए जा सकते हैं। अब एनसीएलटी की ओर से आई गाइडलाइंस के बाद टाटा स्टील भी एक्टिव हो गई है और अपने मर्जर प्रोग्राम को लेकर चर्चा में है।

24 साल में कितनी कराई कमाई

अगर बात निवेशकों की नजरिये से करें तो टाटा स्टील ने 24 साल में निवेशकों को 827 फीसदी का रिटर्न दिया है। 24 दिसंबर 1999 को एनएसई पर कंपनी का शेयर 8.10 रुपए था। आज कंपनी का शेयर 133.45 रुपए पर हो चुका है। इसका मतलब है कि किसी निवेशक ने 24 दिसंबर 1999 को 8.10 रुपए के हिसाब से एक लाख रुपए का निवेश किया होता तो उसकी वैल्यू 16.47 लाख रुपए से ज्यादा हो चुकी होती। बीते 5 साल में कंपनी ने निवेशकों को 160 फीसदी का रिटर्न दिया है। मौजूदा साल में कंपनी ने 12 फीसदी का रिटर्न दिया है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में कंपनी निवेशकों को और ज्यादा रिटर्न देगी।

160 रुपए पर जाएगा कंपनी का शेयर

जानकार कंपनी के शेयर पर दांव लगाने की सलाह दे रहे हैं। जानकारों का कहना है कि कंपनी का शेयर मौजूदा लेवल से 160 रुपए पर जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट में जेफरीज ने टाटा स्टील के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। कंपनी ने टाटा स्टील के टारगेट प्राइस को बढ़ाकर 145 रुपए से 160 रुपए कर दिया है। जेफरीज ने अपने एक नोट में कहा कि मार्च से लेकर अक्टूबर के बीच में 22 फीसदी टूटने के बाद बीते दो महीने में एशियाई फ्लैट स्टील की कीमतों में 8 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है।

डिज़्नी+हॉटस्टार फरवरी तक बन सकता है जियो+हॉटस्टार, आगे बढ़ी मुकेश अंबानी की बात

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।मुकेश अंबानी ने कुछ साल पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम में एक बड़ा ऐलान किया था। उनका कहना था कि बहुत जल्द वो दिन भी आएगा जब कोई फिल्म मूवी थिएटर में रिलीज होगी और उसी दिन ओटीटी पर भी आ जाएगी। अब लग रहा है कि उनका ये कहा सच साबित होने जा रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज काफी समय से डिज्नी से स्टार इंडिया का बिजनेस खरीदने की कोशिश कर रही है। अब इसमें एक बड़ा अपडेट हुआ है।रिलायंस इंडस्ट्रीज और वाल्ट डिज्नी कंपनी ने पिछले हफ्ते लंदन में एक गैर-बाध्यकारी (नॉन-बाइंडिंग) समझौता किया है। इसका मतलब ये हुआ कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिज्नी के अधिकारी अब साथ बैठकर डिज्नी के स्टार इंडिया बिजनेस को अधिग्रहण करने के लिए फाइनल दौर की बातचीत करेंगे। डिज्नी के स्टार इंडिया बिजनेस की वैल्यूशन लगाई जाएगी, फिर भी अंतिम सौदा नहीं होने पर दोनों पार्टी में से कोई भी पीछे हट सकता है।मुकेश अंबानी के इस कदम को ट्विटर डील से सबक लेना भी कहा जा सकता है। एलन मस्क ने जब ट्विटर को खरीदने की डील की थी, तब उन्होंने बाईडिंग पैक्ट किया था। ऐसे में एलन मस्क जब बाद में डील से पीछे हट गए तो ट्विटर उनके खिलाफ कोर्ट चली गई। ऐसे में एलन मस्क को ट्विटर खरीदने की डील पूरी करनी ही पड़ी।

डिज्नी+हॉटस्टार जियो+हॉटस्टार बनाओ

अगर मुकेश अंबानी और डिज्नी की बातचीत पक्के सौदे तक पहुंचती है, तब संभव है कि डिज्नी+हॉटस्टार फरवरी से जियो+हॉटस्टार तक बन जाए। ईटी की खबर के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज की नई कंपनी में 51% हिस्सेदारी हो सकती है, जबकि स्टार इंडिया के पास 49% हिस्सेदारी बची रह सकती है। जबकि भारत में अपने टेलीविजन और ओटीटी बिजनेस से बाहर हो सकती है। अगर सब कुछ सही चला तो जनवरी अंत तक ये बातचीत पूरी होकर मर्जर का अंतिम सौदा पूरा हो सकता है। हालांकि इस बारे में दोनों कंपनी ने आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया है।रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत के अंदर पहले से मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर में है।

नहीं रुक रही छंटनी की मार, पेटीएम ने 1000 से ज्यादा लोगों को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2022 में शुरू हुआ छंटनी का दौर 2023 के खत्म होने से पहले लौटता दिखाई दे रहा है। वहीं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से नौकरियों पर पड़ने वाले असर की झलक भी दिखनी शुरू हो गई है। देश के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में से एक पेटीएम से 1000 से ज्यादा लोगों को बाहर किए जाने की खबर है। सूत्रों के हवाले से दी गई ईटी की खबर के मुताबिक पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने 1000 से ज्यादा लोगों को नौकरी से बाहर निकाल दिया है। कंपनी की अलग-अलग यूनिट से छंटनियां बीते कुछ महीनों में की गई हैं।

आरबीआई की नई गाइडलाइंस बनी वजह

माना जा रहा है कि पेटीएम ने ये छंटनी 'अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें'' की सर्विस को बंद करने और छोटे साइज का लोन देने के बिजनेस से हाथ बाहर खींचने के चलते की है। हाल में भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में बढ़ते अन-सिक्योर्ड लोन को कम करने के लिए नई गाइडलाइंस जारी की थीं।

इसके बाद बैंकों के क्रेडिट कार्ड देने, पर्सनल लोन बांटने और अधिकतर इलेक्ट्रॉनिक्स की खरीद के लिए इस्तेमाल होने वाली 'बाय नाउ पे लेटर' सर्विस पर पड़ा है। पेटीएम में हुई ये छंटनी इस साल डिजिटल कंपनियों में होने वाली बड़ी छंटनियों में से एक है। ये कंपनी के टोटल वर्कफोर्स का करीब 10 प्रतिशत है। इसमें अधिकतर छंटनी लोन बिजनेस यूनिट से होने की संभावना है। हालांकि अभी पेटीएम की ओर से इस छंटनी को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

गूगल में भी जाएंगी 30,000 नौकरियां

इस बीच एक खबर दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल से भी जुड़ी है। गूगल ने अपने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को तेजी से विकसित किया है, इसके चलते वह आने वाले दिनों में करीब 30,000 लोगों को नौकरी से निकाल सकती है। 'द इफॉर्मेशन' की खबर के मुताबिक गूगल आने वाले दिनों अपने एड-सेल्स डिपार्टमेंट में से करीब 30,000 लोगों की छंटनी कर सकती है।

इस साल की शुरुआत में गूगल ने 12,000 लोगों को नौकरी से निकाल दिया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु....	06-04 बजे
चंद्र-	वृष	में	मकर..	08-11 बजे
मंगल	वृश्चिक	में	कुंभ...	10-01 बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	11-40 बजे
गुरु-	मेष	में	मेष--	13-15 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	वृष--	15-00 बजे
शनि-	कुंभ	में	मिथुन..	17-00 बजे
राहु-	मीन	में	कर्क...	19-13 बजे
केतु-	कन्या	में	सिंह...	21-24 बजे
			कन्या..	23-31 बजे
			तुला....	01-37 बजे
			वृश्चिक.	03-48 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-47 सूर्यास्त - 17-45
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा - 06 -02 - पूर्ण दिन-रात तक
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , मंगलवार 26 December
नक्षत्र - मृगशिरा - 22- 20 - तक उपरान्त आर्द्रा
योग - शुक्ल - 03 - 20- तक उपरान्त ब्रह्म
करण- विष्टि - 17 -51 - तक उप- बव
विशेष:- पूर्णिमा व्रत
व्रत -त्योहार - श्री दत्तमहाप्रभु जं.

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:02 से 16:25 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
रोग	06:47 - 08:08	अशुभ	काल.	17:45 - 19:25 अशुभ
उत्पात	08:08 - 09:31	अशुभ	लाभ	19:25 - 21:02 शुभ
चंचल	09:31 - 10:54	शुभ	उत्पात	21:02 - 22:40 अशुभ
लाभ	10:54 - 12:17	शुभ	शुभ	22:40 - 24:17 शुभ
अमृत	12:17 - 13:39	शुभ	अमृत	24:17 - 01:54 शुभ
काल	13:39 - 15:02	अशुभ	चंचल	01:54 - 03:31 शुभ
शुभ.	15:02 - 16:25	शुभ	रोग	03:31 - 05:08 अशुभ
रोग	16:25 - 17:45	अशुभ	काल	05:08 - 06:47 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपके लिए एक भाग्यशाली दिन है। आप किसी भी बैठक या बातचीत में शीर्ष पर रहेंगे। आप बहुत आसानी से किसी भी घुमावदार स्थिति से बाहर आ जाएंगे । आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी। अगर आप एक संपत्ति में आज निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको एक अच्छा सौदा मिल सकता है। सावधानी से दस्तावेजों को पढ़ने के बाद ही अपने हस्ताक्षर करे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपकी भलाई इसी मैं है की , यदि आवश्यक हो तो आप सतर्क या यहां तक कि विद्रोही हो जाये । जो लोग अपने आपको ज्यादा जानकर या जानकारियों से पूर्ण मानते है वे आज के दिन ऐसी गलतिया कर सकते है , जिससे पार पाना मुश्किल साबित हो सकता है । उनके आदेश का पालन करना आपको मुसीबत में ला सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप व्यवसायी की तरह सोचेंगे और धन पर नियंत्रण रखेंगे । इसका परिणाम यह होगा की धन तो संचित होगा पर आपके परिवार के खर्चे बढ़ेंगे जिसका उत्तर आपको ढूढ़ना होगा । असुरक्षा की भावना की वजह से आप जरुरत के खर्चों पर भी लगाम लगाने की कोशिश कर सकते है । इस तरह की कृपणता की प्रवृत्ति से आपको बचना होगा क्यों की आपका धन प्रवाह सुचारू रहेगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप किसी भी कार्य को अच्छी तरह से करने में बहुत गर्व महसूस करते है। यह अब आपके वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आएगा । कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आपको दी जा सकती है जो की आपके करियर की प्रगति के लिए नए दरवाजे और आयाम खोलेगी । आय में भी वृद्धि की संभावना है। आपको अपने करियर को आगे ले जाने के लिए समर्पण और ध्यान को बढ़ाने की जरूरत है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

ये समय अपने सहकर्मियों का उत्साह बढ़ाने का समय है ! आप कुछ कठिन कार्य के लिए प्रयासरत है जिसमे आपके जूनियर या आपसे निचले क्रम के सहकर्मी आपका समर्थन करेंगे और आपके सच्चे समर्थक होंगे । इसलिए उन्हें खुश रखे ! जो लोग अपने कार्यालय में अग्रणी स्थिति या उच्च पद पर है , उन लोगों के लिए बेहतर करियर के अवसर आज आ सकते है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपको अपने कार्य क्षेत्र की जटिलताओं से बचने के लिए अपने भूतकाल का ज्ञान काफी मदद करेगा । आपका व्यावहारिक अनुप्रयोग और जल्दी सोच की क्षमता आपके वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी जिससे नए और रोमांचक कैरियर के अवसर नजदीक आयेंगे । आप इस अवसर को न खोये और इसका भरपूर उपयोग करे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

पिछले कुछ दिनों से अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे । आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज का दिन नौकरी से संबंधित कार्यों के लिए काफी अनुकूल है। आपने हमेशा से ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया है और अतीत में, हालाँकि आपको उतना फल नहीं मिला , लेकिन अब भाग्य आपके लिए स्थितियां अनुकूल करेगा । आपकी काफी सारी परियोजनाए सफलता के साथ फलित होंगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की भाग्य की भूमिका भी उतनी ही है जितनी आपकी क्षमता है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

निर्यात बढ़ाना और आयात घटाना देशभक्ति का नया तरीका: गडकरी

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि निर्यात बढ़ाना और आयात कम करना देशभक्ति और स्वदेशी को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने का नया रास्ता है। उन्होंने कहा कि वह दिन भारत के लिए नई आजादी की तरह होगा, जब देश पेट्रोल या डीजल की एक बूंद भी आयात नहीं करेगा।केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने साप्ताहिक पत्रिका 'पांचजन्य' के कार्यक्रम 'सागर मंथन 2.0' में कहा कि पेट्रोल और डीजल के आयात को रोकना दुनिया में आतंकवाद को रोकने से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, "जब तक यह आयात बंद नहीं होगा, दुनिया भर में आतंकवाद नहीं रुकेगा। मेरे जीवन का मकसद पेट्रोल और डीजल के आयात को रोकना है। मैं उस दिन को भारत के लिए एक नई आजादी मानता हूं, जब देश में पेट्रोल और डीजल की एक बूंद भी आयात नहीं की जाएगी।"

16 लाख करोड़ का पेट्रोल-डीजल

गडकरी ने कहा, "पेट्रोल और डीजल का आयात बिल इस समय 16 लाख करोड़ रुपये है। अगर हम इस आयात को कम करते हैं, तो हम जो पैसा बचाएंगे, वह गरीबों के पास जाएगा। यही कारण है कि हमने जैव ईंधन जैसे वैकल्पिक ईंधन पेश किए हैं। आयात में कमी और निर्यात में वृद्धि देशभक्ति और स्वदेशी को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता है।"

वाहन उद्योग का आकार बढ़ा

गडकरी ने कहा कि जब उन्होंने (2014 में) कार्यभार संभाला था, तब भारत में वाहन उद्योग का आकार 7 लाख करोड़ रुपये था अब यह बढ़कर 12.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार मिल रहा है। इसके अलावा वाहन उद्योग सरकारों को सर्वाधिक जीएसटी राजस्व भी देता है।

3 दिन और 10 कंपनियां, दिल थामकर बैठिये, आने वाला है पैसों का तूफान

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।25 दिसंबर क्रिस्मस का दिन है। कारोबार दिन के लिहाज से सिर्फ 4 दिन की बचे हैं। उसमें से भी सिर्फ 3 दिन आपको दिल थाम कर बैठना होगा। इन तीन दिनों में पैसों का तूफान आने वाला है। जी हां, 26, 27 और 28 दिसंबर को 1, 2, 5 या 7 नहीं बल्कि 10 कंपनियां शेयर बाजार में डेब्यू करने वाली हैं। जो अपने साथ पैसों की सुनामी लेकर आएंगी। जिसमें निवशक पैसों में डूब जाएंगे। साल खत्म होते-होते ऐसे जश्न में होंगे, जिसमें सिर्फ पैसा ही दिखाई देगा और दिखाई देगा साल 2024 में उज्ज्वल भविष्य। तो आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इन तीन दिनों में कौन सी 10 कंपनियां शेयर बाजार में डेब्यू करने वाली हैं, जो अपने साथ पैसों का तूफान लेकर आएंगी।

इन 10 कंपनियों के साथ आएगा पैसों का तूफान

सहारा मैरीटाइमः कंपनी के आईपीओ को 21.57 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। रिटेल पोर्शन के लिए 14,657,600 मिली। वहीं एनआईआई के लिए 3,664,000 और क्यूआईबी के लिए 6,400 बिड मिली हैं। इसका मतलब है कि 849,600 शेयरों लिए 1.83 करोड़

बिड मिली है। कंपनी की लिस्टिंग 26 दिसंबर को होगी। सूरज एस्टेट डेवलपर्स : कंपनी ने अपनी शुरुआती हिस्सेदारी सेल से लगभग 400 करोड़ रुपए जुटाए, जिसे बिड प्रोसेस में कुल मिलाकर 15.59 गुना सब्सक्राइब किया गया। कंपनी का इश्यू प्राइस 340 रुपए से 360 रुपए था और लॉट साइज 41 शेयरों का था। कंपनी की लिस्टिंग डेट 26 दिसंबर रखी गई है। मोतीसंस ज्वेलर्स : मोटिसंस ज्वैलर्स का आईपीओ 18 दिसंबर से 20 दिसंबर के बीच खुला था। आईपीओ का लॉट साइज 250 शेयरों का था और इश्यू प्राइस 55 रुपए रखा गया। कंपनी ने इस आईपीओ से 151 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसे 159.61 गुना सब्सक्राइब किया गया है। कंपनी की लिस्टिंग 26 दिसंबर को होगी। मुथूट माइक्रोफिन : कंपनी का आईपीओ 18 दिसंबर से 20 दिसंबर के बीच आया था और इसका लॉट साइज 51 शेयरों का था। कंपनी ने अपने आईपीओ से 960 करोड़ रुपए से ज्यादा जुटाए हैं।

साल 2023 में स्मॉल कैप स्टॉक्स ने कराई निवेशकों को जोरदार कमाई, 25 फीसदी बढ़ा इंडेक्स

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।साल 2023 में भारतीय शेयर बाजार में ऐतिहासिक तेजी देखने को मिली है। लेकिन बाजार के निवेशकों ने सबसे ज्यादा पैसा स्मॉल कैप स्टॉक्स में निवेश कर बनाया है। स्मॉल कैप स्टॉक्स निवेशकों की पहली पंसद रही है। देश के बेहतर इकोनॉमिक हालात और रिटेल निवेशकों की शानदार भागीदारी से इक्विटी बाजार के लिहाज से 2023 बेहद फायदेमंद साबित हुआ है। म्यूचुअल फंड्स में भी स्मॉल कैप फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश आया है।

22 दिसंबर 2023 तक बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 13,074.96 प्वाइंट्स या 45.20 फीसदी का उछाल आया है, जबकि मिडकैप इंडेक्स 10,568.18 अंक या 41.74 फीसदी की तेजी आई है। जबकि स्मॉल कैप और मिड कैप इंडेक्स के मुकाबले बीएसई का 30 शेयर वाले वाले सेंसेक्स में 10,266.22 अंक या 16.87 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। 20 दिसंबर, 2023 को स्मॉलकैप इंडेक्स 42,648.86 अंक के अपने ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया और उसी दिन मिडकैप सूचकांक भी 36,483.16 अंक के अपने रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। बीएसई सेंसेक्स 20 दिसंबर को अपने ऐतिहासिक उच्चतम स्तर 71,913.07 अंक पर पहुंच गया था।मिडकैप इंडेक्स में वैसी कंपनियां आती हैं जिनका मार्केट वैल्यू 'ब्लू चिप' कंपनियां जिनके शेयरों की कीमतें ऊंची हैं का पांचवां हिस्सा है, जबकि स्मॉलकैप कंपनियां उसका करीब दसवां हिस्सा होता है। बाजार के जानकारों का मानना है कि 2023 में इक्विटी बाजार में तेजी का श्रेय बेहतर घरेलू मैक्रो इकोनॉमिक बुनियादी सिद्धांत और रिटेल निवेशकों के भरोसे को जाता है। एयूएम कैपिटल के नेशनल हेड (वेल्थ) मुकेश कोचर ने कहा, जब समग्र अर्थव्यवस्था मजबूत हो जाती है, तो स्मॉलकैप तथा मिडकैप से जुड़े स्टॉक्स बेहतर प्रदर्शन करते हैं। कोचर ने इक्विटी बाजार के लिहाज से 2023 को एक बड़ा वर्ष' करार दिया। उन्होंने कहा, ''हमने व्यापक भागीदारी के साथ नई ऊंचाई देखी है।'' बाजार के जानकारों का मानना है कि 2023 में भारी तेजी के बाद निकट अवधि में स्मॉल कैप शेयरों में मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। 28 मार्च, 2023 को स्मॉलकैप और मिडकैप सूचकांक अपने 52 हफ्ते के निचले स्तर पर पहुंच गए थे। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 28 मार्च को अपने एक साल के निचले स्तर 26,120.32 अंक पर रहा था, जबकि मिडकैप सूचकांक उसी दिन अपने 52 हफ्ते के निचले स्तर 23,356 अंक पर पहुंच गया था। वहीं इस साल 20 मार्च को बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स अपने एक साल के निचले स्तर 57,084.91 अंक पर पहुंच गया था। निवेशकों को बड़े वैश्विक बैंकों में उथल-पुथल से लेकर व्यापक आर्थिक चिंताओं तक कई नकारात्मक खबरों से जूझना पड़ा था। हालांकि नवंबर और दिसंबर के महीनों में बाजार ने जोरदार वापसी की है। जानकारों का मानना है कि छोटे शेयर आमतौर पर स्थानीय निवेशकों द्वारा खरीदे जाते हैं जबकि विदेशी निवेशक 'ब्लू चिप' या बड़ी कंपनियों पर फोकस करते हैं।

आज सोने-चांदी के दाम में नहीं हुआ बदलाव प्रमुख शहरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)।सोने-चांदी के दाम में लगातार उतार- चढ़ाव के बीच सोमवार को दाम स्थिर बने हुए हैं। रविवार को आज 22 कैरेट 10 ग्राम सोने का भाव 58,200 रुपये था, जिसमें कोई बदलाव नहीं हुई है। वहीं आज 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का भाव 63,490 रुपये है। चांदी के दाम की बात करें तो इसमें कमी आई है, आज 1 किलो चांदी के दाम 79,000 रुपये हो गए हैं।

देश के प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने के दाम

दिल्ली- 63,640 रुपये चेन्नई- 64,090 रुपये मुंबई- 63,490 रुपये कोलकाता- 63,490 रुपये लखनऊ- 63,640 रुपये चंडीगढ़- 63,640 रुपये नोएडा- 63,640 रुपये देश के प्रमुख शहरों में चांदी के दाम दिल्ली- 79,000 रुपये प्रति किलो चेन्नई- 80,500 रुपये प्रति किलो मुंबई- 79,000 रुपये प्रति किलो कोलकाता- 79,000 रुपये प्रति किलो लखनऊ- 79,000 रुपये प्रति किलो चंडीगढ़- 79,000 रुपये प्रति किलो नोएडा- 79,000 रुपये प्रति किलो सोने की शुद्धता को ऐसे कर सकते हैं चेक आईएसओ द्वारा सोने की शुद्धता के लिए हॉल मार्क दिया गया है, जिससे आप सोने की शुद्धता को पता कर सकते हैं। 24 कैरेट पर 999, 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है।

शुद्धता के आधार पर तय होता है कैरेट

सोने की शुद्धता के आधार पर उसे कैरेट में मापा जाता है। 24 कैरेट सबसे शुद्ध सोना होता है, लेकिन मिलावट न होने की वजह से वो कमजोर होता है और आभूषण बनाने के काम में नहीं आता। जेवर बनाने के लिए सबसे ज्यादा 22 कैरेट सोने की उपयोग किया जाता है, जो 91% शुद्ध होता है। 18 कैरेट सोने में महज 75 % सोना ही होता है, इसमें 25 % अन्य धातुएं मिक्स होती हैं,जो इसे टिकाऊ बनाती हैं।

मैं साक्षी मलिक की मां हूं

कुश्ती के लिए बेटी पांच-पांच दिन प्यासी रहती, उसके होंठ पड़ जाते नीले, रसूखदारों से भिड़ी

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। देश के छोटे-छोटे गांवों से निकलकर बेटियां दुनिया में भारत का नाम रोशन कर रही हैं। मगर देश को मेडल दिलाने वाली पहलवान बेटी की उस वक्त हिम्मत टूट गई जब उसके साथ नाइंसाफी हुई। संजय सिंह 21 दिसंबर 2023 को भारतीय कुश्ती महासंघ के नए अध्यक्ष बने। संजय सिंह का अध्यक्ष बनना साक्षी मलिक और अन्य महिला पहलवानों के लिए नाइंसाफी की इंतिहा थी। इस फैसले ने साक्षी को इस कदर आहत किया कि उन्होंने कुश्ती से हमेशा के लिए संन्यास का ऐलान कर दिया। वजह थी संजय सिंह का बृज भूषण सिंह का करीबी होना और ये वही बृज भूषण है जिस पर साक्षी मलिक ने यौन शोषण का आरोप लगाया और दिल्ली में जंतर-मंतर पर कई दिनों तक धरना दिया। इस्तीफा देते वक्त साक्षी भावुक हो गईं थी।

ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली साक्षी मलिक की मां सुदेश मलिक से जानिए देश की बेटी के साथ हुई नाइंसाफी की पूरी दास्तां।

मैं सुदेश मलिक मां हूं साक्षी मलिक की। साक्षी दुनिया के लिए पहलवान है लेकिन वो मेरे लिए सिर्फ मेरी बेटी है जिसे मैं सोफिया कहकर बुलाती हूं। मैं सोफिया की एक ऐसी कमजोर और बेबस मां साबित हुई हूं जिसने अपनी बेटी को गोल्डन गर्ल बनाने के लिए भूख, प्यास, नींद और दुनियादारी सब कुछ त्याग दिया। हर चीज से मुंह मोड़ लिया और अपनी बेटी देश को समर्पित कर दी। यह सब करते हुए मैं यह भूल गई कि मैं एक लड़की की मां हूं, वो भी एक आम सी लड़की की मां हूं जिसने अपनी मेहनत और लगन से एक खास मुकाम पाया। कुश्ती ने साक्षी को सब कुछ दिया। खेल जगत में इज्जत, शोहरत और दौलत। लेकिन इन सबके साथ ही उसे जिल्लत, शर्मिंदगी और नाइंसाफी भी मिली। लेकिन मेरी बेटी बहुत काबिल और मजबूत है। ऐसे वक्त में भी वो मुझे हौसला दे रही है।

खिलाड़ी यूं ही नहीं बनते

खिलाड़ी ऐसे ही नहीं बनते। उसके साथ पूरा परिवार, समाज मेहनत की आग में तपता है। उनके लिए दुआएं करता है और तब कहीं जाकर एक इंटनेशनल लेवल का खिलाड़ी तैयार होता है। साक्षी के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। जैसे नेता बनते हैं वैसे खिलाड़ी नहीं बनते। लेकिन कुर्सी पर बैठे रसूख वाले यही नेता खिलाड़ियों की जिंदगी बर्बाद कर देते हैं। 12 साल की उम्र में मेरी बेटी ने कुश्ती सीखने की शुरुआत की। उसका शुरू से ही इस खेल के प्रति रुझान था। स्कूल में भी कोई इवेंट होता तो वह हमेशा आगे रहती। पढ़ाई में भी बहुत होशियार थी। मैं जब भी पीटीएम में जाती तो टीचर साक्षी की खूब तारीफ करतीं। साक्षी ने एक दिन मुझसे कहा कि वह किसी खेल में हिस्सा लेना चाहती है। 'मां मुझे किसी ऐसे खेल की ट्रेनिंग दिलाओ जिसे मैं स्कूल के साथ प्रैक्टिस भी कर सकूं।'

मैं साक्षी को घर के पास स्टेडियम लेकर गई। वहां मैंने बहुत सी लड़कियों को खेल में हिस्सा लेते देखा। जैसे बॉक्सिंग, जूडो, जिम्नास्टिक लेकिन जब साक्षी ने रेसलिंग देखी जो उसे पसंद आ गई और पहलवानी में जाने की जिद करने लगी।

वहां मौजूद जो लड़कियां कुश्ती कर रहीं थी वो बाउट करते वक्त छोटी छोटी कास्ट्यूम पहनती थीं। इसलिए रसलिंग मुझे पसंद नहीं आई। मैंने साक्षी को बहुत समझाने की कोशिश की कि

- 2007 में सब जूनियर एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता।
- 2009 में एशियाई जूनियर विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।
- 2010 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- 2013 में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- 2015 में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता।
- 2016 में ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा।

जो पहलवान लड़कियां होती हैं उनकी शादी नहीं होती। उनकी चाल ढाल लड़कों की तरह हो जाती है। उनका चेहरा और कान खराब हो जाता है। मां बनने में परेशानी होती है। लेकिन साक्षी ने जैसे तैसे करके मुझे मना लिया। मैं एक गवर्नमेंट जॉब में हूं। आईसीडीएस में सुपरवाइजर हूं। मेरे लिए टाइम देना मुश्किल था। लेकिन मैं साक्षी के लिए किसी भी तरह टाइम निकाल ही लेती थी। वो रोहतक के डीएवी पब्लिक स्कूल में पढ़ती थी। जब मैंने स्कूल में कहा कि ये खेलती है इसे छुट्टी मिल जाए तो ये बेहतर कर सकेगी। लेकिन स्कूल वालों यह कहकर मना कर दिया कि इसे स्कूल में हाजिरी तो पूरी करनी ही पड़ेगी। कुश्ती की खातिर मैंने अपनी बेटी का स्कूल तक बदल दिया। मैंने घर से 7 किलोमीटर दूर वैश्य पब्लिक स्कूल में साक्षी का एडमिशन कराया। वो साइकिल से स्कूल जाया करती।

सुबह प्रैक्टिस करती। फिर साइकिल चलाकर 7 किलोमीटर स्कूल जाती। नौवीं क्लास में मैथ्स का ट्यूशन पढ़ने के बाद वापस प्रैक्टिस पर जाती। जिम भी जाती। बहुत थक जाती थी। साक्षी पढ़ाई में बहुत होशियार है। उसने बीपीएड किया है। रोहतक के महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजूएशन भी किया।

साक्षी एक दिन मुझसे कहने लगी, 'मां मैं थक जाती हूं। मैं सारे काम नहीं कर पाऊंगी।' मैंने कहा ऐसा है तुम कुश्ती छोड़ दो क्योंकि मैं तुम्हारी पढ़ाई तो नहीं छुड़वा सकती। मैंने भी अपना एक रूटीन बनाया। घर का काम, खुद की नौकरी और बेटी को प्रैक्टिस पर ले जाना। प्रैक्टिस के दौरान बैठे रहना। फिर उसे लेकर घर आना। साक्षी को अगर सुबह 5 बजे उठना होता तो मैं उससे एक घंटा पहले उठती और उसकी स्पेशल डाइट तैयार करती। किस दिन उसे क्या खाना है ये सब मैं ही देखती। साक्षी के पापा बहुत सपोर्ट करते। लेकिन साक्षी मेरे से ज्यादा करीब थी, इसलिए उसको कब क्या चाहिए वो मुझसे ही कहती। मेरी पूरी कोशिश रहती कि साक्षी को गाड़ी में ले जाऊं। उसे किसी भी तरह की परेशानी न हो। उसकी छोटी छोटी जरूरतों का हम-बाप ख्याल रखते।

घर में किसी को स्मोकिंग करने की इजाजत नहीं है। मेहमानों को भी मैं सख्ती से मना कर देती हूं। किसी को ऊंची आवाज में बोलने की इजाजत नहीं है क्योंकि साक्षी के सोने का समय तय होता है। मैं नहीं चाहती कि किसी भी तरह की आवाज से उसकी नींद खराब हो। यहां तक कि मेरे बेटे का कमरा सोफिया के कमरे के बगल में था तो उसे भी किसी भी तरह की आवाज करने की इजाजत नहीं थी। खाना, पीना और प्रैक्टिस साक्षी की जिंदगी की रूटीन में बस यही तीन काम थे। उसने कोई दुनियादारी नहीं देखी। वह कभी किसी शादी में नहीं गई। मैं अगर उसे कभी जबरदस्ती किसी फंक्शन, पार्टी में कहीं लेकर भी जाती तो उसका मन ही नहीं लगता।

वहां से चली आती कि 'मुझे सुबह उठना है और प्रैक्टिस पर जाना है।' सोफिया ने अपनी जिंदगी में कभी एंजॉय नहीं किया। अपने आपको देश और खेल के लिए समर्पित कर दिया। 2012 में साक्षी के साथ यौन शोषण हुआ जो पूरी दुनिया को पता है। जब बेटी ने पहली बार मुझे बताया तो मैंने कहा कि मैं फेडरेशन से बात करती हूं। मेरी बात सुनते ही साक्षी डर गई। कहने लगी, 'छोड़ो मम्मी ये लोग मेरे खिलाफ ही हो जाएंगे।' उस घटना के बाद मैं अपनी बेटी के साथ साए की तरह रहती। फेडरेशन को भी यह बात पता थी कि साक्षी की मां हमेशा उसके साथ रहती हैं। उनमें भी डर था कि कहीं इसकी मां कोई एक्शन न ले ले।

इस्तीफे के बाद मेरी बच्ची बहुत रोई

साक्षी इस्तीफे के बाद बहुत रोई। लेकिन भगवान ने उसे हिम्मत दी। मैं भी बहुत रोई। लेकिन क्या करूं आंसू हैं कि थमने का नाम नहीं लेते। साक्षी दिल्ली में है। मैंने बेटी से पूछा कि मैं आ जाऊं। साक्षी ने कहा- 'नहीं मां मैं यहां सम्भाल रही हूं आप वहां संभालो।' मेरी बेटी मुझे हौसला देती है। लेकिन मैं मां हूं। मैं हर एक घंटे पर वीडियो कॉल करके उससे बात करती हूं।

पांच-पांच दिन बिना पानी पीए रहती

साक्षी ने कुश्ती के लिए सिर्फ अपना समय, दोस्त और रिश्ते ही नहीं छोड़े बल्कि खाने पीने की शौकिन मेरी बेटी 5-5 दिन प्यासी रहती। उसे वजन कम करना होता था। पानी न पीने की वजह से उसके होंठ नीले पड़ जाते। पानी भी 2 से 3 घूंट ही पी पाती। साक्षी को कड़ी-पकौड़ा, आलू के पराठे बहुत पसंद हैं लेकिन कुश्ती की वजह से कभी नहीं खाती।

साक्षी के पापा सुखबीर मलिक डीटीसी में बस कंडक्टर हैं। न तो हम बहुत पैसे वाले हैं न ही साक्षी के पीछे कोई ऐसा बैकग्राउंड था जिससे उसे कोई सपोर्ट मिलाता। उसने देश दुनिया में नाम रोशन किया। देश के लिए गोल्ड मेडल जीता। लेकिन सरकार में बैठे रसूखदार और ऊंची पहुंच वालों की वजह से इतनी कम उम्र में उसने कुश्ती को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया में 15 सदस्य होते हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी इन 15 सदस्यों में एक भी महिला सदस्य नहीं है। महिला पहलवान अपनी परेशानी किससे कहें। रही बात यौन उत्पीड़न की तो बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सिर्फ मेरी बेटी का नहीं, बल्कि कई महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया है।

हालांकि साक्षी के कुश्ती में आने से पहले भी फेडरेशन में यौन शोषण चल रहा था। लेकिन मेरी बेटी ने आवाज उठाई। वह आने वाली पीढ़ी के लिए लड़ाई लड़ रही है।

मेरी बेटी ने यौन शोषण के पहले ही कदम पर गुनाहगारों का गला पकड़ लिया ताकि कोई और निर्भया इन दरिंदों के शिकंजे में न आ जाए। साक्षी और मेरे परिवार को आज भी जान का खतरा सताता है। क्योंकि फेडरेशन में बैठे लोग बहुत पावरफुल हैं। मेडल की मांग तो सभी करते हैं, मेडल आ भी जाते हैं, लेकिन इस जंग के मैदान में कोई जीत नहीं होती। होती है तो सिर्फ हार। खिलाड़ी हारता है। अपने ही देश में, अपने ही होम ग्राउंड में अपने ही लोगों से हारता है।

नए साल के जश्न में ड्रंक एंड ड्राइव पड़ेगा महंगा

रांची, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। क्रिसमस सेलिब्रेशन और नए साल के जश्न की खुमारी महंगी पड़ सकती है। इस दौरान शराब के नशे में गाड़ी चलाते पकड़े गए तो सीधा जेल भेजे जा सकते हैं। रांची पुलिस शहर के विभिन्न जगहों पर औचक निरीक्षण कर रही है। रविवार को भी पुलिस ने यह अभियान चलाया। जिसमें 12 लोगों पर कार्रवाई हुई है।

रांची ट्रैफिक पुलिस की ओर से रिंग रोड इलाके के दलादली, रामपुर, नेवरी और पतरातू रोड में अभियान चलाया गया। ऐसे में क्रिसमस सेलिब्रेशन और नए साल का जश्न तरीके से करने की जरूरत है। रांची ट्रैफिक पुलिस की ओर से ड्रंक एंड ड्राइव को रोकने को लेकर विशेष तैयारी की गई है।

अटल जी की जयंती पर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने मेकाज में की साफ सफाई

जगदलपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। जगदलपुर के मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में सोमवार की सुबह प्रदेशाध्यक्ष, विधायक किरण देव, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, मेकाज डीन डॉक्टर यू एस पैकरा, मेकाज अधीक्षक डॉक्टर अनुरूप साहू व अन्य आलाधिकारियों के साथ अस्पताल परिसर में झाड़ू लगाकर, स्वच्छता दिवस का परिचय देने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाते हुए, इस दिन को किसानों को समर्पित करते हुए उन्हें दो साल का बकाया बोनस देने की बात कही। बता दे कि सुशासन दिवस के अवसर पर सोमवार की सुबह प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, रामाश्रय सिंह के अलावा अन्य बीजेपी नेता मेकाज पहुंचे, जहां सबसे पहले मेडिकल कॉलेज डिमरापाल पहुंच कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ही अस्पताल की स्वच्छता में अपना योगदान दिया।

फ्लोटिंग बोर्ड पर मनेगा नए साल का जश्न

रायपुर में 699 से लेकर 1 लाख तक एंट्री चार्ज, होटल-रेस्तरां में खास ऑफर

रायपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल के स्वागत के लिए रायपुर तैयार है। शहर के होटल्स और रेस्तरां में न्यू ईयर पार्टी की खास तैयारी की गई है। रातभर सेलिब्रेशन का दौर चलेगा। नवा रायपुर के झांझ लेक एंटार्टिका एट मेफेयर में 30 और 31 दिसम्बर को फ्लोटिंग डीजे पार्टी के साथ वॉटर स्पोर्ट्स और अनलिमिटेड एडवेंचर राइड होंगे। होटल-रेस्तरां में खास ऑफर भी दिए जा रहे हैं। फ्लोटिंग डीजे नाइट पार्टी की एंट्री फीस 699 रुपए है । न्यू ईयर पार्टी में किड्स केयर रूम और किड्स प्ले जोन बनाए जा रहे हैं। यहां बच्चों की देखभाल से लेकर उनके एंटरटेनमेंट तक की खास व्यवस्था होगी। जानिए नए साल पर शहर के होटल्स में क्या खास होगा। होटल सायाजी में शहर का सबसे बड़ा इवेंट होने जा रहा है। 31 दिसंबर को यहां सबसे लंबे समय तक चलने वाली पार्टी होगी। सन बर्न रिलोडेड 31

दिसंबर को दोपहर 3 बजे से शुरू होगी। इवेंट कार्निवाल, मैजिक शो, फन गेम्स के साथ फूड, ड्रिंक के साथ 3 डीजे होंगे।

पार्टी में मुंबई के फेमस डीजे बेस हंक, डीजे अपूर्व और डीजे रविनेश परफॉर्म करेंगे। इवेंट में केवल एडल्ट को ही एंट्री होगी। इवेंट की सिंगल एंट्री 2300 रुपए है। फूड, ड्रिंक और एक्टिविटी का अलग चार्ज देना होगा।

तेलीबांधा तालाब में न्यू ईयर कार्निवल का आयोजन किया गया है। 23 से 31 दिसंबर तक चलने वाले 9 दिन के कार्निवल में शॉपिंग के साथ बच्चों के लिए गेम्स, आर्ट एंड क्राफ्ट वर्कशॉप, पेंटिंग क्लासेस का आयोजन किया गया है। इस कार्निवल में लोगों की एंट्री फ्री है। यहां रोजाना अलग-अलग आर्टिस्ट्स परफॉर्मेंस देते हैं। रायपुर के ललित महल में 31 दिसंबर की रात बूम बास्टिक 2024 पार्टी आयोजित की गई है। जिसमें लाइव बैंड, डीजे नाइट, रशियन डांस परफॉर्मेंस, अनलिमिटेड फूड और ड्रिंक परोसा जाएगा।

कांग्रेस को लोकसभा में जिताऊ उम्मीदवार की तलाश

प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज बोले- जो चुनाव जीतेगा उसे ही टिकट मिलेगा

रायपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा के बाद अब बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई हैं। विधानसभा में हार के बाद अब कांग्रेस पार्टी लोकसभा के लिए जिताऊ उम्मीदवार की तलाश में जुटी है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जो चुनाव जीत सकता है, उसे ही टिकट मिलेगी। दीपक बैज ने कहा कि अगर कोई चुनाव जीतने के लायक है, मतदाता और कार्यकर्ताओं को पसंद है, जो चुनाव जीत सकता है उसे ही टिकट दिया जाएगा।

कांग्रेस पार्टी इस बार विधानसभा की तरह ही लोकसभा में कई सीटों पर महिला प्रत्याशियों को भी चुनावी मैदान में उतारने की तैयारी में है। प्रत्याशियों को लेकर बैज ने कहा कि चाहे युवा हो, चाहे महिला हो, कार्यकर्ता हो, प्रत्याशी हो जो जीत सकेगा उस मौका मिलेगा। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा है कि बीजेपी के पास कुछ नहीं बचा है। ये सिर्फ चुनाव के लिए प्रोपोगेंडा बनाते हैं। उनके पास राम मंदिर के अलावा कोई मुद्दा नहीं है।

बीजेपी कभी भी गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई पर चुनाव नहीं लड़ती है। लोकसभा चुनावों को लेकर दीपक बैज ने कहा कि हम लोग भी लगातार लोकसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारी कर रहे हैं। शनिवार को दिन भर राजीव भवन में प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर हुई है। दीपक बैज ने कहा कि लगातार 4 बैठकें की गई। सभी लोग क्षेत्र में जाएंगे और कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करेंगे।

क्रिसमस के मौके पर रांची के चर्चों में श्रद्धालुओं की भीड़

रांची, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में सोमवार को क्रिसमस के मौके पर लोग शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना करने के लिए चर्च में एकत्रित हुए। ये सभी एकसाथ कैरोल गाए और क्रिसमस की बधाई भी दी। रविवार की आधी रात को राजधानी रांची में हजारों की संख्या में लोग विशेष प्रार्थना के लिए चर्च में इकट्ठा हुए। इस दौरान चर्चों को कैरोल, लाइट और विभिन्न कलाकृतियों से सजाया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लोगों को क्रिसमस की बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'मेरी कामना है कि प्रेम, सद्भाव, प्रसन्नता और उत्साह का यह पवित्र त्योहार हर किसी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाए।' रांची के आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो की उपस्थिति में सेंट मैरीज कैथेड्रल में क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया। इस मौके पर टोप्पो ने सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, 'क्रिसमस एक बड़ा त्योहार है।

साय बोले- हसदेव जंगल में कटाई के लिए कांग्रेस जिम्मेदार

कांग्रेसियों के विरोध पर सीएम ने कहा- उनके नेताओं को देखना चाहिए अनुमति किसने दी

रायपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सरगुजा के हसदेव जंगल में चल रही पेड़ों की कटाई के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि पेड़ों के कटाई की अनुमति कांग्रेस की सरकार थी, तब दी गई थी। साय सोमवार को बिलासपुर रवाना होने से पहले मीडिया से बात कर रहे थे। रायपुर के पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर चर्चा के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि पहले जो भी काम हुए, चाहे वह पेड़ों की कटाई हो या अन्य कांग्रेस सरकार की अनुमति से हो रहा है। हसदेव अरण्य में 15 हजार से ज्यादा पेड़ काटे जा रहे हैं। कांग्रेस इसके विरोध में सोमवार को प्रदर्शन करने वाली है। स्थानीय ग्रामीणों को सिंहदेव, भगत का समर्थन हसदेव जंगल में चल रही पेड़ों की कटाई का विरोध कर रहे ग्रामीणों को पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने अपना समर्थन दिया है। दो दिन पहले दोनों नेता ग्रामीणों से मिलने भी गए थे। रायपुर में भी कांग्रेस इसके विरोध में शाम को प्रदर्शन करने जा रही है। सरगुजा के हसदेव इलाके में जंगल कोल ब्लॉक के लिए काटा जा रहा है। यहां से निकलने वाले कोयले का इस्तेमाल राजस्थान में बिजली उत्पादन के लिए किया जाएगा। खदान के विरोध में ग्रामीण और सामाजिक संगठन धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। इसे लेकर कई बार पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प भी हो चुकी है। उदयपुर में पीकेईबी कोल ब्लॉक के लिए गुरुवार 21 दिसंबर से पेड़ों की कटाई शुरू की गई है। इसके लिए प्रशासन ने साल्ही, हरिहरपुर, पेंड्रीमार इलाके में फोर्स तैनात कर पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

चेन्नई में जामताड़ा के मजदूर की मौत

जामताड़ा, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। चेन्नई की धागा फैक्ट्री में काम करने वाले जामताड़ा के मजदूर मुजरकर अंसारी की मौत हो गई है। वह नारायणपुर थाना क्षेत्र के चैनपुर का रहने वाला था। उसके पिता का नाम आजम अंसारी है। जानकारी के मुताबिक वह बीते तीन साल से धागा फैक्ट्री में काम कर रहा था। चेन्नई में आग से झुलसने के बाद उसे इलाज के लिए ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। उसके शव को लाने की तैयारी चल रही है। घटना की जानकारी उसके साथी साजिद खान ने घरवालों को दी। चेन्नई में ही दूसरी कंपनी में काम कर रहे मुजरकर के परिचित और जामताड़ा निवासी साजिद खान ने बताया कि मुजरकर तीन साल से वहां काम कर रहा था। घटना के दिन उसकी नाईट शिफ्ट थी। वह काम करने पहुंचा था। मुजरकर अपने साथियों के लिए कारखाना कैंपस के किचन में रात 3 बजे चाय बनाने पहुंचा। उसे कुछ दिनों से जुकाम भी हुआ था। इससे उसका नाक भी जाम था। वह किचन में गैस लीक की गंध को भांप नही पाया और जैसे ही उसने लाइट का स्विच ऑन किया गैस सिलिंडर में आग लग लई। जिसके बाद उसे आनन-फानन में इलाज के लिए ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही उसके गांव-परिवार में शोक की लहर दौर गई। जानकारी के मुताबिक वह जामताड़ा में अपना मकान भी बनवाने वाला था। बहन की शादी की तैयारी में भी लगा हुआ था। मुजरकर के करीबी रिश्तेदार ओबैद अंसारी ने बताया कि उनके घर में मां, पिताजी, पत्नी और तीन साल का एक छोटा बच्चा है।

एसआई नियुक्ति आदेश जारी करने 120 किमी पैदल तिरंगा यात्रा

बिलासपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में एसआई भर्ती नियुक्ति आदेश जारी करने की मांग को लेकर रविवार को कैंडिडेट्स बिलासपुर से रायपुर पैदल तिरंगा यात्रा पर निकले। 120 किलोमीटर पैदल चलकर रायपुर पहुंचेंगे। प्रतियोगियों ने बताया कि प्रदेश भर के 1300 उम्मीदवार चयनित हो चुके हैं। लेकिन, हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी उन्हें नियुक्ति आदेश नहीं दिया गया। अब मुख्यमंत्री से मिलकर नियुक्ति आदेश जारी करने की मांग करेंगे। कैंडिडेट्स के मुताबिक पिछले 6 साल से एसआई भर्ती प्रक्रिया अटकी है। साल 2018 में एसआई, प्लाटून कमांडर सहित 975 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की थी। कई चरणों में भर्ती के लिए एग्जाम लिए गए, जिसमें शारीरिक दक्षता परीक्षा, एंट्रेस एग्जाम और मुख्य परीक्षा मई

2023 में आयोजित की गई। जिसके बाद सितंबर में साक्षात्कार के बाद चयन सूची जारी की गई थी। लेकिन नियुक्ति आदेश जारी नहीं किया गया। नियुक्ति आदेश जारी नहीं होने से परेशान होकर चयनित उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें बताया था कि भर्ती की सभी प्रक्रिया पूरी हो गई है और मेरिट लिस्ट भी जारी कर दी गई है। नियुक्ति और पोस्टिंग आदेश जारी करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री, राज्यपाल सहित नेताओं से मुलाकात की थी, जिसके बाद भी नियुक्ति आदेश जारी नहीं किया गया। हस्तक्षेपकर्ता प्रतियोगियों की तरफ से उनके वकील ने अर्जेंट हियरिंग के लिए आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने राज्य शासन को चुनाव आयोग से अनुमति लेकर नियुक्ति आदेश जारी किया था।

11.76 लाख किसानों को मिले 3,716 करोड़

सीएम साय ने धान बोनस की राशि ट्रांसफर की, आयुष्मान भारत में अब 10 लाख तक फ्री इलाज

रायपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रमन सिंह सरकार में चल रही योजनाओं चरण पादुका, साड़ी वितरण और आयुष्मान योजना को फिर से शुरू करने का ऐलान किया है। इन योजनाओं को भूपेश बघेल सरकार में बंद कर दिया गया था। इसके साथ ही सीएम साय ने आयुष्मान भारत योजना की राशि को 5 से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने की घोषणा की है। रायपुर के बेंद्री गांव में हो रहे राज्य स्तरीय धान बोनस वितरण कार्यक्रम में इससे पहले सीएम साय ने छत्तीसगढ़ के 11 लाख 76 हजार 815 लाख किसानों के खाते में 3716 करोड़ 38 लाख 96 हजार रुपए ट्रांसफर किए। किसानों को प्रति क्विंटल 300 रुपए की दर से बोनस राशि दी गई है। हमने मोदी गारंटी में वादा किया था कि बकाया

बोनस देंगे। सब किसानों के खाते में राशि ट्रांसफर कर दी है। भाजपा जो कहती है, वो करती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भारत माता की जय और जय जवान-जय किसान के साथ अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि, आज ऐतिहासिक दिन है। हमारे छत्तीसगढ़ के निर्माता और भाजपा के संस्थापक अटल बिहारी का जन्मदिवस है, जिसे पूरा देश सुशासन दिवस के रूप में मना रहा है। इससे पहले कार्यक्रम स्थल पर लगी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

वहीं डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को हम सुशासन दिवस के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि, गांव-गांव सड़कें, किसान को क्रेडिट कार्ड अटल जी ने सोचा तो मिला। हम उनके सपनों को साकार कर रहे हैं।

सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे सर्बिया के लोग

बेलग्रेड सिटी हॉल में घुसे प्रदर्शनकारी

बेलग्रेड, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। यूरोपीय देश सर्बिया में इन दिनों सरकार विरोधी प्रदर्शन बड़े पैमाने पर हो रहे हैं। रविवार को तो प्रदर्शनकारियों ने बेलग्रेड की ऐतिहासिक इमारत सिटी हॉल में घुसने की कोशिश की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों से झड़प भी हुई और आखिरकार सुरक्षाबल प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने में सफल रहे। बता दें कि प्रदर्शनकारियों की मांग है कि हाल ही में हुए चुनाव को अवैध घोषित किया जाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली हुई थी। सर्बिया में बीती 17 दिसंबर को आम चुनाव नतीजों का एलान किया गया था। इस चुनाव नतीजों में भी राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिक की सरकार की सत्ता में वापसी हुई। वुसिक की पार्टी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी ने 47 फीसदी वोट पाकर फिर से सत्ता हासिल की। वहीं विरोधी पार्टी सर्बिया अगेंस्ट वॉयलेंस को 23.5 फीसदी वोट मिले। अन्य सोशलिस्ट पार्टी ऑफ सर्बिया को 6.56 फीसदी वोट मिले हैं। हालांकि विपक्षी पार्टियों के समर्थक इन नतीजों से खुश नहीं हैं और चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर चुनाव को अवैध घोषित कर दोबारा चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राष्ट्रपति वुसिक ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए मतपेटियों में गड़बड़ी कराई। कई अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने भी ऐसा ही दावा किया है। चुनाव नतीजे आने के बाद से ही सरकार और राष्ट्रपति वुसिक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। रविवार की शाम सैंकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बेलग्रेड शहर की ऐतिहासिक प्रशासनिक इमारत बेलग्रेड सिटी हॉल में घुसने की कोशिश की। वहीं राष्ट्रपति वुसिक ने चुनाव में धांधली के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

रविवार को सरकारी टीवी पिंक टीवी पर दिए अपने भाषण में राष्ट्रपति वुसिक ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी देश को अशांत करना चाहते हैं लेकिन वह इसमें सफल नहीं होंगे। रविवार को हुए प्रदर्शन के बाद पुलिस ने 35 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि बीते मई में भी सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों में मास शूटिंग में मारे गए 18 लोगों के मुद्दे पर, महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा था।

चीन में भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा 149 हुआ

बीजिंग, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन में भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा 149 हो गया है और दो लोग अभी भी लापता हैं। बता दें कि चीन के उत्तर पूर्वी हिस्से में बीती 18 दिसंबर को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया था। यह इस क्षेत्र में बीते नौ सालों का सबसे ताकतवर भूकंप था, जिसमें भारी तबाही हुई। इस भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। जिससे चीन के गानसू प्रांत के जिशीशान काउंटी, मिन्हे काउंटी और पड़ोसी राज्य किनघई में काफी नुकसान हुआ। किनघई राज्य में इस भूकंप से 32 लोगों की मौत हुई है और दो अभी लापता हैं। यहां 200 लोग घायल भी हुए हैं। वहीं गानसू राज्य में 117 लोगों की मौत हुई है और 781 लोग घायल हैं। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने शनिवार को भूकंप प्रभावित इलाकों का दौरा किया। घायलों में 17 लोगों की हालत गंभीर है, ऐसे में मृतकों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। चीन में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है, ऐसे में सरकार भूकंप प्रभावितों को बड़े पैमाने पर राहत सामग्री बांट रही है। जिनमें गर्म बिस्तर और कपड़े भी शामिल हैं। इससे पहले साल 2014 में चीन के युन्नान प्रांत में भूकंप आया था, जिसमें 617 लोगों की मौत हुई थी।

यीशु के घर क्रिसमस सेलिब्रेशन नहीं

बेथलहम में इनक्यूबेटर में दिखे जीसस, हमास की सुरंगों में मिले 5 इजराइली बंधकों के शव

तेल अवीव, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग के बीच क्रिसमस सीलिब्रेशन फीका पड़ गया है। इजराइली कंट्रोल वाला फिलिस्तीनी शहर बेथलहम प्रभु यीशु का जन्मस्थल है। यहां सड़कों पर रौनक नहीं है। अंधेरा और सन्नाट पसरा हुआ है। ईसा मसीह के जन्मदिन यानी क्रिसमस की खुशी यहां देखने को नहीं मिली।

इस बीच फिलिस्तीनी आर्टिस्ट राणा बिशारा ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर बेथलेहम में 'चर्च ऑफ द नेटिविटी' के सामने एक इनक्यूबेटर के अंदर कांटों से घिरे यीशु मूर्ति दिखाई, जिसमें ईसा मसीह नवजात शिशु के रूप में दिखाए गए। बिशारा ने मैंगर स्क्वायर में अपने इस सांकेतिक कलाकृति को प्रदर्शित किया।

बेथलहम के चर्च में क्रिसमस ट्री नहीं सजी

बेथलहम के किसी भी चर्च में क्रिसमस ट्री नहीं सजी। वहीं, इवेंजेलिकल लूथरन चर्च में एक झांकी बनाई गई है। इसमें पत्थरों के बीच नवजात प्रभु यीशु दिख रहे हैं।चर्च के पादरी फादर डॉ. मुंथर इशाक ने बताया कि यह झांकी फिलिस्तीनियों की स्थिति दिखाती है। यह जंग में मारे गए नवजातों, मलबे से निकाले गए बच्चों को समर्पित है।

हमास के टनल तबाह कर रही सेना

इधर, गाजा सिटी में इजराइली सेना को एक सुरंग में बंधक बनाए गए 5 लोगों के शव मिले हैं। सेना ने कहा- हमारा मकसद हमास के साथ उसके टनल नेटवर्क को तबाह करना है। रविवार शाम हमें एक सुरंग में 5 लोगों के शव मिले। इन लोगों को हमास आतंकियों ने 7 अक्टूबर को बंधक बनाया था।

जंग के बारे में फैसला बाहरी ताकतें नहीं करेंगी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कर दिया है कि उनका देश हमास के खिलाफ जारी जंग में किसी दूसरे देश के दबाव में नहीं आएगा। रविवार को मीडिया से बातचीत में नेतन्याहू ने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मेरी बातचीत हुई है। मैंने उन्हें बता दिया है कि इजराइल इस बार अपने टारगेट हासिल किए बिना जंग बंद नहीं करेगा।

दूसरी तरफ, इजराइल ने अब गाजा और लेबनान में एक साथ हमले शुरू कर दिए हैं। इसकी वजह यह है कि लेबनान के हिजबुल्लाह गुट को ईरान से हथियार मिल रहे हैं और वो हमास की मदद के लिए इजराइल पर बड़े हमले कर रहा है।

बंधकों को छुड़ाना पहला टारगेट

नेतन्याहू ने कहा- जिन लोगों को अमेरिका और इजराइल के बीच बातचीत पर कयास लगाने हैं, उन्हें रोका नहीं जा सकता। सच्चाई ये है कि अमेरिका ने हमसे अब तक सीजफायर के लिए नहीं कहा। खुद प्रेसिडेंट बाइडेन कह चुके हैं कि उन्होंने इजराइल से सीजफायर के लिए नहीं कहा। कम से कम अब तो इस तरह के कयास नहीं लगाए जाने चाहिए।

इजराइली प्रधानमंत्री ने आगे कहा- हमारे 1200 नागरिक मारे गए। बच्चों और महिलाओं को दरिंदगी का निशाना बनाया गया। अब गाजा में जंग तब तक नहीं रुकेगी, जब तक हम अपने सभी टारगेट हासिल नहीं कर लेते। सबसे पहले बंधकों को छुड़ाएंगे और इसके साथ ही हमास का पूरा खात्मा किया जाएगा।

इस बारे में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए। मैंने प्रेसिडेंड बाइडेन से भी कहा है कि जब तक पूरी जीत हासिल नहीं होगी, इजराइल रुकने वाला नहीं है। अमेरिका को इस बारे में हर चीज बताई जा चुकी है। कोई दूसरा देश हमें आदेश नहीं दे सकता। दबाव नहीं डाल सकता।

यूक्रेन में युद्ध रोकने को तैयार हैं रूसी राष्ट्रपति पुतिन

गुपचुप तरीके से दूत के जरिए भेजा संदेश, रिपोर्ट

मॉस्को, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में कहा है कि वह यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस के लक्ष्य नहीं बदले हैं। हम जंग जारी रखेंगे और जो हमारा है उसे हम नहीं छोड़ेंगे। सार्वजनिक तौर पर भले ही पुतिन यूक्रेन पर हमलावर दिख रहे हों लेकिन बैक-चैनल कूटनीति के तहत वह एक अलग संदेश भेज रहे हैं। वह यूक्रेन में सीजफायर की डील करने के लिए तैयार हैं। पुतिन सितंबर के महीने से मध्यस्थों के माध्यम से संकेत दे रहे हैं कि वह युद्धविराम चाहते हैं। जिसके तहत वर्तमान में जो बॉर्डर हैं, उन्हीं लाइनों के साथ लड़ाई को रोक दिया जाएगा।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने क्रेमलिन और अमेरिका के करीबी दो पूर्व वरिष्ठ रूसी अधिकारियों और अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से की गई रिपोर्ट में ये दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक इन दोनों अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों को पुतिन के दूतों का संदेश मिला है। जिसमें युद्ध विराम की इच्छा जताई गई है। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि पुतिन ने एक साल पहले, 2022 के अंत में भी युद्धविराम समझौते के लिए संदेश भेजे गए थे। एक बार फिर पुतिन ने संकेत दिया कि वह रूस के कब्जे वाले क्षेत्र से संतुष्ट हैं और युद्धविराम के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट में कब्जा किए इलाकों पर बातचीत का जिक्र नहीं

रिपोर्ट में इस बात का कोई संकेत नहीं है कि युद्ध विराम पर बात होती है तो कब्जा किए गए क्षेत्रों को वापस किया जाएगा या नहीं। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई कि पुतिन अपना मन बदल सकते हैं। यूक्रेन को इस युद्ध में अमेरिका से लगातार मदद मिलती रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की ओर से यूक्रेन को हर संभव मदद की घोषणा की गई है। हालांकि अब अमेरिका में भी युद्ध विराम की बात उठ रही है। अमेरिका की ओर से यूक्रेन को की जा रही फंडिंग जारी रखने पर कई संगठन और आम लोग एतराज जता रहे हैं।

बता दें कि यूक्रेन और रूस के बीच लड़ाई को करीब दो साल हो गए हैं। फरवरी, 2022 में रूस ने पड़ोसी यूक्रेन पर आक्रमण किया था। उस समय माना गया था कि ये जंग ज्यादा लंबी नहीं चलेगी और जल्दी ही रूसी सेना यूक्रेन के ज्यादातर हिस्सों पर नियंत्रण कर लेगी। इसके उलट यूक्रेन ने लगातार लड़ाई की है और लगातार रूस को टक्कर दी है। करीब दो साल से जारी युद्ध के अभी भी खत्म होने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं।

कैब ड्राइवर सामान लेकर भागा

बिना वीजा और बैंक कार्ड के अमेरिका में फंसी भारतीय छात्रा

वॉशिंगटन, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में एक भारतीय छात्रा ने दावा किया है कि एक कैब ड्राइवर उसका सामान लेकर भाग गया है, जिसके चलते वह बिना वीजा, बैंक कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेजों के अमेरिका में फंस गई है। भारतीय छात्रा अमेरिका से भारत वापस आ रही थी, जब उसके साथ यह घटना घटी। छात्रा ने सोशल मीडिया पोस्ट कर मदद मांगी है।

भारतीय छात्रा श्रेया वर्मा अमेरिका की हावर्ड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ डिजाइन से स्नातक कर रही हैं। हाल ही में वह भारत में अपने माता-पिता के पास आने के लिए लोगान इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए निकलीं थी। श्रेया ने एयरपोर्ट जाने के लिए एलवाईएफटी एप से एक कैब बुक की थी। इसी दौरान धोखे से श्रेया का सारा सामान लेकर कैब ड्राइवर फरार हो गया।

पीड़ित छात्रा ने सोशल मीडिया पर बताई आपबीती

इसके बाद श्रेया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपनी आपबीती साझा की है। भारतीय छात्रा का दावा है कि उसे 30 हजार डॉलर का नुकसान हुआ है और अब वह बिना वैध दस्तावेजों, पैसों के बिना अमेरिका में फंस गई है। श्रेया ने लिखा कि मैं एलवाईएफटी के कस्टमर केयर से लगातार मदद मांग रही हूं लेकिन दुर्भाग्य से ड्राइवर से संबंधित अहम जानकारी नहीं मिल पा रही है, जिससे परेशानी बढ़ गई है। मैं लिफ्ट से अपील करती हूं कि वह ड्राइवर से संपर्क करें और मेरा सामान जल्द लौटाएं।' श्रेया ने लिखा कि कंपनी से जरूरी जानकारी मिलने के बाद वह इसे लेकर कैंब्रिज पुलिस से शिकायत करूंगी ताकि कानूनी कार्रवाई भी हो सके।

भारतीय छात्रा ने अपने पोस्ट में लिफ्ट कंपनी के स्टाफ द्वारा अपेक्षित मदद नहीं मिलने पर निराशा भी जाहिर की और लिखा कि अगर कंपनी जरूरी मदद नहीं देती है तो वह कानूनी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होंगी। वहीं लिफ्ट कंपनी के सीईओ डेविड रिशेर ने श्रेया के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी और परेशानी के लिए माफी मांगी। रिशेर ने लिखा कि 'हमारी टीम ड्राइवर का पता लगाने में जुटी है।'

अशांति का फायदा उठा रहा चीन

बंगाल की खाड़ी में प्रवेश द्वार, सेना को हथियार, विद्रोहियों की भी मदद

म्यांमार, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। अपनी ताकत के विस्तार करने में जुटा चीन अपने पड़ोसी देशों की आंतरिक अशांति का भी फायदा उठा रहा है। फरवरी 2021 में जब म्यांमार की सेना ने चुनी हुई सरकार को हटाकर सत्ता पर कब्जा कर लिया, तो चीन ने इसे 'बड़ा कैबिनेट फेरबदल' कहा था।

इस तख्तापलट के बाद म्यांमार में गृहयुद्ध में हजारों लोग मारे गए और 20 लाख लोग विस्थापित हुए। इसके बावजूद चीन ने म्यांमार की सेना (जुंटा) को 2 हजार करोड़ रु. के हथियार बेचे हैं।

वहीं, विद्रोही गठबंधन थ्री ब्रदरहुड ने उत्तरी म्यांमार में चीन की सीमा से लगे जुंटा के 200 ठिकानों और 4 सीमा क्रॉसिंग पर कब्जा कर लिया। जानकारों का कहना है कि चीन विद्रोहियों की भी मदद कर रहा है। इससे पहले, चीन के आग्रह के बावजूद म्यांमार ने उत्तरी हिस्से में बढ़ रहे अपराधों को रोकने के लिए कदम नहीं उठाए थे।

भारत की चिंता यह है कि चीन म्यांमार के विद्रोहियों के जरिए पूर्वोत्तर भारत में अशांति फैला सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीजिंग गुप्त रूप से विद्रोही समूहों और पूर्वोत्तर में सक्रिय विद्रोहियों का समर्थन कर रहा है। कई विद्रोही नेताओं की चीन ने मेजबानी की और उन्हें प्रशिक्षण भी दिया गया है। आंतरिक अशांति के बावजूद चीन ने म्यांमार में सड़कों, रेलवे, पाइप लाइनों और बंदरगाहों का एक नेटवर्क बनाने की योजना का तेजी से विस्तार किया है। जिसके जरिए चीन की हिंद महासागर तक सीधी पहुंच मिल रही है। चीन बंगाल की खाड़ी में स्थित मलक्का जलडमरूमध्य के चोक-पॉइंट के विकल्प के रूप में देखता है, जिसके माध्यम से चीन से अधिकांश समुद्री व्यापार होता है।

चीन ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना में 2.9 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करने का वादा किया है। वहीं, भारत अपने उत्तर-पूर्व और म्यांमार के बीच सड़क और समुद्री संपर्क में 4 हजार करोड़ रुपए के निवेश करने की योजना बना रहा है।

1948 में जब से म्यांमार को आजादी मिली है, उसकी सरकार 2,000 किमी लंबी उत्तरी जंगली सीमा क्षेत्र को सही तरह नियंत्रित करने में विफल रही है। इस कारण से म्यांमार सीमा से लगे चीनी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का निवेश खतरे में था।

ईरान ने नकारा अरब सागर में तेल टैंकर पर ड्रोन हमले का दावा

अमेरिका के आरोपों को बताया बेबुनियाद

तेहरान, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। शनिवार को हिंद महासागर में मालवाहक जहाज पर ड्रोन के हमले के बाद से भारतीय नौसेना सतर्क हो गई है। अमेरिका ने इस हमले का आरोपी ईरान पर लगाया है। इसी बीच, सोमवार को ईरान ने अमेरिका के गंभीर आरोपों को खारिज कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका के लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं। बता दें 23 दिसंबर को गुजरात तट के पास अरब सागर में एक रासायनिक टैंकर पर हमला किया था।

अमेरिका के आरोप बेबुनियाद- ईरान विदेश मंत्रालय

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की प्रतिक्रिया उस वक्त सामने आई जब अमेरिका ने रासायनिक टैंकर का आरोपी ईरान को ठहराया था। बता दें यह घटना शनिवार सुबह लगभग 10 बजे वेरावल से लगभग 200 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में हुई। हालांकि इस हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन जहाज को खासा नुकसान पहुंचा है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दिए पेंटागन के प्रवक्ता के बयान के मुताबिक, जहाज पर ईरान की ओर से दागे गए एकतरफा हमले वाले ड्रोन ने आक्रामण किया था। लाइबेरिया के झंडे लगा हुआ केम प्लूटो जहाज ईरान से दागे गए ड्रोन हमले का शिकार हो गया है।

बता दें कि तेल टैंकर पर हमला शनिवार सुबह करीब 10 बजे हुआ। टैंकर पर सवार चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं, जिनमें करीब 20 भारतीय भी शामिल हैं।

मैदान में उतरे बिना जंग लड़ने की तैयारी में चीन

भारत, अमेरिका का मुकाबला करने बायोवेपन एआई का सहारा ले रहा, ब्रेन वॉरफेयर यूनिट बनाई

बीजिंग, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन की सेना मैदान में उतरे बिना ही जंग लड़ने की तैयारी कर रही है। सेना भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों का मुकाबला करने के लिए बायोवेपन, एआई का सहारा ले रहा है। इसके लिए चीनी सेना पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने ब्रेन वॉरफेयर यूनिट बनाई है। यह यूनिट ऐसे हथियारों का इस्तेमाल करेगी, जिनसे दुश्मन सैनिकों के दिमाग को कंट्रोल किया जा सकता है।

रिसर्च ग्रुप सीसीपी बायोथ्रेट्स इनिशिएटिव की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रेन वॉरफेयर यूनिट चीन के मनोवैज्ञानिक युद्ध रणनीति का एक हिस्सा है। इसमें दिमाग से नियंत्रित होने वाले हथियारों से दुश्मन पर वार किया जाएगा। इन हथियारों को बनाने में पीएलए ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है। सीसीपी बायोथ्रेट्स इनिशिएटिव की एक रिपोर्ट के मुताबिक कुछ हथियारों में दुश्मन को सुलाकर ने क्षमता होगी। ये सीधे मानव शरीर के कॉग्नेटिव फंक्शन (संज्ञानात्मक कार्य) पर असर करेंगे। इससे दुशमन देश के सैनिकों की सतर्कता भंग हो जाएगी और उन्हें नींद आने लगेगी। ऐसा करने के लिए ये हथियार इलेक्ट्रोमेग्नेटिक एनर्जी का इस्तेमाल करेंगे।

हथियारों से 'सॉफ्ट किल रेडियो वेव' निकलेगी, जिससे दुशमन देश के सैनिक सोने लगेंगे। यह चीन के लिए फायदेमंद होगा क्योंकि चीन के सैनिक खुदको इस हथियार से बचाने के लिए एंटी-स्लीप ग्लास का इस्तेमाल करेंगे। सेना ऐसे चश्में बना रही है जिस पर इन हथियारों का असर न हो और वो सो न सकें।

'द सन' में रिसर्च ग्रुप की रिपोर्ट के हवाले से लिखा गया- चीनी सेना ऐसी मशीन भी बना रही है जो दिमाग और एक्सटर्नल टेक्नोलॉजी को सीधे जोड़ सके। इससे चीन को कॉग्नेटिव प्रोसेस और फंक्शन को नियंत्रित करने की क्षमता मिलेगी। आसान शब्दों में कहा जाए तो इस मशीन से सैनिकों के व्यवहार को नियंत्रित किया जा सकेगा। रिपोर्ट के मुताबिक चीन किसी भी देश के साथ जंग की स्थिति में एडवांस माइंड कंट्रोल वेपन्स का इस्तेमाल करेगा। यह कदम युद्ध में महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक आयाम लाएगा। ये एडवांस माइंड कंट्रोल वेपन्स चीनी सैनिकों के दिमाग से नियंत्रित होंगे और विरोधी सैनिकों के दिमाग में हेरफेर करने की कोशिश करेंगे।

फ्रांस से आज उड़ान भर पाएगा 300 भारतीयों का विमान

3 दिन की हिरासत के बाद जज ने दी जाने की इजाजत, भारत लाए जाने की पुष्टि नहीं

पेरिस, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मानव तस्करी के शक में फ्रांस में रोका गया 300 भारतीयों वाला प्लेन अब वहां से उड़ान भर सकता है। फ्रांस की एक कोर्ट के आदेश के बाद उसे उड़ान भरने की इजाजत दे दी गई है। हालांकि, ये नहीं बताया गया है कि ये विमान कहां के लिए रवाना हो सकता है। बार एसोसिएशन के हेड ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि यात्रियों को भारत भेजा जाएगा। इसकी न तो फ्रांस और न ही भारत के अधिकारियों ने पुष्टि की है। रविवार को 4 जजों ने हिरासत में रखे गए यात्रियों से पूछताछ करने बाद विमान के रवाना हो सकने के आदेश दिए। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक प्लेन में मौजूद 2 लोग प्लेन में ट्रैवल कर रहे 300 लोगों से अलग हैं। इनसे कड़ाई से पूछताछ की गई थी। वहीं, 10 लोगों ने फ्रांस से उन्हें शरण देने की मांग की। सभी लोग कामगार बताए गए हैं, जिन्हें निकारागुआ के रास्ते अमेरिका और कनाडा भेजा जा रहा था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 300 भारतीयों में से 11 भारतीय नाबालिग हैं, जिनके माता-पिता उनके साथ नहीं हैं। वहीं, रिपोर्ट के मुताबिक प्लेन में सवार ज्यादातर भारतीय पंजाब और गुजरात के बताए गए हैं। मामले को लेकर एक रिपोर्ट भारत सरकार को भेजी गई है। दुबई से निकारागुआ जा रहे भारतीय नागरिकों वाला विमान वेट्री एयरपोर्ट पर ईंधन भरने के लिए उतरा था। इस दौरान फ्रांस के अधिकारियों को सूचना मिली की इसमें मानव तस्करी के पीड़ितों को ले जाया जा रहा है, जिसके बाद फ्लाइट को उड़ान भरने से रोक दिया गया। वेट्री एयरपोर्ट पर रिसेप्शन हॉल को वेटिंग एरिया में बदल दिया गया और सभी यात्रियों को वहां रखा गया। यहां बच्चों के लिए एड-हॉक ट्यूयर भी रखे गए थे। पूरे इलाके को कवर कर रखा गया था।

फ्रांस ने सभी लोगों के लिए एयरपोर्ट पर ही रहने और खाने की व्यवस्था की है। बच्चों की पढ़ाई के लिए एड-होक ट्यूटर रखे गए हैं। यहां रोज भारत के अधिकारी उनसे मुलाकात कर रहे हैं। फ्रांस में विदेशी नागरिकों को 4 दिन से ज्यादा हिरासत में नहीं रख सकते हैं। इसके लिए जज से परमिशन लेनी पड़ती है, जो उनकी हिरासत को 8 दिन बढ़ा सकते हैं। हालांकि, गंभीर मामलों में हिरासत का वक्त 24 दिन भी किया जा सकता है। वहीं, फ्रांस ने फ्लाइट ऑपरेट कर रहे प्राइवेट जेट के क्रू मेंबर्स से भी पूछताछ की है। इसके बाद उन्हें आजाद कर दिया गया है।

ताइवान को तिल-तिल तड़पाने की तैयारी में जिनपिंग

चीनी नौसेना ने की घेराबंदी, एशिया में होगी जंग?

बीजिंग, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की धमकी अब सच साबित होने लगी है। जिनपिंग ने पिछले महीने सैन फ्रांसिस्को में बाइडन के साथ शिखर सम्मेलन के दौरान ताइवान को लेकर धमकी दी थी। उन्होंने ने बाइडन से चेतावनी भरे लहजे में कहा था कि बीजिंग ताइवान को मुख्य भूमि चीन के साथ फिर से जोड़ देगा। जिनपिंग ने यहां तक कह दिया था कि ताइवान को मुख्य भूमि चीन में शामिल करने का समय अभी तय नहीं किया गया है। इस बयान के खुलासे के बाद से ही ताइवान के नजदीक चीनी नौसेना और वायु सेना की गतिविधियां काफी ज्यादा बढ़ गई हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने अपने देश के आसपास चार चीनी युद्धपोतों और दो सैन्य विमानों को ट्रैक किया। सिर्फ दिसंबर महीने में चीन ने अब तक ताइवान के आसपास 222 लड़ाकू और बॉम्बर एयरक्राफ्ट और 137 नौसैनिक युद्धपोत भेजे हैं। ताइवान न्यूज के अनुसार, चीनी नौसेना के जहाजों और विमानों को रविवार (24 दिसंबर) सुबह 6 बजे से सोमवार (25 दिसंबर) सुबह 6 बजे के बीच पूरे ताइवान में ट्रैक किया गया। एमएनडी के अनुसार, ताइवान ने चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की कार्रवाइयों पर नजर रखने के लिए लड़ाकू विमानों और नौसेना के जहाजों को भेजने के साथ-साथ एयर डिफेंस मिसाइलों को तैनात कर दिया।

प्रलय के बाद यहूदियों से पहली बार इतनी बर्बरता

इजरायली पीएम की पत्नी ने पोप को लिखा पत्र

तेल अवीव, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी हिंसक संघर्ष के कारण हालात काफी दयनीय हैं। इस्राइल और हमास के बीच ढाई महीने से अधिक समय से जारी युद्ध के कारण 20 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस अभूतपूर्व मानवीय संकट से चिंतित इस्राइली प्रधानमंत्री की पत्नी सारा नेतन्याहू ने पोप फ्रांसिस को पत्र लिखा है। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर लिखे पत्र में सारा ने पोप से हमास के कब्जे में फंसे बंधकों को रिहा कराने की अपील की। उन्होंने दावा किया, हमास ने अभी भी 129 पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को बंधक बना रखा है। बता दें कि इस्राइली सेना (आईडीएफ) आतंकी संगठन-हमास के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। नेतन्याहू की पत्नी ने गाजा में बंधक बनाए गए मासूम नागरिकों की बिना शर्त रिहाई के मामले में पोप फ्रांसिस से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रलय के बाद यहूदियों से पहली बार इतनी बर्बरता हुई है। इसके खिलाफ वैश्विक समुदाय को एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों पर की गई बर्बरता का उल्लेख करते हुए कहा कि हमास ने अकारण हमले के दौरान निर्दोष नागरिकों का नरसंहार हुआ है। पीएम नेतन्याहू की पत्नी सारा ने कहा कि हमले को 78 दिन बीत चुके हैं और 129 बंधकों को अभी भी रिहा नहीं किया गया है। कई बंधक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम हैंडल पर 24 दिसंबर को लिखे पत्र की प्रति भी साझा की।

'हम कुछ भी नहीं बदलेंगे...', कांग्रेस ने लगाया योजनाएं बदलने का आरोप तो सीएम भजनलाल ने दिया जवाब

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। सीएम भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कांग्रेस कहती है कि हम उनकी योजनाएं बदल देंगे मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम कुछ भी नहीं बदलेंगे। उन्होंने आगे कहा वास्तव में हम योजनाओं को बेहतर तरीके से सुधारने और लागू करने के लिए काम करेंगे। हमने आयुष्मान योजना का कवर बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया है।

एएनआई, जयपुर। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 'सुशासन दिवस' कार्यक्रम को संबोधित किया। सीएम भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, "कांग्रेस कहती है कि हम उनकी योजनाएं बदल देंगे, मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम

कुछ भी नहीं बदलेंगे।"

उन्होंने आगे कहा, वास्तव में, हम योजनाओं को बेहतर तरीके से सुधारने और लागू करने के लिए काम करेंगे। हमने आयुष्मान योजना का कवर बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया है। हम योजना के तहत कवर को 25 लाख रुपये तक बढ़ाने के लिए काम करेंगे... हम इसे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। योजना के तहत दवाइयां। हम सिर्फ काम नहीं करेंगे, हम आगे बढ़ने के लिए काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराई जाती रहेंगी और आवश्यक दवाओं की संख्या भी बढ़ाई जायेगी। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा, "वाज्यपी ने गरीबों के कल्याण के लिए योजनाएं बनाईं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पहल को आगे बढ़ाया।"

सीएम ने राजकीय सवाई मान सिंह अस्पताल का भी औचक निरीक्षण किया

बीजेपी के दिग्गज नेता वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को हुआ था और उनका निधन 16 अगस्त 2018 को हुआ था। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और पार्टी के अन्य नेताओं ने भी वाजपेयी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीएम ने राजकीय सवाई मान सिंह अस्पताल का भी औचक निरीक्षण किया और अधिकारियों को सुविधा की स्थिति में सुधार करने के निर्देश दिए।

नेता प्रतिपक्ष के लिए कांग्रेस किस पर खेलेगी दांव
क्या गहलोत की पसंद होंगे अशोक?

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में पहले ही नेता प्रतिपक्ष के नाम घोषित कर चुकी कांग्रेस अब तक राजस्थान के मामले में कोई फैसला नहीं कर पाई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले सप्ताह में कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष का नाम पर फैसला ले लेगी।

लोकसभा चुनावों से पहले संगठन में बड़ा फेरबदल करने वाली कांग्रेस से राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष कौन होगा इसका फैसला अगले सप्ताह होने की संभावना है। यूं तो नेता प्रतिपक्ष के की दौड़ में कई नाम हैं लेकिन सूत्रों की मानें तो नेता प्रतिपक्ष के नाम पर भी आलाकमान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की राय को तरजीह दे सकता है।

नेता प्रतिपक्ष कौन होगा इसका

फैसला अगले सप्ताह हो जाएगा लेकिन इससे पहले ही पार्टी के दो कद्दावर नेता इस दौड़ से बाहर हो चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को नेशनल अलायंस टीम में शामिल कर लिया गया है, वहीं सचिन पायलट को भी राजस्थान से हजार किमी दूर छत्तीसगढ़ के प्रभारी की जिम्मेदारी दे दी गई है। ऐसे में कांग्रेस किसे नेता प्रतिपक्ष चुनती है, इस पर नजर है।

यदि प्रतिपक्ष का नेता चुने जाने के कयास लगाए जाएं तो हिंडौली विधायक अशोक चांदना का नाम सबसे आगे है।

हालांकि मुकाबले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, बायतू विधायक हरीश चौधरी, एसटी वर्ग से मजेंद्र जीत मालवीय, मुरारीलाल मीणा और एससी में टीकाराम जूली के नाम भी शामिल हैं। लेकिन पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष का पद जाट नेता गोविंद सिंह डोटासरा के पास है तो संभावना इस बात की है कि यहां किसी गैर जाट को यह जिम्मेदारी दी जाए।

चांदना की संभावना अधिक

तीन बार विधायक रह चुके अशोक चांदना राहुल गांधी की युवा टीम का हिस्सा रह चुके हैं और इस बार के विधानसभा चुनावों में उन्होंने भाजपा के दिग्गज प्रभुलाल सैनी को हराया है। इसके अलावा विधानसभा में चांदना का ट्रेक रिकॉर्ड भी शानदार रहा है। सबसे बड़ा प्लस प्वाइंट यह भी है कि अशोक गहलोत भी चांदना को आगे बढ़ाना चाहते हैं। सचिन पायलट के विकल्प के तौर पर कांग्रेस पास गुर्जर समाज से आने वाले सबसे कद्दावर नेता चांदना ही हैं।

बीजेपी विधायक बोले- "गुंडों को मारेंगे गोली एनकाउंटर को लेकर सरकार ने बना दिया है कानून"

भीलवाड़ा, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सत्ता परिवर्तन के साथ सत्ता में आई बीजेपी के विधायक भी अब रिवाज बदलने पर उतर आए हैं. अपराध की रोकथाम को लेकर वादे करने वाली पार्टी के विधायक चुनाव जीतने के बाद अब एनकाउंटर की बात कह रहे हैं.

भीलवाड़ा जिले के माण्डल से बीजेपी विधायक उदयलाल भड़ाना ने कहा कि अब सरकार गुंडो को जेल में डालेगी और नहीं मानेंगे तो गोली मारकर एनकाउंटर कर देंगे

राजस्थान में सत्ता परिवर्तन के साथ सत्ता में आई बीजेपी के विधायक भी अब रिवाज बदलने पर उतर आए हैं. अपराध की रोकथाम को लेकर वादे करने वाली पार्टी के विधायक चुनाव जीतने के बाद अब एनकाउंटर की बात कह रहे हैं.

ऐसी ही एक वीडियो बीजेपी विधायकों का सामने आया है. जिन्होंने एनकाउंटर की खुलेआम

बात कह दी. बीजेपी एमएलए ने कहा कि अब गुंडों को गोली मार कर एनकाउंटर करेंगे.

यह वीडियो है भीलवाड़ा जिले के माण्डल के भाजपा विधायक उदयलाल भड़ाना का, जो एक समारोह में यह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि अब सरकार गुंडो को जेल में डालेगी और नहीं मानेंगे तो गोली मारकर एनकाउंटर कर देंगे.

दिनेश एमएन का भी किया जिक्र

मांडल विधानसभा क्षेत्र में एक समारोह में बोलते हुए विधायक भड़ाना ने कहा "अब रेत माफिया को हाथ-पैर तोड़ने और गुंडागर्दी की छूट नहीं है. राजस्थान में सरकार बनते ही पांच कानून नए बना दिए हैं.

जिसमें एक कानून यह भी है कि जो गुंडे उनके लिए एक पुलिस अधिकारी दिनेश एमएन उनका एक डिपार्टमेंट बना दिया है. जो भी गुंडा दादा बदमाशी कर उसे जेल में डालो और ज्यादा हो तो गोली मारो एनकाउंटर कर दो."

"गुंडा मेरी जाति का हो..."

जो लोगों को परेशान कर रहा है मैं गुंडो-दादाओ से भी कहना चाहता हूं कि आपका टाइम चला गया है. जनता की सेवा करो, मदद करो, राम-राम करो और आनंद करो.

विधायक भड़ाना ने कहा कि भीलवाड़ा को गुंडा रहित करने का काम मैं करूंगा. चाहे गुंडा मेरी जाति का हो, गुर्जर हो या भाई-बंधु हो, मैं उन्हें सबक सिखाऊंगा. लेकिन भीलवाड़ा को गुंडा मुक्त कर दूंगा, यह मेरा वादा है.

शेखावत बोले- जनता ने मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने का मन बनाया
इस बार 400 से ज्यादा सीट जीतेगी बीजेपी

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि साल 2024 में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मानस जनता बना चुकी है। अबकी बार भाजपा 400 सीटों के पार जाने वाली है।

शेखावत ने कहा कि राजस्थान में जिस तरह से भ्रष्टाचार का बोलबाला था। जिस तरह से तत्कालीन सरकार के संरक्षण में विभिन्न प्रकार के माफिया पनप रहे थे। उसके चलते जनता सरकार से त्रस्त थी। जिस तरह की थोथी घोषणाएं तत्कालीन सरकार कर रही थी, उसको जनता ने पूर्णतः अस्वीकार कर दिया था।

उन्होंने कहा कि मैंने चुनाव के समय भी कहा था कि अबकी बार राजस्थान की जनता वर्तमान सरकार को, उसकी योजनाओं को पूर्णतः नकारने वाली है और वही हुआ। पीएम मोदी की गारंटी पर विश्वास करते हुए राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़, तीनों जगह जनता ने ऐतिहासिक बहुमत देकर पूर्ण बहुमत वाली भाजपा की सरकारी बनाई है।

शेखावत ने कहा कि यह जो क्रम 2023 के विधानसभा चुनाव से शुरू हुआ है, वह 2024 के लोकसभा चुनाव में भी इसी तरह जारी रहेगा। नरेंद्र मोदी जी देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनें, देश की जनता इसका मानस बन चुकी है। आज मैं आपके सामने पूरी जिम्मेदारी से यह कह रहा हूं कि अबकी बार भाजपा 400 सीटों के पार जानी वाली है।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी बोलीं- पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने तरक्की के नए आयाम स्थापित किए

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। दीया कुमारी ने कहा- पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले नौ वर्षों में तरक्की के नए आयाम स्थापित किए हैं। देश में आधारभूत संरचना तेजी से मजबूत हुई है और व्यापार करना आसान हुआ है।

राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी अपने विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर में विकसित भारत संकल्प यात्राओं में शामिल हुईं। यात्राएं सीकर रोड स्थित सन एंड मून और दादी का फाटक पर आयोजित की गईं थीं। इस दौरान दीया कुमारी ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति के चेक वितरित किए।

दीया कुमारी ने कहा- पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले नौ वर्षों में तरक्की के नए आयाम स्थापित किए हैं। देश में आधारभूत संरचना तेजी से मजबूत हुई है और व्यापार करना आसान हुआ है।

तकनीक के नए युग का सूत्रपात हुआ है साथ ही भारत वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरा है। यह प्रदेशवासियों के लिए गौरव का क्षण है। अब हम विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से विकसित भारत के पथ पर कदम बढ़ा रहे हैं।

इन यात्राओं के अलावा दीया कुमारी सिविल लाइंस स्थित हरि महल पैलेस में आयोजित क्षत्रिय प्रतिभा सम्मान समारोह और सांगानेर के एसएस जैन सुबोध स्कूल में आयोजित विद्यार्थी विज्ञान मंथन में अतिथि के तौर पर शामिल हुईं।

जिला महामंत्री को धमकी भरा पत्र मिला
राजनीति से दूर रहने की चेतावनी, रिश्तेदार को भी धमकाया

भरतपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजल लाल शर्मा के करीबी भाजपा नेता को दो डाकपत्र के जरिए धमकी मिली है. धमकी पत्र में सीएम करीबी बृजेश अग्रवाल व उनके रिश्तेदार को हत्या करने की धमकी दी गई है. पीड़ित भाजना नेता ने मामले की शिकायत कोतवाली थाने पर मामला दर्ज करा दी है और पुलिस अधीक्षक से भी मामले की शिकायत करवा दी है. मार्बल व्यवसायी और जिला महामंत्री बृजेश अग्रवाल ने इस बार विधानसभा चुनाव में भरतपुर विधानसभा से भाजपा से टिकट मांगी थी. चिट्ठी भेजने वाले ने अंत में 'तेरा दुश्मन' लिखा है, जबकि नीचे रविन्द्र के नाम से हस्ताक्षर किए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के जिला महामंत्री बृजेश अग्रवाल को शनिवार को दोनों पत्र डाक के जरिए मिले हैं. सेक्टर तीन निवासी भाजपा नेता ने एसपी को लिखी शिकायत में बताया है कि अपने रिश्तेदार अपनी दुकान पर बैठे थे. इसी दौरान पोस्ट ऑफिस का कर्मचारी डाक विभाग से दो लिफाफा देकर गया.

पीड़ित भाजपा नेता ने बताया कि लिफाफा खोला तो उसमें लिखा हुआ था 'विधायक के सपने छोडकर राजनीति छोड़ दे, नहीं किया तो तेरे लड़कों की हत्या कर देंगे, सहयोगी रिश्तेदारों का भी यही हाल करेंगे.'

सर्दी के साथ कोहरे का असर बढ़ा
विजिबलिटी हुई कम, जयपुर सहित 10 जिले प्रभावित

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में इन दिनों सर्दी का सितम जारी है। प्रदेश के कई इलाकों में आज घना कोहरा छाया रहा, जिसकी वजह से विजिबलिटी बहुत कम रही और वाहन चालकों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के चलते प्रदेश आने वाले दिनों में भी घने कोहरे में घिरा रह सकता है।

मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जयपुर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, झुंझुनू, कोटा, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और गंगानगर में घना कोहरा छाया रहा। राजधानी में अधिकतम तापमान 26 और न्यूनतम 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमानों के आधार पर मंगलवार से जयपुर में कोहरे का असर कम होगा और तापमान सामान्य बने रहने की संभावना है।

सुबह कोहरा और शाम को गलन के साथ ही दिन में चुभने वाली हवाओं के कारण दिन में भी धूजणी चल रही है। हालांकि न्यूनतम तापमान में पिछले कुछ दिनों से कोई बहुत बड़ा फर्क नहीं आया है फिर भी ठंडी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। हाड़ कंपा देने वाली सर्दी और कोहरे के चलते छोटे बच्चों एवं बुजुर्गों को भी खासी परेशानी उठानी पड़ रही है।

भजनलाल सरकार पर अशोक गहलोत ने साधा निशाना
चिरंजीवी योजना को लेकर कही ऐसी बड़ी बात

जयपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को स्पष्ट जनादेश दिए 22 दिन बीत जाने के बाद भी मंत्रिमंडल का गठन नहीं हो पाया है, जिससे शासन संचालन में ठहराव की स्थिति आ गई है और जनता में अब निराशा व्याप्त होने लगी है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को स्पष्ट जनादेश दिए 22 दिन बीत जाने के बाद भी मंत्रिमंडल का गठन नहीं हो पाया है, जिससे शासन संचालन में ठहराव की स्थिति आ गई है और जनता में अब निराशा व्याप्त होने लगी है।

गहलोत ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से यह बात कही। उन्होंने कहा कि जनता में अब निराशा व्याप्त होने लगी है क्योंकि राजस्थान की जनता ने गत तीन दिसंबर को भाजपा को स्पष्ट जनादेश दिया पर 22 दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक मंत्रिमंडल का गठन नहीं हुआ है, जिससे शासन संचालन में ठहराव की स्थिति आ गई है। हर विभाग भी असमंजस की स्थिति में है। जनता देख रही है कि अपनी समस्याओं के समाधान के लिए किन मंत्रियों के पास जाए। जल्द से जल्द मंत्रिमंडल गठन होना चाहिए, जिससे सरकार का कामकाज सुचारू रूप से चल सके। अचानक एसएमएस अस्पताल पहुंचे सीएम भजनलाल शर्मा, अव्यवस्थाओं का आलम देख बिफरे, सीटों से नदारद मिले कई कार्मिक !

उन्होंने कहा कि मीडिया के माध्यम से यह भी जानकारी में आया है कि चिरंजीवी योजना में निजी अस्पतालों द्वारा इलाज नहीं किया जा रहा है।

अजमेर-सियालदाह एक्सप्रेस के चार डिब्बे पटरी से उतरे
ट्रेन खाली होने से नहीं हुआ कोई बड़ा हादसा

अजमेर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। मदार रेलवे यार्ड पर ब्रेक रीलिज करते समय रोल ओवर होने से अजमेर-सियालदाह एक्सप्रेस के चार डिब्बे पटरी से उतर गए।

सूचना के बाद रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर और रेक को वापस पटरी पर चढ़ाने का कार्य शुरू किया। जानकारी के मुताबिक अजमेर-सियालदाह एक्सप्रेस मदार यार्ड में खड़ी थी और यहां साफ-सफाई व अन्य सुरक्षा इंतजाम जांचे जा रहे थे।

सुबह करीब 8 बजे सेफ्टी के लिए ब्रेक रीलिज करने के दौरान ट्रेन रोल ओवर हुई और चार खाली डिब्बे पटरी से उतर गए। रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अशोक चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि कर्मचारियों ने डिब्बों को वापस पटरी पर चढ़ाने का कार्य शुरू कर दिया है।

सवाई माधोपुर में निकाली श्रीराम जन्मभूमि से पूजित अक्षत कलश शोभायात्रा, सैकड़ों लोग हुए शामिल

सवाई माधोपुर, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में बन रहे भगवान श्रीराम के मंदिर को लेकर देशभर में दीपावली जैसा माहौल बनने लगा है। इसी कड़ी में श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या से पूजित अक्षत कलश शोभायात्रा शनिवार को सवाई माधोपुर में निकाली गई। शोभायात्रा में सैकड़ों की तादाद में महिला पुरुष शामिल हुए।

इस दौरान श्री राम के जयकारों से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा। सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन स्थित राम जानकी मंदिर पर विधिवत पूजा आर्चना की गई। जिसके बाद मंदिर परिसर में ही कलश पूजन किया गया। कार्यक्रम में साधु संत के अलावा सैकड़ों लोग शामिल हुए।

शोभा यात्रा श्री राम जानकी मंदिर रेलवे स्टेशन से शुरू होकर मुख्य बाजार शर्मा होटल टोंक रोड होते हुए बरवाड़ा बस स्टैंड पहुंची और आंबेडकर सर्किल पर समापन किया गया। जगह-जगह विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारत विकास परिषद सहित कई संगठनों ने शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

विदित रहे 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में होने वाली है। जिसके लिए अयोध्या में पूजित अक्षत आए हैं। वहीं, भगवान राम मंदिर का चित्र और विशेष पत्रक आया है। जिसे हर घर में लेकर जाना है। इन्हें एक से सात जनवरी में तक बांटा जाएंगे।

तेजी से जीप चलाकर लोगों को कुचलने का प्रयास, पुलिस ने कार्रवाई कर जीप जब्त की

दौसा, 25 दिसंबर 25 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा जिले से वायरल हुए इस वीडियो में चालक तेजी से जीप चलाकर लोगों को कुचलने का प्रयास करते हुए नजर आ रहा है। मामला जिले के पापड़दा के सराय गांव का है। इस संबंध में पापड़दा के थाना अधिकारी मुरारीलाल मीणा ने कार्रवाई करते हुए जीप जब्त कर ली है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह वायरल वीडियो बीते कल का है। आज जब यह वीडियो वायरल होते हुए थाना अधिकारी तक पहुंचा तो उन्होंने संज्ञान लेते हुए तुरंत कार्रवाई करते हुए जीप जब्त कर ली और आगे की कार्रवाई की जा रही है। दहशत फैलाने वाले जीप चालक का नाम सचिन बताया जा रहा है।

दोनों समय व बचत के मद्देनजर वर्तमान परिस्थितियों में मिडियेशन बहुत ही महत्वपूर्ण : जस्टिस पीएस नरसिम्हा

सिटी सिविल कोर्ट प्रांगण में केडिया साइबर स्पेस ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश जस्टीस पी.एस. नरसिम्हा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में मिडियेशन बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस संदर्भ में, न्यायालयीन संबंधित अधिकारियों ने विस्तार से बताया कि नगर में एम.एल. रामकृष्णराव सिनीयर एडवोकेट मेमोरियल लेक्चर आयोजित हुवा। इसमें एम.एल. रामकृष्ण राव सिनीयर एडवोकेट मेमोरियल लेक्चर के अवसर पर मिडियेशन आर्ट, 2023, रोल आफ बेन्च, बार मिडियेटर्स एंड लिटिगेन्ट पब्लिक नामक महत्वपूर्ण विषय पर व्याख्यान देते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों में मिडियेशन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।

क्योंकि इसमें समय तथा पैसे दोनों की बचत होती है। दोनों पक्षों को निर्णय में सहयोग का अवसर भी मिलता है तथा इसे सफल बनाने में न्यायाधीशों, वकीलों एवं लिटिगेन्ट पब्लिक को बराबर सहयोग देना होगा। इस अवसर पर सिटी सिविल कोर्ट प्रांगण में केडिया साइबर स्पेस ई, लाइब्रेरी का भी उद्घाटन किया गया।

इसमें प्रमोद केडिया ने जज सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया जस्टीस पी.एस.नरसिम्हा एवं चीफ जस्टीस तेलंगाना हायकोर्ट आलोक अराधे का स्वागत किया। इस शुभावसर पर बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष एवं तेलंगाना हायकोर्ट के पब्लिक प्रासेक्यूटर एम. राजेन्द आर. ने प्रमोद केडिया का सम्मान किया। इसमें बार असोसिएशन प्रेसिडेंट विनोद एम. ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

इस दौरान तेलंगाना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आलोक अराधे एवं चीफ जज सिटी सिविल कोर्ट श्रीमती रेणुका सारा उपस्थित हुए तथा साथ ही सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट शान्तनक्रिष्णन, बडी संख्या में एडवोकेट्स, जजेस एवं संबंधित स्टाफ उपस्थित हुए। अंत में इस असोसिएशन सेक्रेटरी रघुवीरा रेड्डी के धन्यवाद प्रस्ताव के बाद उपरोक्त कार्यक्रम का समापन हुवा।

पोन्नम ने आवारा कुत्तों द्वारा पांच महीने के बच्चे की मौत पर दुख व्यक्त किया

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सोमवार को शहर के शेकपेट के विनोबा नगर में आवारा कुत्तों द्वारा नोच-नोच कर मारे गए पांच महीने के बच्चे की मौत पर दुख व्यक्त किया तथा परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। पोन्नम प्रभाकर, जो हैदराबाद जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, कुत्ते के हमले में सारथ नाम के लड़के की मौत से सदमे में हैं। उन्होंने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और जीएचएमसी अधिकारियों को पुनरावृत्ति रोकने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया। लड़के के माता-पिता अनुषा और अंजी शेकपेट के विनोभा नगर में मजदूर के रूप में काम करते हैं जहां यह घटना घटी।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच का 166वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर डॉ बी.आर.अम्बेडकर कालेज में सम्पन्न हुआ। अग्रवाल मानव सेवा मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि शिविर का शुभ आरंभ महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना से किया गया। पूजा-अर्चना में शिविर के प्रयोजक अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा के वरिष्ठ सदस्य प्रमोद अग्रवाल ने दीपक प्रज्वलित किया। अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल, श्याम मंदिर शाखा के श्रीमती सीमा मोदी, सुरेश अग्रवाल पियुस अग्रवाल, श्रीमती कविता गोयल, सुनील मोदी, कमल गुप्ता,शिव शंकर बगरिया, रमेश अग्रवाल, मानिक लाल अग्रवाल, पवन चौधरी, प्रमोद अग्रवाल, सुनील गर्ग, रमेश गुप्ता, मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, परामर्शदाता ओमप्रकाश पचेरिया, संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल, सह संयोजक डॉ आशीष तोदी, विक्रम गुप्ता, सुभाष चन्द्र अग्रवाल, संजीव अग्रवाल,सुरेश गोयल, अभिमन्यु अग्रवाल, पुष्पक अग्रवाल,गोपाल अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल किरीट बलदेव और मनोज सिंह ने भाग लिया। डॉ बी.आर. अम्बेडकर कालेज के कर्मी गण का सहयोग बहुत ही सहराणीय रहा। शिविर में कई अस्पतालों के चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। स्वास्थ्य जांच शिविर में करीब 200 स्थानीय लोगों ने उपलब्ध स्वास्थ्य जांच सेवाओं का लाभ उठाया। अभिमन्यु एवं पुष्पक अग्रवाल के नेतृत्व में पूरी टीम ने नि:शुल्क औषधि का वितरण किया।

एक्स्टसी पिल्स ड्रग भंडाफोड़ मामले में दो और गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसआर नगर एक्स्टसी पिल्स ड्रग भंडाफोड़ मामले से कथित तौर पर जुड़े दो और लोगों को टीएसएनएबी अधिकारियों ने सोमवार को पकड़ लिया। पिछले सप्ताह एसआर नगर पुलिस की सहायता से टीएसएनएबी के एक संयुक्त अभियान में दो आपूर्तिकर्ताओं आशिक और डुडु राजेश को 10 अन्य लोगों के साथ पकड़ा गया और उनके पास से 40 परमानद की गोलियां जब्त की गईं।

आशिक ने हनुमंत बाबुसो दिवकर उर्फ बाबा से दवा खरीदी थी। वह नियमित रूप से हैदराबाद के लोगों को आपूर्ति करता था और अब तक उसके 25 ग्राहकों की पहचान की जा चुकी है। टीएसएनएबी के निदेशक संदीप शांडिल्य ने कहा कि बाबू देश के छह अन्य बड़े आपूर्तिकर्ताओं से दवाओं की सोर्सिंग कर रहा था। पुलिस ने फिल्मनगर के एक पब में डीजे संचालक स्वदीप नाम के एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया और पाया कि उसने कुछ दिन पहले 14 ग्राम कोकीन खरीदी थी और कुछ लोगों को इसकी आपूर्ति की थी। पुलिस को पता चला कि उसने लोगों को ड्रग्स बेचकर करीब 1.4 लाख रुपये कमाए थे।

शांडिल्य ने कहा कि एसआर नगर पार्टी मामले के दौरान पकड़े गए 10 लोगों में से तीन व्यक्तियों के नमूने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लिए सकारात्मक पाए गए। हम दवा परीक्षण किट लाए और मूत्र के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला में भेजे। एसआर नगर में पार्टी के दौरान ड्रग्स का इस्तेमाल करने के आरोप में पकड़े गए लोगों में से तीन का परीक्षण सकारात्मक रहा है, अधिकारी ने कहा। पुलिस ने अभिभावकों से अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने का आग्रह किया।

रेवंत रेड्डी आज प्रधानमंत्री से करेंगे मुलाकात

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उप-मुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क कल दिल्ली के दौरे पर जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात का समय तय हो गया है और वह कल शाम 4.30 बजे प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे। इस मौके पर रेवंत रेड्डी और भट्टी विक्रमार्क प्रधानमंत्री के साथ राज्य की वित्तीय स्थिति,केंद्र सरकार से लंबित फंड के बारे में चर्चा कर सकते हैं। हालांकि, सीएम रेवंत रेड्डी और डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क कल कांग्रेस पार्टी के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। मुख्य रूप से संसदीय चुनाव पर चर्चा होगी। इसमें राज्य की ताजा राजनीति और मनोनीत पदों को भरने पर चर्चा होने की संभावना है। सीएम और डिप्टी सीएम बुधवार को नागपुर में आयोजित पार्टी की बैठक में भाग लेंगे। सीएम रेवंत रेड्डी और डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क कांग्रेस नेताओं के साथ तेलंगाना कैबिनेट विस्तार से जुड़े मामले पर चर्चा करेंगे. लेकिन इन्हें भरने के लिए पहले मनोनीत पदों को भरना होगा और इसे हाईकमान के संज्ञान में लाया जाएगा. छह एमएलसी पदों के लिए भी उम्मीदवारों का चयन किया जाना है।

पं. श्रीलाल शुक्ल पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 31 को

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पं. श्रीलाल शुक्ल स्मारक राष्ट्रीय संगोष्ठी समिति भाग्यनगर, हैदराबाद एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता, प्रसिद्ध व्यंग्यकार पद्मभूषण पं. श्रीलाल शुक्ल पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी रविवार, 31 दिसंबर को अपराह्न 3 बजे से केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के सभागार में मनाई जाएगी।

पं. श्रीलाल शुक्ल की रचनाओं की विशेष विशेषज्ञ तथा कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सीमा मिश्रा द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर "सोद्देश्य व्यंग्यकार श्रीलाल शुक्ल" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी होगी। इसमें मुख्य अतिथि तथा अध्यक्ष श्रीराम तिवारी, आई.पी.एस. (से.नि.), आंध्र प्रदेश सरकार, डॉ. गंगाधर वानोडे, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ठाकुर गोपल सिंह, न्यायिक अधिकारी, तेलंगाना राज्य सूचना आयोग, हैदराबाद तथा सम्माननीय अतिथि के रूप में के. सार्वभौमा राव, अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट (भारत) नई दिल्ली उपस्थित रहेंगे। मुख्य वक्ता डॉ. आशा मिश्रा, लेखिका, कवयित्री डॉ. सुपर्णा मुखर्जी तथा वक्ता के रूप में प्रो. ऋषभदेव शर्मा अपने विचार व्यक्त करेंगे। शंखनाद एवं मंगलाचरण इजीनियर चि. आकाश तिवारी करेंगे।

किसी भी भारतीय का अनुचित अपमान बर्दाश्त नहीं : बिनय यादव

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने कहा कि किसी भी भारतीय व्यक्ति का अनुचित अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देश की हर नागरिक को भारत ने कहीं जाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि बिहार, यूपी के लोगों का अपमान कब तक करते रहेंगे? बिहार सहयोग समिति तेलंगाना डीएमके सांसद दयानिधि मारन के बयान का कड़ा विरोध करती है। सांसद ने कहा था कि तमिलनाडु में बिहार-यूपी के लोग केवल टॉयलेट साफ करते हैं और हिंदी भाषा में भी कुछ कुछ बोलते रहते हैं, जो बिलकुल गलत है।

उन्होंने कहा कि सही समय आने पर डीएमके सांसद को सबक सिखाना होगा। दयानिधि मारन के यह जानकारी नहीं है कि बिहार-यूपी के लोग कहीं भी जा कर रह सकते हैं। और कहीं पर भी काम करना ग़लत नहीं है, चाहे वो छोटा हो या बड़ा। आज देश में ज्यादा से ज्यादा बिहार-यूपी के लोग आईएएस, आईपीएस और बड़े बड़े पर पर हैं, क्या यह नहीं दिखता है। बिहार सहयोग समिति बिहार-यूपी के सभी दलों के नेताओं से मांग करती है कि इस तरह के बयान का सब लोगों को मिलकर बिरोध करें, क्योंकि य हमारे बिहार व यूपी का अपमान है।

अब सब की नजर लोकसभा चुनाव पर

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद अब सभी राजनीतिक दलों ने लोकसभा चुनाव पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। राजीतिक दल जहां एक ओर उम्मीदवारों के चयन पर ध्यान केंद्रित कर रही है, वहीं प्रतिद्वंद्वी जीत के कसिी भी मौके को चूकना नही चाहते हैं। विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवाने के बावजूद बीआरएस संसद चुनाव में अपनी ताकत दिखाने के लिए कदम उठा रही है. जबकि कांग्रेस ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह राज्य में सबसे ज्यादा लोकसभा सीट हासिल करेगी। भाजपा ने भी अधिकांश सीटों पर मोदी के भरोसे चुनाव लड रही है।

पार्टियों की रणनीति संसद की सीटों पर निशाना साधने लगी है। कांग्रेस विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के बाद अब लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतकर अपनी स्थिति और मजबूत करने में उत्सुक नजर आ रही है।

बीटी सड़क निर्माण कार्य हुआ शुरू

भैंसा, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुधोल तालुका में 4 करोड़ 19 लाख फंड से कुबीर मंडल चाता से वीरा गांव तक 7 किमी बीटी सड़क निर्माण कार्य हुआ शुरू। मुधोल विधायक पवार रामाराव पटेल ने सड़क निर्माण का भूमि पूजन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वर्षों से खराब सड़क निर्माण का दंश झेल रहे लोगों को अब बदलाव लाना होगा। आरएंडबी अधिकारियों को गुणवत्ता से समझौता किए बिना काम करने की सलाह दी गई। इसमें मंडल भाजपा नेता, पदाधिकारी, आरएंडबी अधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल रहे।

जामबाग मंडल में मनी अटलजी की जयंती

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा जामबाग मंडल द्वारा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी की 99वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर जरूरतमंदों में फल वितरण किया गया और ईएनटी अस्पताल कोटी में मरीजों को रोटी दी गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में के पार्षद राकेश जायसवाल और ईएनटी आरएमओ और टीम, श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, मयूर कालेकर, काजल कुशवाह, कल्पना, प्रवीण बाबू, रघु कांबले, के.रामकृष्ण, जनार्दन, संदीप, अज्जू, हरिनाथ और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आटो चालकों को हर माह 2500 गुजारा भाता देने की मांग

मदनूर, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल विस क्षेत्र बीएलपी पार्टी प्रभारी करेवार नागेश ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने शपथ लेने के बाद महालक्ष्मी योजना के अंतर्गत महिलाओं के लिए नि:शुल्क बस योजना लागू की गई, इसलिए मैं हमारी बीएलपी पार्टी की तरफ से कांग्रेस पार्टी को धन्यवाद दे रहा हूं इसी तरह पुरुषों ने भी कांग्रेस पार्टी को वोट दिया। हम मांग कर रहे हैं कि उनके लिए भी बस हाफ टिकट लागू किया जाए इसके साथ ही बस फ्री होने से ऑटो में सफर करना भी कम हो गया है आटो वालों को उनके घर के भरण-पोषण के लिए हर दिन 200 रुपये भी नहीं आ रहे हैं। हमारी यह भी मांग है कि कांग्रेस सरकार ऑटो चालकों को 2500 रुपये प्रति माह गुजारा भत्ता दे। इस समय एस. सयन्ना, टी भुमन्ना, लक्ष्मण शेषराव, किसन, गंगाराम आदि उपस्थित रहे।

भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयर की जयंती पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता सांबा मूर्ति, अमरसिंह राजपुरोहित, मयूर कालेकर व अन्य।

फ़िरोज़ गांधी पार्क वॉकर्स एसोसिएशन ने फ़िरोज़ गांधी पार्क, बैंक स्ट्रीट, कोटि में वन भोजनम का आयोजन किया। इसमें भाग लेते हुए एन.आर. लक्ष्मण राव, रमेश, विजय, लक्ष्मण, भास्करेड्डी, किरण, विनेश और अन्य।

हिमायतनगर में अटल बिहारी वाजपाई जी की जयंती पर उनके चित्र पर श्रद्धांजलि देती हुई अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, सुनैना नरसरिया, बबिता गर्ग, स्मिता शाह, रूपा गुप्ता, श्वेता खंडेलवाल, टीना खंडेलवाल, श्रद्धा सुखिया, रितु गोयल एवं पवन भुवानिया।

अग्रवाल समाज सोमाजीगुडा बेगमपेट शाखा की मासिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वप्रथम महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा के पश्चात पिछली सभा एवं आने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

देश को हुकुमशाही से बचाएं : उद्धव ठाकरे

उद्धव ने लिया तेरापंथ जैन संघ के आचार्य महाश्रमण जी का आशीष

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने देश को हुकुमशाही से बचाने के लिए जनता और धर्मगुरुओं का आशीर्वाद मांगा है। वे सोमवार को तेरापंथ जैन संघ के आचार्य महाश्रमण जी का आशीष लेने मुंबई में कुर्ला पश्चिम के न्यू मिल मैदान पहुचे थे।

प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा की मैं अपने माता पिता की काबिल संतान बन सकूं, इससे अधिक कोई व्यक्तिगत आशीर्वाद की आवश्यकता नहीं है।

पर देश संकट से गुजर रहा है, लोकतंत्र पर खतरा है, हुकुमशाही का खतरा मंडरा रहा है। यही आशीर्वाद मांगता हू की देश समाज इस खतरे से बच जाए। इस मौके पर उनका स्वागत स्थानीय कार्यकर्ताओं ने किया। इस मौके विभाग प्रमुख डॉ महेश पेडनेकर, विभाग संगठक अश्विनी भरत मते, अनिल गलगली, अनुराग त्रिपाठी, मनोज नाथानी, कांतिलाल कोठारी, ललित डांगरा जैन, रमेश सुतरिया, हस्तीमल सुतरिया, माणिक धींग, राजू मेहता उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

32 साल का ...

इनका प्यार और आशीर्वाद क्या कमाल कर सकता है, ये मैं अच्छी तरह से जानता हूं। एमपी की नई टीम आने वाले दिनों में नई उपलब्धियां हासिल करेगी। ये मुझे विश्वास है।

स्वच्छता और स्वाद के लिए मशहूर इंदौर कितने ही क्षेत्रों में अग्रणी रहा है। इंदौर के विकास में यहां के कपड़ा उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शहर की पहली कॉटन मिल की स्थापना होलकर राजघराने ने की थी। एक समय था जब इंदौर की तुलना मैनचेस्टर से होती थी। सीएम मोहन यादव ने कहा, जहां कैलाश जी को खड़ा कर दो, वहां जीत निश्चित होती है। पूर्व मंत्री उषा ठाकुर का बाद में नाम लेने पर मुख्यमंत्री ने उनसे माफी मांगी। बोले, माफ करना दीदी क्रम में तालमेल थोड़ा सा गड़बड़ाया है। सीएम ने कहा, मैं मजदूर का बेटा हूं, इसीलिए मजदूरों का दर्द समझता हूं। विधायक कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, आज का दिन इंदौर के इतिहास और विशेषकर मजदूरों के लिए महत्वपूर्ण दिन है। आपने इंदौर में 9 की 9 विधानसभा सीट दी है। 5 साल बाद इंदौर का नक्शा देखना। विश्व के अच्छे शहरों में इंदौर होगा। यह वादा है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा, प्रधानमंत्री ने कहा है कि जल्द ही भारत में ओलिंपिक करवाने वाले हैं। सीएम से आग्रह है कि ओलिंपिक का एक खेल इंदौर में भी हो। यहां ओलिंपिक स्टैंडर्ड का एक कुश्ती मैदान और एकेडमी की ट्रेनिंग की तैयारी ओलिंपिक से पहले हो जाए।

सैम पित्रोदा ने ...

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ भी काम कर चुके पित्रोदा ने कहा कि वर्तमान में भारत में इस्तेमाल की जा रही ईवीएम मशीन कोई "स्टैंड अलोन मशीन" नहीं है।

आईओसी चेयरमैन ने कहा कि समस्या तब शुरू हुई, जब वीवीपैट मशीन को ईवीएम से जोड़ा गया। उन्होंने कहा, वीवीपीएटी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से मिलकर बना एक अलग उपकरण है। उन्होंने कहा कि वीवीपैट को ईवीएम से जोड़ने के लिए एक विशेष कनेक्टर का उपयोग किया जाता है, जिसे एसएलयू कहा जाता है।

पित्रोदा ने कहा, यह एसएलयू कई सवाल खड़े करता है। एसएलयू कनेक्टर ही वीवीपैट में दिखाता है कि किस बटन से वोट किस पार्टी को जाएगा। इसे मतदान से पहले प्रोग्राम किया जाता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि एसएलयू जोड़ने के बाद ईवीएम अब अकेली मशीन नहीं रह गई है।

इसमें वो सभी तरह के काम किए जा सकते हैं, जिनकी बात की जा रही है। इसलिए हम चाहते हैं कि वीवीपैट से निकलने वाली पर्ची वर्तमान में थर्मल प्रिंटर के माध्यम से जारी की जाती है और इसे केवल कुछ हफ्तों तक ही सुरक्षित रखा जा सकता है, इसके बजाय एक प्रिंटर का उपयोग किया जाना चाहिए, जो अगले पांच वर्षों तक पर्ची को सुरक्षित रखेगा। उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह है कि यह पर्ची केवल कुछ समय के लिए मतदाता को नहीं दिखाई जानी चाहिए, बल्कि इसे एक कागज पर मुद्रित करके उसे दे दिया जाना चाहिए, जिसे वह अलग से रखे गए बक्से में वोट के रूप में डाल सके और यह बॉक्स को किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कनेक्ट नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, इसके बाद बॉक्स में डाली गई वोट पर्चियों की गिनती की जानी चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा

कई खिलाड़ियों को पहली बार मिला मौका

मुंबई, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। टेस्ट सीरीज में परचम लहराने के बाद भारतीय महिला टीम सीमित ओवरों के फॉर्मेट में भी विपक्षी टीम को टक्कर देने के लिए तैयार है। इसी कड़ी में बीसीसीआई ने सोमवार को आगामी वनडे और टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर की है। हरमनप्रीत कौर टीम की कमान संभालेंगी। वहीं उप-कप्तानी की जिम्मेदारी हमेशा की तरह स्मृति मंधाना के कंधों पर रखी गई है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पहली बार भारतीय महिला टीम में युवा गेंदबाज श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक और तितास साधु को शामिल किया गया है। ऑफ स्पिन गेंदबाज श्रेयंका ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ अपने टी20 इंटनेशनल करियर का आगाज किया था। अब वह वनडे फॉर्मेट में भी जलवा बिखरने के लिए तैयार हैं।

टी20 में डेब्यू में करते हुए श्रेयंका का प्रदर्शन सराहनीय रहा था। उन्हें इंग्लिश महिला टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में पांच सफलता हाथ लगी थी। यही नहीं बाएं हाथ की स्पिनर साइका को भी इसी मुकाबले में पांच विकेट प्राप्त हुए थे।

तितास साधु और मन्नत जो इस साल की शुरुआत में खेले गए अंडर-19 महिला T20 वर्ल्ड कप जीत की सदस्य थीं, उन्हें भी भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मन्नत ने इंटरनेशनल लेवल पर अबतक कोई मुकाबला नहीं खेला है। वहीं तितास ने चीन के हांगझू में खेले गए एशियाई खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

वनडे सीरीज के लिए भारतीय महिला टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, तितास साधु, पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा और हरलीन देयोल।

टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, तितास साधु, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा और मिन्नू मणि।

चिराग राष्ट्रीय चैंपियन बनने वाले उत्तराखंड के पहले खिलाड़ी

हरियाणा की अनमोल को महिला एकल का खिताब

गुवाहाटी, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। लक्ष्य को 85वीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सर्वोच्च वरीयता प्राप्त थी, लेकिन उन्हें क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन गैर वरीय चिराग ने छोटे भाई की हार को खिताब जीतकर भर दिया।

राष्ट्रमंडल खेल विजेता लक्ष्य सेन के बड़े भाई चिराग सेन ने तेलंगाना के तरुण एम को 21-14, 13-21, 21-9 से हराकर राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल कर लिया है। अल्मोड़ा के चिराग राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले उत्तराखंड के पहले बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। वहीं हरियाणा की अनमोल खरब ने पंजाब की तन्वी शर्मा को 15-21, 21-17, 16-8 से हराकरा महिला एकल का खिताब जीता। दोनों ही शटलर पहली बार राष्ट्रीय चैंपियन बने हैं।

लक्ष्य को 85वीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सर्वोच्च वरीयता प्राप्त थी, लेकिन उन्हें क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन गैर वरीय चिराग ने छोटे भाई की हार को खिताब जीतकर भर दिया। उन्हें विजेता बनने पर सवा तीन लाख रुपये का पुरस्कार मिला।

तरुण ने दूसरा गेम जीतकर वापसी की, लेकिन चिराग ने निर्णायक गेम में तरुण को कोई मौका नहीं दिया। ओडिशा मास्टर्स का खिताब जीतने वाली ध्रुव कपिला और तनीषा क्रेस्टो की जोड़ी ने मिश्रित युगल का खिताब जीता। उन्होंने नितिन और नवधा को 21-13, 21-8 से हराया।

जैसमीन और अरूंधति क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, पूनम-कमलप्रीत से मुकाबला

ग्रेटर नोएडा, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसमीन ने राउंड 16 मुकाबले में मणिपुर की थोंगाम कुंजारानी देवी पर 5-0 की जीत से अंतिम आठ में जगह बनाई जिसमें उनकी भिड़ंत महाराष्ट्र की पूनम कैथवास से होगी।

राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैसमीन (60 किग्रा) और पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरूंधति चौधरी (66 किग्रा) ने 5-0 के समान स्कोर से जीत हासिल कर महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। जैसमीन ने राउंड 16 मुकाबले में मणिपुर की थोंगाम कुंजारानी देवी पर 5-0 की जीत से अंतिम आठ में जगह बनाई जिसमें उनकी भिड़ंत महाराष्ट्र की पूनम कैथवास से होगी।

अरूंधति का सामना क्वार्टरफाइनल में पंजाब की कमलप्रीत कौर से होगा। अरूंधति ने राउंड 16 में अमिता को 5-0 से पराजित किया। अन्य महत्वपूर्ण मुकाबलों में साक्षी (57 किग्रा) ने दिल्ली की ज्योति पर रैफरी द्वारा मैच रोके जाने से राउंड 16 में प्रवेश किया जिसमें वह तेलंगाना की रेफा मोहिद के सामने होंगी। हरियाणा की स्वीटी बूरा (81 किग्रा) क्वार्टरफाइनल में महाराष्ट्र की साई देवखर के सामने होंगी। स्वीटी ने राउंड 16 में उत्तर प्रदेश की कनिष्का के खिलाफ जोरदार मुक्के जड़े जिससे तीसरे राउंड में रैफरी ने मुकाबला रोककर 2023 विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता स्वीटी को विजेता घोषित किया।

भारोत्तोलन : यूपी से शुरू होगा नई मीरा को ढूंढने का अभियान, आठ से 13 साल के बच्चे होंगे शामिल

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। देश को नई मीराबाई चानू देने के लिए भारतीय भारोत्तोलन संघ और साई मिलकर पहली बार एक अनोखा अभियान चलाने जा रहे हैं। दोनों मिलकर आठ से 13 साल के बच्चों का प्रतिभा तलाशो अभियान शुरू करने जा रहे हैं, जिसकी शुरुआत यूपी के मोदीनगर से हो रही है। इस अभियान के तहत न तो भार उठाना पड़ेगा और न ही कंपटीशन के लिए जूझना होगा। बच्चों की फिटनेस और उनकी शारीरिक बनावट, ढांचा परखा जाएगा और चयनित बच्चों को साई सेंटर में 2032 और 2036 के ओलंपिक के लिए तैयार किया जाएगा। यह प्रतिभा तलाशो अभियान मीराबाई के कोच और द्रोणाचार्य अवॉर्डी प्रशिक्षक विजय शर्मा की अगुवाई में चलाया जाएगा।

विजय के मुताबिक कई विदेशी विशेषज्ञों से बातचीत के बाद आठ से 13 साल के बच्चों को तलाशने का अभियान शुरू करने का फैसला भारोत्तोलन संघ ने लिया। 12 से 14 जनवरी को मोदीनगर में इसकी शुरूआत की जाएगी। इसके बाद इसे यूपी के पूर्वांचल, पश्चिम यूपी में छेड़ा जाएगा। इसके बाद इसे मणिपुर, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में चलाया जाएगा। इस अभियान में स्कूलों, ग्राम प्रधानों से लेकर सांसदों और विधायकों को भी जोड़ा गया है। ये सभी प्रतिभा ढूंढने में मदद करेंगे और इन्हें अभियान तक लेकर आएंगे। बच्चों के चयन के बाद उन्हें साई की ओर से ट्रेनिंग सेंटर में रखा जाएगा। इस दौरान उन्हें बांस के डंडे से अभ्यास कराकर उन्हें तकनीकि रूप से दक्ष किया जाएगा। विजय बताते हैं कि इस दौरान अपनी गई तकनीकि जीवन भर नहीं बदलती है। 10 वर्ष से अधिक उम्र हो जाने के बाद बच्चों को थोड़ा-थोड़ा भार उठाने के लिए दिया जाएगा। यह अभियान लड़के और लड़कियों दोनों के लिए चलाया जा रहा है।

विजय के मुताबिक संघ और साई ने इस अभियान के लिए प्रशिक्षक अलकेश बरुआ, एल अभिलाष और सुखमेंद्र चौधरी की एक समिति भी बनाई है। वह खुद इस अभियान से गंभीरता से जुड़ेंगे।

साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज क्यों नहीं जीत पाता भारत

2013 तक बॉलर्स नहीं चले, पिछली 2 सीरीज में बैटर्स फ्लॉप; अब कप्तान अनुभवी नहीं

नई दिल्ली, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका दौरे पर टीम इंडिया की आखिरी और सबसे मुश्किल सीरीज कल यानी 26 दिसंबर से शुरू होने जा रही है। दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट की सीरीज का पहला मुकाबला सेंचूरियन में खेला जाएगा। टीम इंडिया साउथ अफ्रीका में अब तक एक भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है और डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के लिहाज से ये सीरीज बेहद अहम है।

साउथ अफ्रीका में टीम इंडिया ने 8 सीरीज खेलीं, शुरुआती 4 भारत ने एकतरफा अंदाज में गंवाईं। 2010 में पहली बार सीरीज ड्रॉ रही और 2013 से 2021 तक 3 बार टीम इंडिया सीरीज जीत के करीब पहुंची, लेकिन तीनों में टीम को हार ही मिली।

हर देश में सीरीज जीती साउथ अफ्रीका ही बाकी

1932 में भारत ने जब क्रिकेट खेलना शुरू किया तो टीम बेहद कमजोर थी। हर देश में टीम को हार मिलती थी, लेकिन 1983 का वर्ल्ड कप जीतने के बाद दुनिया ने भारत को पहचाना। इस साल के बाद भारत ने विदेश में भी टेस्ट सीरीज जीतने का सिलसिला शुरू कर दिया। टीम ने इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और एशिया के सभी देशों में टेस्ट सीरीज जीत ली। भारत को ऑस्ट्रेलिया तक में 2 बार सफलता मिल चुकी है, लेकिन टीम साउथ अफ्रीका में आज तक सीरीज नहीं जीत सकी।

एक्सपर्ट्स कहते हैं कि भारत बैटिंग की वजह से सीरीज नहीं जीत सका, लेकिन साउथ अफ्रीका में भारत के 2 दिग्गज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली मिलकर 7 सेंचुरी लगा चुके हैं। दोनों का औसत भी 45 से ज्यादा का है। आंकड़ों में पता लगता है कि साउथ अफ्रीका की टीम भारत के मुकाबले कुछ ज्यादा ही बेहतर रही। ऐसे में 3 अलग-अलग फेज में जानने की कोशिश करते हैं कि टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने में क्या-क्या मुश्किलें आईं।

रोहित का बड़ा टेस्ट, विदेश में 3 ही टेस्ट में कप्तानी की

2006 तक भारत के कप्तान साउथ अफ्रीका में टीम को सीरीज जीत के करीब भी नहीं पहुंचा सके। 2010 में धोनी साउथ अफ्रीका में एकमात्र सीरीज ड्रॉ कराने वाले कप्तान बने। जबकि 2022 तक कोहली साउथ अफ्रीका में 2 टेस्ट जीतने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान रहे। उन्हीं की कप्तानी में भारत 2 बार सीरीज जीतने के करीब पहुंचा, लेकिन जीत नहीं सका।

अब रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया 2 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। रोहित ने अब तक 9 ही टेस्ट में भारत की कप्तानी की और विदेश के नाम पर उन्हें सिर्फ वेस्टइंडीज में टेस्ट कप्तानी का अनुभव है। रोहित ने 2023 के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी टीम की कमान संभाली, लेकिन टीम को हार मिली। ऐसे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज उनके टेस्ट कप्तानी करियर का बहुत मुश्किल टेस्ट रहेगा। जो उनके कप्तानी फ्यूचर को भी तय कर सकता है।

पाकिस्तान टीम में फिर हुआ उलटफेर

टी20 विश्व कप से पहले बदल गए कोच, दिग्गज को मिला मौका

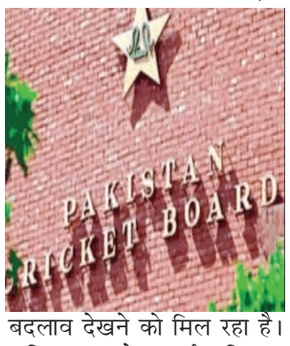

इस्लामाबाद, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के टीम में एक के बाद एक बदलाव देखे जा रहे हैं। आईसीसी विश्व कप 2023 से बुरी तरह बाहर होने के बाद से ही पाकिस्तान टीम में बदलाव का यह सिलसिला जारी है। पहले तो पाकिस्तान के चीफ सेलेक्टर को बदल दिया गया था। फिर पाकिस्तान के फील्डिंग कोच, तेज गेंदबाजी कोच, स्पिन गेंदबाजी कोच और कप्तान सब बदल दिए गए। बाबर आजम ने दबाव में आकर खुद ही कप्तानी छोड़ दी। ऐसे में वाइट बॉल क्रिकेट और रेड बॉल क्रिकेट दोनों के कप्तान बदल दिए गए। अब पाकिस्तान के कोच फिर से बदल गए हैं। चलिए आपको बताते हैं अब यह जिम्मेदारी किसे मिली है।

पाकिस्तान को न्यूजीलैंड में कीवी टीम के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज से पहले पाकिस्तान के उच्च प्रदर्शन कोच बदल दिए गए हैं। इस तरह पाकिस्तान कोचिंग सेट-अप में एक बार फिर से बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी यासिर अराफात को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए उच्च प्रदर्शन कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें साइमन हेल्मोट की जगह यह पद सौंपी गई है। अभी तक साइमन हेल्मोट ही उच्च प्रदर्शन कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। बता दें कि हेल्मोट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही सीरीज में उच्च प्रदर्शन कोच के तौर पर शामिल किया गया था, लेकिन अब न्यूजीलैंड के खिलाफ यह जिम्मेदारी यासिर अराफात को सौंप दी गई है।

हालांकि बताया यह भी जा रहा है कि यासिर अराफात सिर्फ न्यूजीलैंड दौरे के लिए ही उच्च प्रदर्शन कोच बने हैं, इस सीरीज के बाद यह जिम्मेदारी किसी और को सौंपी जाएगी। ऐसे में अभी तक यह भी तय नहीं है कि अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में उच्च कोच की जिम्मेदारी कौन संभालेंगे। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी मिकी आर्थर और ग्रांट ब्रैडबर्न से लेकर पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज को सौंप दी गई है। इसके बाद पूर्व स्पिन गेंदबाज सईद अजमल को स्पिन-गेंदबाजी कोच, पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल को तेज गेंदबाजी कोच, एडम होलियोक को बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसके अलावा उच्च प्रदर्शन कोच की जिम्मेदारी साइमन हेल्मोट को सौंपी गई थी। लेकिन अब न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए हेल्मोट को भी हटा दिया गया है और यासिर अराफात को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड : वह फैन जिसने दीवानगी में इस फुटबॉल क्लब की 25% हिस्सेदारी खरीदी, कौन हैं जिम रैटक्लिफ

लंदन, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के प्रीमियर लीग का फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड पिछले कुछ दिनों से चर्चा में बना हुआ है। पिछले कुछ दिनों से इस क्लब में कुछ हिस्सेदारी की नीलामी चल रही थी। कई ग्रुप ने इस दिग्गज फुटबॉल क्लब में हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। हालांकि, जिस शख्स ने मैनचेस्टर यूनाइटेड में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीदी है, उसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इस शख्स को बचपन से मैनचेस्टर यूनाइटेड में दिलचस्पी थी और इस टीम का बहुत बड़ा फैन है। जी हां, हम ब्रिटिश अरबपति जिम रैटक्लिफ के बारे में बात कर रहे हैं। रैटक्लिफ को फुटबॉल के अलावा फॉर्मूला वन और साइकिलिंग में भी काफी रुचि है। अब उनके अपने बचपन के पसंदीदा क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड में भी हिस्सेदारी हो गई है।

घोषणा की गई थी कि रसायन दिग्गज फर्म आईएनईओएस के संस्थापक ने एक लंबे संघर्ष के बाद प्रीमियर लीग के दिग्गज क्लब में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। आईएनईओएस इस साल की शुरुआत में यूनाइटेड को खरीदने की दौड़ में शामिल हो गया था। क्लब के मालिक, ग्लेजर परिवार ने कहा था कि वे सभी प्रस्तावों को सुनने के लिए तैयार हैं। पिछले साल चेल्सी को खरीदने के लिए असफल बोली लगाने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के फैन रैटक्लिफ लंबे समय से ओल्ड ट्रैफर्ड क्लब के साथ जुड़े हुए हैं। 71 वर्षीय रैटक्लिफ के पास पहले से ही खेल को लेकर एक प्रभावशाली पोर्टफोलियो है। उनकी पहले से ही फ्रांसीसी फुटबॉल क्लब 'नीस' और स्विस टीम 'एफसी लुसाने-स्पोर्ट' में हिस्सेदारी है। 2019 में, साइकिलिंग पावरहाउस 'टीम स्काई' 'टीम आईएनईओएस ग्रेनेडियर्स' बन गई। इस टीम ने 2019 में टूर डी फ्रांस जीता था। अगले साल रैटक्लिफ के फर्म आईएनईओएस ने मर्सिडीज फॉर्मूला वन टीम में एक तिहाई हिस्सेदारी खरीदा। रैटक्लिफ और आईएनईओएस ने फरवरी में मैनचेस्टर यूनाइटेड में बहुमत वाली हिस्सेदारी खरीदने के लिए अपनी बोली की पुष्टि की थी। वह इस नीलामी में कतर के बैंकर शेख जसीम बिन हमद अल थानी के साथ आगे बढ़े थे। हालांकि, आगे चलकर शेख जसीम ने नाम वापस ले लिया था।

अब जब रैटक्लिफ ने इस क्लब में हिस्सेदारी पा ली है, तो उन्होंने एक दशक में कुछ खास उपलब्धि नहीं करने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड को फिर से दुनिया का नंबर एक क्लब बनाने की बात कही है। हालांकि, रैटक्लिफ को वह नहीं मिला है जो वह चाहते थे। ग्लेजर्स अभी भी ओल्ड ट्रैफर्ड में बहुमत शेयरधारक हैं। ग्लेजर परिवार ने 2005 में इस फुटबॉल क्लब को खरीदा था। हालांकि, हाल के दिनों में इस क्लब पर भारी कर्ज ने इसे समर्थकों के बीच अलोकप्रिय कर दिया है।

मीडिया राइट्स न बिकने से पीएसएल होगा लेट

पाक सरकार ने पीसीबी को लीग के राइट्स बेचने से रोका

कराची, 25 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को उनके घरेलू टी-20 टूर्नामेंट पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के मीडिया राइट्स बेचने से रोक दिया है।

जानकारी के मुताबिक, सरकार की ओर से बोर्ड को जारी की गई अधिसूचना में कहा गया है कि बोर्ड अपने स्तर पर कोई बाहरी बड़े सौदे नहीं कर सकता। उसे सरकारी अनुमति लेनी होगी। इसकी वजह है कि मौजूदा पीसीबी कमेटी अभी अंतरिम है और जका अशरफ सिर्फ कार्यवाहक पीसीबी प्रमुख हैं। मीडिया राइट्स की बिक्री में देरी होने से पीसीबी को घाटा होने का भी अनुमान है। साथ ही, ब्रॉडकास्टर न होने से सीजन-9 का शेड्यूल रिलीज होने में देरी हो सकती है।

नए नियम की तैयारी में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पाक बोर्ड नया नियम लाने की तैयारी में है, जिसके तहत एक एजेंसी 2-3 प्लेयर से ज्यादा एक साथ मैनेज नहीं कर सकेगी। बोर्ड यह फैसला टीम में संभावित गुटबाजी को रोकने के लिए कर सकता है। फिलहाल, साया कॉर्पोरेशन कंपनी बाबर, शाहीन, रिजवान समेत 7-8 खिलाड़ियों को एक साथ मैनेज कर रही है।

मेरा हैदराबाद

राशन चावल की रिसाइक्लिंग करने पर कड़ी कार्रवाई होगी : उत्तम

खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री ने राशन दुकान का किया निरीक्षण, दी कई चेतावनी

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई, खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने पीडीएस (राशन) चावल के पुनर्चक्रण में शामिल चावल मिल मालिकों और अन्य लोगों के खिलाफ गंभीर परिणाम की कड़ी चेतावनी जारी की है। सोमवार को चावल और अन्य सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए हुजूरनगर में एक राशन दुकान का निरीक्षण करने के बाद, उत्तम कुमार रेड्डी ने राशन चावल के डायवर्जन और दुरुपयोग पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में, तेलंगाना में लगभग 54 लाख राशन कार्डधारकों को केंद्र सरकार से 5 किलोग्राम और राज्य सरकार से 1 किलोग्राम चावल मिलता है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार अन्य 35 लाख राशन कार्डधारकों को हर महीने 6 किलोग्राम चावल प्रदान करती है। चाहे केंद्र से हो या राज्य सरकार, कुल खरीद लागत 39 रुपये प्रति किलोग्राम है। हालांकि, लगभग 70-75 प्रतिशत राशन चावल का मिल मालिकों और अन्य बेईमान संस्थाओं द्वारा पुनर्चक्रण किया जा रहा है। उत्तम ने कहा कि राज्य सरकार इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रही है। चावल के पुनर्चक्रण में शामिल पाए गए किसी भी व्यक्ति को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। कांग्रेस सरकार मिल मालिकों या राशन चावल के पुनर्चक्रण में लगे किसी भी अन्य व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने नागरिक आपूर्ति निगम को लगभग 56,000 करोड़ रुपये के भारी कर्ज के बोझ में दबा दिया था। 2014 में जब बीआरएस सरकार ने सत्ता संभाली तो कर्ज सिर्फ 3,300 करोड़ रुपये था। वर्तमान में, राशन वितरण और धान खरीद के लिए जिम्मेदार निगम का वार्षिक ब्याज बोझ 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

उन्होंने बताया कि पिछली सरकार द्वारा विभाग की घोर उपेक्षा के कारण पिछले एक दशक में निगम को 11,000 करोड़ रुपये का घाटा हुआ।

इसके अलावा, मंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार की विकृत नीति की आलोचना की, जिसने बिना किसी सुरक्षा या बैंक गारंटी के चावल मिल मालिकों को 22,000 करोड़ रुपये के धान के स्टॉक सौंपे। निगम अब खुद को एक अनिश्चित और चिंताजनक स्थिति में पाता है। जबकि कर्नाटक और तमिलनाडु ने तेलंगाना सरकार से पर्याप्त चावल स्टॉक खरीदने की पेशकश की, पिछली सरकार ने राजनीतिक कारणों से चावल को गोदामों में खराब होने देने का विकल्प चुना, जिससे कर्नाटक को बाजार मूल्य पर चावल बेचने के बजाय निगम पर ब्याज खर्च का बोझ डाला गया।

और तमिलनाडु. सीमित भंडारण स्थान और पर्याप्त ब्याज के बोझ के साथ, निगम चिंताजनक स्थिति में है। उत्तम ने घोषणा की कि हम कर्नाटक और तमिलनाडु को चावल की बिक्री की संभावना तलाश रहे हैं और एक पारदर्शी तंत्र के माध्यम से धान के स्टॉक की खुली बिक्री पर विचार कर रहे हैं। हम निगम को उसकी अनिश्चित स्थिति से बचाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि निगम का अंतिम पूर्ण ऑडिट वर्ष 2018-19 का था। मंत्री ने कहा कि हम निगम के ऑडिट में तेजी लाएंगे और विभाग को सुव्यवस्थित करने, राशन कार्डधारकों और जिन किसानों से धान खरीदा जाता है, उनके लिए सेवाओं को बढ़ाने के उपायों को लागू करेंगे।

कविता ने राहुल गांधी से हिजाब विवाद पर अपना रुख बताने की मांग की

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस पार्टी के डीएनए में हिंदू विरोधी रवैया है। उन्होंने डीएमके नेताओं की टिप्पणियों पर राहुल गांधी से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि जब डीएमके नेताओं ने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुचाने के लिए सनातन धर्म का अपमान किया और हिंदी भाषी राज्यों को गोमूत्र राज्य कहकर उपहास किया तो भारत गठबंधन में अहम भूमिका निभाने वाली कांग्रेस ने जवाब क्यों नहीं दिया? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को हिजाब विवाद पर भी अपना रुख बताना चाहिए।

कविता ने सोमवार को हैदराबाद में अपने आवास पर समाचार एजेंसियों से बात की। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से, कांग्रेस के सहयोगी द्रमुक नेता समाज के कुछ वर्गों के वोटों की खातिर नफरत भरे भाषण दे रहे थे। कुछ नेताओं की टिप्पणियां हैं जो देश को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। एक राज्य में वोटों के लिए देश का अपमान करना सही नहीं है कांग्रेस पार्टी और उसके शीर्ष नेता राहुल गांधी, जो भारत गठबंधन में एक बड़ी भूमिका निभा रहे हैं, जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं जब वे सनातन धर्म के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं और हिंदी भाषी राज्यों के प्रवासी मजदूरों को गोमूत्र राज्य कहकर उनका मजाक उड़ा रहे हैं और उनका अपमान कर रहे हैं।

राहुल गांधी कह रहे थे कि उन्होंने देश को एकजुट करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाली है, लेकिन उन्हें इसके खिलाफ अपने सहयोगी दल की टिप्पणियों की परवाह नहीं है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि भारत जोड़ो यात्रा सिर्फ प्रचार के लिए है। अगर डीएमके नेताओं द्वारा करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए सनातन धर्म पर अपमानजनक टिप्पणी करने पर राहुल गांधी ने इसे गंभीरता से लिया होता, तो वह दोबारा ऐसी टिप्पणी नहीं करते। उन्होंने इस बात का मजाक उड़ाया कि राहुल गांधी, जो केवल चुनावों के दौरान काम करते हैं, को सभी 'चुनावी गांधी' कहते हैं। राहुल गांधी देश को क्या संदेश दे रहे हैं? राहुल गांधी को कहना चाहिए कि उनके मन में सभी लोगों का सम्मान है और उन्हें हिंदी भाषी राज्यों का अपमान नहीं करना चाहिए और वह हिंदू विरोधी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी प्रमुख और तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा था कि प्रवासी श्रमिक प्रगति में भागीदार थे और उनकी पार्टी में श्रमिकों के लिए बहुत सम्मान है लेकिन कांग्रेस पार्टी के पास ऐसा कोई सम्मान नहीं है। कर्नाटक में हिजाब विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी चुनाव से पहले कुछ वादे करती है, लेकिन चुनाव के बाद उन्हें नजरअंदाज कर देती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी का वादों को क्रियान्वित करने का कोई इतिहास नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी, जिसने राज्य में गारंटी के नाम पर वादे किए थे, अब तक उन्हें पूरी तरह से लागू नहीं किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव के दौरान हिजाब पर प्रतिबंध हटाने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के आठ महीने बाद भी वह प्रतिबंध हटाने में अभी भी झिझक रही है। उन्होंने यह भी मांग की कि राहुल गांधी को हिजाब मुद्दे पर भी कांग्रेस पार्टी का रुख स्पष्ट करना चाहिए. उन्होंने जो कहा गया था वह नहीं करने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी धोखाधड़ी, साजिश और धोखा देने वाली पार्टी है।

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के वादों के कार्यान्वयन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में नई सरकार को सत्ता में आए केवल 20 दिन हुए हैं और उन्होंने कहा कि वे चुनाव के परिणामों का मूल्यांकन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें राज्य सरकार को कुछ और दिनों का समय देना चाहिए और फिर स्थिति को देखना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि कांग्रेस सरकार वादों को पूरा करेगी और कहा कि अगर तय समय पर वादों को लागू नहीं किया गया तो वे निश्चित रूप से उन पर सवाल उठाएंगे।

भाजपा नेताओं ने वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती समारोह आज यहां राज्य पार्टी मुख्यालय में भाजपा नेताओं द्वारा सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर राज्य भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने पूर्व पीएम को पुष्पांजलि अर्पित की। भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण और पार्टी के अन्य नेताओं ने भी समारोह में भाग लिया।

इस अवसर पर किशन रेड्डी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस (सुशासन दिवस) के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वाजपेयी अपने जीवन में एक बेदाग राजनेता और उच्च मूल्यों वाले व्यक्ति तथा ईमानदारी से शासन करने वाले महान नेता के रूप में प्रसिद्ध थे। उन्होंने याद करते हुए कहा कि वर्ष 1977 में वाजपेयी भारतीय राजनीति में एक महान नेता बन गये। उन्होंने कहा कि वाजपेयी एक महान नेता थे जो ईमानदार थे, भले ही उन्हें एक सीट से अपनी सरकार खोनी पड़ी।

उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध में दुम हिलाने वाले पाकिस्तान पर जीत के अलावा, राजस्थान में पोखरण परमाणु परीक्षण से भारत की क्षमताओं का प्रदर्शन दुनिया के सामने हुआ है। उन्होंने कहा कि वाजपेयी एक महान व्यक्ति थे जिन्होंने गरीबों के लिए आवास योजना, वाल्मिकी अंबेडकर आवास योजना के तहत गरीब लोगों के लिए करोड़ों घर बनाए और कहा कि वे घर अभी भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत गांवों में सड़कों का निर्माण कराया गया है। आज, नरेंद्र मोदी सरकार ने अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को पूरा किया है, जिन्होंने राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन को अपनी आवाज दी और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की दिशा में काम किया। रेड्डी ने कहा कि वह भी उनके नक्शेकदम पर चल रहे हैं। सुशासन दिवस के मौके पर बीजेपी ने राज्य में कई सेवा गतिविधियां भी चलाईं।

चीनी धोखेबाजो की मदद करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने उत्तर प्रदेश राज्य के अलीगढ़ से हर्ष कुमार नाम के एक आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया,

जिसने चीनी धोखेबाजों को बिनेंस खाते की सुविधा प्रदान की और धोखाधड़ी की राशि से चीनी की ओर से क्रिप्टो मुद्रा भी खरीदी और उसी क्रिप्टो को चीनी में स्थानांतरित कर दिया।

पीड़ित निवासी तारनाका, हैदराबाद से शिकायत प्राप्त हुई कि साइबर जालसाजों ने उससे संपर्क किया और बताया कि वे फेडेक्स से हैं और उसके नाम और उसके मोबाइल नंबर पर उसके आधार का उपयोग करके फेडेक्स अंधेरी पूर्वी मुंबई शाखा से ताइवान के लिए एक पार्सल भेजा गया था जिसमें अवैध सामग्री थी। इसमें उन्होंने कहा कि उसका नाम हटाने के नाम पर 5,98,725 रुपए की ठगी की गई। साइबर अपराध पुलिस, हैदराबाद ने मामला दर्ज किया और जांच की। पुलिस के अनुसार जालसाजों ने खुद को फेडेक्स कूरियर अधिकारियों और पुलिस कर्मियों के रूप में प्रस्तुत करके निर्दोष लोगों को धोखा दिया और भारी रकम हासिल की। निर्दोष लोगों को यह कहकर धमकी दी कि कुछ पार्सल, जिसमें ड्रग्स जैसी अवैध सामग्री है, उनके नाम पर और उनके आधार के साथ भेजा गया था। उनका नाम स्पष्ट करने और उनके खिलाफ मामला दर्ज न करने के लिए मोबाइल नंबर आदि मांगे गए। इस मामले में आरोपी हर्ष कुमार ने चीनी धोखेबाजों को बिनेंस खाते की सुविधा प्रदान की और धोखाधड़ी की राशि से चीनियों की ओर से क्रिप्टो करेंसी भी खरीदी और उनके निर्देशों पर उसी क्रिप्टो को चीनी में स्थानांतरित कर दिया।

केएलआईएस बैराजों में संरचनात्मक मुद्दों की जांच जारी

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के मेडीगड्डा बैराज की शाखाओं की शिथिलता को देख रहे विशेषज्ञों ने शाखाओं की संरचनात्मक सुरक्षा के लिए अन्य दो बैराजों अन्नाराम और सुंडीला की जांच करने का निर्णय लिया है। लेकिन संरचनात्मक सुरक्षा का अध्ययन करने के लिए इन दोनों बैराजों को पूरी तरह से खाली करना होगा। सूत्रों ने कहा कि परियोजना अधिकारियों ने अध्ययन के लिए इन दोनों बैराजों से भी पानी निकालने की अनुमति के लिए सरकार को पत्र लिखा है और मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। सरकार ने अभी तक इन बैराजों से पानी छोड़ने के लिए हरी झंडी नहीं दी है। इन दोनों बैराजों को सूखाने से रबी फसलों की सिंचाई अनुसूची पर असर पड़ता है और अन्य सभी विभागों के परामर्श से भी पानी निकालने का निर्णय लेना होगा।

सूत्रों ने बताया कि एलएंडटी ने पहले ही मेडीगड्डा बैराज की जांच शुरू कर दी है, ताकि उन कारकों का पता लगाया जा सके जो बैराज नाशपाती की शिथिलता का कारण बन सकते हैं। कार्यान्वयन एजेंसी ने इस जांच को तीसरे पक्ष को सौंपा था, जबकि कॉफ़र बांध के निर्माण का काम थोड़े अंतराल के बाद फिर से शुरू किया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुनर्वास कार्यों के कार्यान्वयन से पहले, समस्याग्रस्त स्थानों की पहचान करने के लिए बैराजों की निकासी की जानी चाहिए। वर्तमान में, अन्य दो बैराज-सुंडीला और अन्नाराम में उनके मृत भंडारण के हिस्से के रूप में दो टीएमसी पानी है।

वर्तमान में, मेडीगड्डा में 6000 क्यूसेक का प्रवाह हो रहा है, जो सामान्य प्रवाह में प्रतिदिन आधा टीएमसी पानी जोड़ा जा सकता है। पहले बांध सुरक्षा प्राधिकरण के निर्देशानुसार पानी छोड़ा गया था और अब कोफ़रडैम के निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए पानी का प्रवाह भी छोड़ा जा रहा है, जो लगभग एक महीने पहले शुरू किया गया था। इसे पूरा होने में कुछ सप्ताह लग सकते हैं।

एक बार कॉफ़र डैम का निर्माण पूरा हो जाने के बाद, आवश्यक गीलापन के साथ रबी फसलों को सहारा देने के बारे में सोचना संभव होगा। पुनर्वास कार्यों को एक साथ लागू करते हुए मेडीगड्डा में पानी जमा करना फिर से शुरू किया जा सकता है। एफ़कॉन्स द्वारा निर्मित अन्नाराम बैराज में भी कुछ तकनीकी समस्याएं थीं और उन्हें संबोधित किया जा रहा है। बैराज, मेडीगड्डा और सुंडीला बैराज के बीच में होने के कारण, गोदावरी के पानी को रिवर्स पंप करने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित है।

सुंदिलाला बैराज का निर्माण नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि इस बैराज में भी तकनीकी मुद्दों की पहचान की गई थी। अन्नाराम और सुंडीला दोनों की कार्यान्वयन एजेंसियों ने संरचनात्मक मुद्दों के समाधान के लिए अलग-अलग परियोजनाओं की जांच शुरू की है। वे यह भी चाहते हैं कि बैराजों को सूखा दिया जाए। जहां भी आवश्यकता हो वहां प्रेशर ग्राउटिंग कार्य प्रगति पर है। तीनों बैराजों की जल धारण क्षमता लगभग 35 टीएमसी है, जिसे 18.25 लाख एकड़ के नए अयाकट सहित लगभग 37 लाख एकड़ को पानी देने के लिए जलाशयों के चक्रव्यूह के माध्यम से ले जाने से पहले रिवर्स पंपिंग द्वारा खींचा जाएगा।

अमित शाह 28 दिसंबर को तेलंगाना में बीजेपी की बैठक में शामिल होंगे

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी लोकसभा चुनावों के लिए अपने पदाधिकारियों को तैयार करने की भाजपा की योजना के तहत, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 दिसंबर को रंगारेड्डी जिले में राज्य पार्टी नेताओं की बैठक में भाग लेंगे। सोमवार को यहां मीडियाकर्मियों को इसका खुलासा करते हुए, राज्य भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने कहा कि शाह रंगारेड्डी जिले के कोंगराकलां में पार्टी मंडल अध्यक्षों और राज्य स्तर के नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि शाह केंद्रीय योजनाओं को राज्य के लोगों तक पहुंचाने के लिए आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने के बारे में सुझाव देंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी इस बार राज्य में अपनी स्थिति सुधारने के लिए कई संगठनात्मक उपाय कर रही है।

पार्टी के सूत्रों ने कहा कि अमित शाह पार्टी विधायकों से भी मिलेंगे और भाजपा विधायक दल के नेता के चयन पर चर्चा करेंगे। राज्य विधानसभा में भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने अब तक अपने विधायक दल के नेता का चयन नहीं किया है। राज्य विधानसभा में भाजपा के आठ विधायक हैं।

श्रीशैलम में भारी ट्रैफिक जाम

हैदराबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को लगातार दूसरे दिन, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बड़ी संख्या में पर्यटक श्रीशैलम पहाड़ी मंदिर और श्रीशैलम जलाशय बांध पर बड़े ट्रैफिक जाम में फंस गए। क्रिसमस की छुट्टियों और अनुकूल मौसम की स्थिति के कारण, सुरम्य श्रीशैलम मुख्य सड़क पर आगंतुकों की भारी आमद देखी जा रही है, जिससे घाट रोड पर कई किलोमीटर तक लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है। न केवल तेलुगु राज्यों से बल्कि कर्नाटक और महाराष्ट्र से भी तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की वृद्धि ने अराजकता बढ़ा दी है।

सड़कों पर भीड़ बढ़ गई है, मंदिर शहर में आगंतुकों के आगमन में भारी वृद्धि देखी गई है, जिससे यात्रियों और तीर्थयात्रियों दोनों को असुविधा हो रही है। छुट्टियों की श्रृंखला के साथ, आमद जारी रहने की उम्मीद है। कई लोगों ने ट्विटर पर आने वाले दिनों में श्रीशैलम की यात्रा की योजना बना रहे लोगों से वर्तमान गतिरोध और उनके यात्रा कार्यक्रम में संभावित व्यवधानों का हवाला देते हुए अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है।

आदिवासी महिला पर आवारा कुत्ते ने किया हमला

कुमराम भीम आसिफाबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेज्जुर मंडल के कुकुदा गांव में सोमवार को एक आदिवासी महिला जब खेत की ओर जा रही थी तो आवारा कुत्ते के हमले में उसे मामूली चोटें आईं। कुत्ते द्वारा नोचे जाने से सादमेका सुक्कूबाई के हाथ में चोट लग गई। दुर्घटना के समय वह कपास के खेत में कपास के गोले चुनने जा रही थी। सड़क पर घूम रहे कुछ किसानों ने उसके परिवार के सदस्यों को सचेत किया। शुरुआत में उसे बेज्जूर के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया और फिर बेहतर इलाज के लिए कागजनगर के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

भ्रष्ट बीआरएस नेता जल्द जाएंगे जेल : कोमटिरेड्डी

नलगोंडा, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सोमवार को सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए कहा कि भ्रष्ट बीआरएस नेता निश्चित रूप से जल्द ही जेल जाएंगे। सोमवार को यहां मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने दस साल में तेलंगाना को कर्ज में डूबा राज्य बना दिया और बीआरएस नेताओं ने बड़े पैमाने पर अनियमितताएं कीं। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट बीआरएस नेता निश्चित रूप से जल्द ही जेल जाएंगे।

बीआरएस सरकार के भ्रष्टाचार पर मौजूदा न्यायाधीश की जांच रिपोर्ट मिलते ही उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि बीआरएस पार्टी अब तेलंगाना की राजनीति में अस्तित्व में नहीं रहेगी और जल्द ही इसके चार टुकड़े हो जाएंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार काम कर रही है और विश्वास जताया कि कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में अगले 20 वर्षों तक सत्ता में रहेगी।

जनसमस्याओं के समाधान के लिए एजेंडे के रूप में काम करना चाहिए : वाई.एस. वीरय्या

कुमरम भीम आसिफाबाद, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की जिलास्तरीय बैठक सोमवार के दिन आसिफाबाद कस्बे के रोज गार्डन में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए सीपीएम राज्य सचिवालय के सदस्य वीरय्या ने कहा कि राज्य में नई सरकार द्वारा किए गए वादों को लागू किया जाना चाहिए और निचले स्तर पर पार्टी के सदस्यों को उनके कार्यान्वयन के लिए लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले में कुमराम भीम परियोजना नहरों के पूरा होने से पहले ही ध्वस्त हो जायेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने तुम्मीडीहेटी में प्राणहिता चेवेल्ला परियोजना की आधारशिला रखी थी और इस कांग्रेस सरकार को इस परियोजना को पूरा करना चाहिए और जिले के विकास में सहयोग करना चाहिए। पिछली सरकार ने भले ही जिले में मेडिकल कॉलेज शुरू किया, लेकिन शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की बहाली नहीं की गयी। इसी तरह जिला केंद्रीय अस्पताल के साथ-साथ जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी डॉक्टर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जिले में सड़कें अस्त-व्यस्त है, नई सरकार और नए विधायकों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए और पार्टी कार्यकर्ताओं को जनसमस्याओं के समाधान को एजेंडे के रूप में काम करना चाहिए। सीपीएम राज्य समिति के सदस्य बंडारू रविकुमार, पार्टी जिला सचिव कुषाण राजन्ना, जिला सचिवालय सदस्य कोटा श्रीनिवास, दुर्गम दिनकर, पार्टी जिला समिति सदस्य गोडीसेला कार्तिक, मुंजम श्रीनिवास, मुंजो आनंद कुमार, जय राजेंदर, दुर्गम राजकुमार, पार्टी नेता जादी मलैया, टिकानंद और अन्य भाग लिया।

अटलजी के पद चिन्हों पर चलेंगे : महेश्वर

निर्मल, 25 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की जयंती के अवसर पर निर्मल कस्बे के सरकारी कर्मचारी विश्राम गृह में आयोजित सुशासन दिवस बैठक में विधायक ने भाग लिया। उन्होंने स्वर्गीय वाजपाई के कार्य काल याद करते हुए कहा वे एक महान नेता जिन से आदर्श से राजनीति सीखनी चाइए उन्होंने सभी को समान भाव सम्मान किया। उन्होंने कहा कि उनकी जान भाजपा पार्टी में बसी है।

हम उनकी नीतियों से भाजपा पार्टी में कार्य करेंगे। उनके भारत माता के प्रति प्रेम और किए कार्यों को सदैव याद किया जाएगा। कार्यक्रम में नेता अंजुकुमार रेड्डी, नागाचारी, अयन्न गारी भुमैय्या, राऊला रामनाथ, मल्लिकार्जुन रेड्डी, मेडिसेम्मा राजू, अलीवेलु मंगा, राजेंद्र के साथ सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.